C M Y K

मूल्य : 5/-
27 मई से 2 जून, 2024
वर्ष - 3, अंक - 6

# शौर्य न्यूज इंडिया

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

सोच वही, ऊर्जा नई...

www.shauryanewsindia.co.in

पेज 5
येलो ड्रेस में दीपिका का नजर...

पेज 5
खत्म हुआ हार्दिक और नताशा...



बनारस, चंदौली, आजमगढ़, जौनपुर, मीरजापुर, सोनभद्र, सिंगरौली, राजगढ़, भदोही, बलिया, मऊ, प्रयागराज, देवरिया, मथुरा, अयोध्या, आगरा, महोबा, बांदा, मुरादाबाद, बहराइच और गोरखपुर से प्रसारित


# भाजपा का विकास देखना है तो एक बार यूपी आइए

भुवनेश्वर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केंद्रपाड़ा संसदीय क्षेत्र में आयोजित जनसभा में ओड़िया अस्मिता का मुद्दा उठाते हुए नवीन पटनायक सरकार पर हमला बोला। मुख्यमंत्री ने कहा कि ओडिशा में ओड़िया अस्मिता के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। यहां तमिल बाबू अपना शासन चला रहे हैं। लैंड माफिया, सैंड माफिया, टोल माइफिया को यहां प्रोत्साहन मिल रहा है। संसदीय लोकतंत्र में प्रशासनिक तंत्र अगर शासन को चलाने लगे तो अव्यवस्था, भ्रष्टाचार और तानाशाही बढ़ती है, गरीबों का शोषण होता है, माफिया राज पनपता है। सीएम योगी ने कहा कि एक तरफ ओडिशा के सपूत ओडिशा के सम्मान व स्वाभिमान के प्रतीक बैजयंत पंडा जो नवीन सरकार के तानाशाही सरकार के खिलाफ लड़ रहे हैं, दूसरी तरफ तमिल बाबू हैं जो ओडिशा को पछाड़ने में लगे हैं। तमिल बाबू यहां घुसपैठ कराएंगे, अराजकता बढ़ेगी। फिर ऐसे यहां किसी स्वामी लक्ष्मणानंद को असमय शिकार होना पड़ेगा। ऐसी स्थिति नहीं आनी चाहिए। क्योंकि इनकी यही नीति है। भाजपा के विकास एवं सुशासन की नीति को देखना है तो एक बार बैजयंत पंडा के साथ आप लोग यूपी आइए, काशी, अयोध्या और मथुरा का दर्शन करने आइए। काशी आएंगे तो एक नई काशी दिखेगी, मोदी के नेतृत्व में काशी का कायाकल्प हो गया है। अयोध्या में लगेगा प्रभु राम साक्षात प्रकट होकर आशीर्वाद दे रहे है। मथुरा में लगेगा कि भगवान जगन्नाथ, बलभद्र, माता सुभद्रा जी तो पुरी में हैं पर मथुरा में आशीर्वाद दे रहे हैं। वोट आपका है, देश आपका है, चुनाव भी आपका है, भविष्य भी आपका है। देश प्रदेश भी आपका है, फैसला भी आपका है, आपका एक वोट ओडिशा और भारत की तकदीर तस्वीर बदल देगा। पांच चरण में देश के अलग-अलग राज्यों में चुनाव हो गया, एक स्वर में लोग बोल रहे हैं फिर एक बार मोदी सरकार। अबकी बार 400 पार। 400 पार में केंद्रपाड़ा भी होना चाहिए। नवीन बाबू जब 400 पार का नारा सुनते हैं तो कहते हैं 400 कैसे, मैं कहता हूं, आप तो 21 सीट पर ही लड़ रहे हैं, सरकार तो बना नहीं पाएंगे तो आप लड़कर क्या करेंगे। जनता जनार्दन की आवाज निकलती है राम भक्त ही राज करेगा दिल्ली के सिंहासन पर। नरेन्द्र मोदी जी परम राम भक्त हैं। ऐसे में लोग कहते हैं जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे। ओडिशा में भी कमल खिलाएंगे।

# देवी-देवताओं और साधु-संतों की शरण में भी जनप्रतिनिधि

वाराणसी। लोकसभा चुनाव में अब सिर्फ दो चरण का मतदान बचा है। ऐसे में भाजपा जनप्रतिनिधि देवी-देवताओं और साधु-संतों, महंतो की शरण में भी पहुंच रहे हैं। काशी में यह जिम्मा संभाल रहे आयुष राज्यमंत्री स्वंतत्र प्रभार डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' देवी-देवताओं के चौखट पर मत्था टेक रहे हैं औ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रिकॉर्ड मतों से जीत का आशीर्वाद मांग रहे हैं। गुरुवार को आयुष मंत्री डॉ. दयालु चौखंभा स्थित गोपाल मंदिर सृष्टि पीठ पहुंचे और चौखट पर शीश नवाया। इस दौरान उन्होंने गोस्वामी श्याम मनोहर महाराज से आत्मीय भेंट की। इसके बाद वे गीताभवन मदन मोहन बालकृष्ण लाल की हवेली में गोस्वामी कल्याण राय, संगत चेतन मठ के महंत बलबिंदर सिंह, लक्ष्मीकुण्ड स्थित मां लक्ष्मी मंदिर के महंत पंकज मिश्रा व महंत शंकर पुरी तथा रविंद्रपुरी में अघोर पीठ बाबा कीनाराम के महंत सिद्धार्थ गौतम राम से आत्मीय भेंट की और अंगवस्त्रम ओढ़ाकर उन्हें सम्मानित किया। तत्पश्चात भाजपा सरकार की उपलब्धियों का पत्रक दिया और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर डॉ. हरदत्त शुक्ला, संजय मिश्रा, गौरव राठी, संतोष सैनी, अरुण पांडेय, सौरभ राय, जय विश्वकर्मा, राहुल पांडेय, आकाश सेठ, सुशील आदि रहे।

# 'भाजपा कहती है, वह संविधान बदल देगी, ऐसे सपने न देखें'

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दिल्ली में चुनाव प्रचार के आखिरी दिन गुरुवार को दिलशाद गार्डन में उत्तर पूर्वी दिल्ली से कांग्रेस उम्मीदवार कन्हैया कुमार के समर्थन में जनसभा की। उन्होंने इंडी गठबंधन उम्मीदवारों के लिए वोट की अपील करते हुए पार्टी कार्यकताओं से कहा कि दिल्ली में सातों सीटों को जीतना है। इसके लिए कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आआपा) के कार्यकर्ता मिलकर काम करें। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि इस चुनाव में लड़ाई भारतीय संविधान की रक्षा के लिए है। कांग्रेस नेता ने कहा, यह महज एक किताब नहीं है, हमारा संविधान गांधी, अंबेडकर और नेहरू की हजारों साल की वैचारिक विरासत को समेटे हुए है। राहुल ने आरोप लगाया कि भाजपा हमेशा संविधान को फाड़कर फेंक देना चाहती है। राहुल ने कहा- भाजपा वालों को ये सपने नहीं देखने चाहिए। ये लोग ऐसा कभी नहीं कर पाएंगे। भाजपा के सामने करोड़ों देशवासियों के साथ कांग्रेस पार्टी खड़ी है। देश के संविधान को कोई खत्म नहीं कर सकता है। आरक्षण को लेकर कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा के लोग आरक्षण को खत्म करने की बात करते हैं लेकिन कांग्रेस ने अपने मेनिफेस्टो में कहा है कि हम आरक्षण से 50 प्रतिशत की लिमिट खत्म कर उसे 50 प्रतिशत से आगे बढ़ाएंगे।राहुल गांधी ने महिलाओं का जिक्र किया और कहा कि महिलाएं 16 घंटे काम करती हैं, इसलिए देश की करोड़ों महिलाओं को लखपति बनाने के लिए कांग्रेस महिलाओं के खाते में हर साल 1 लाख रुपये जमा कराएगी। सीपीपी चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने कहा कि यह एक बहुत महत्वपूर्ण चुनाव है। यह चुनाव देश के लोकतंत्र और संविधान को बचाने का चुनाव है। यह चुनाव बेरोजगारी, महंगाई, संवैधानिक संस्थाओं पर आक्रमण जैसे मुद्दों पर लड़ा जा रहा है।

## सरकार बनी तो महिलाओं को हर माह देंगे साढ़े आठ हजार

वाराणसी। रोहनिया स्थित बसंतपट्टी गांव के शिव मंदिर में गुरुवार को आयोजित सभा में जुटी मातृ शक्ति की भीड़ देख इंडिया गठबंधन के प्रत्याशी अजय राय बेहद खुश नजर आए। कहा कि हमारी माताओं-बहनों के कठिन संघर्ष को देखकर हमारे नेता राहुल गांधी ने कहा कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनते ही हर घर में माताओं को उनकी इस मेहनत का सम्मान करते हुए इंडिया गठबंधन कि सरकार उनके बैंक एकाउंट में हर महीने बिना किसी भेदभाव के साढ़े आठ हजार रुपये देगी। ताकि हमारी मातृ शक्ति को उसके इस श्रम का सम्मान हो सके। इतना ही नहीं हमारे युवाओं को भी ट्रेनिंग के साथ हर महीने पैसे दिए जाएंगे और ट्रेनिंग के बाद रोजगार भी दिया जाएगा। किसान भाइयों को एमएसपी की गारंटी दी जाएगी, उनके कृषि ऋण को भी माफ किया जाएगा।

श्री अजय राय ने कहा कि हमारे नेता राहुल गांधी ने जिन पांच न्याय को लेकर घोषणा पत्र का निर्माण कराया है, वह निश्चित रूप से आने वाले समय में भारत के करोड़ों लोगों के जीवनस्तर को सुधारेगा। आज जिस तरह से जनता महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से त्रस्त है वह किसी से छिपा नही है। आज महंगाई ने सबके घर का बजट बिगाड़ दिया है। ऐसे कठिन समय में इंडिया गठबंधन द्वारा जो घोषणापत्र जारी किया गया है वह आम जन के दुखों पर मरहम लगाएगा और उन्हें इस भयानक आर्थिक परेशानियों से उबारेगा। सभा में फतेह बहादुर चौहान, ऋषि नारायण चौहान, मुकेश चौहान, कन्हैया चौहान, पप्पू चौहान समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

# बूथ के अंदर असलहा ले जाने पर प्रतिबंध

## बोले सीपी मोहितः अनधिकृत व्यक्ति किसी कीमत पर बूथ के अंदर नहीं घुसना चाहिए

वाराणसी। पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने कहा कि मतदान करने या कराने के लिए बूथ के अंदर असलहा ले जाने पर पूरी तरह पाबंदी है। पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों के अलावा जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेट आदि को निर्देशित किया कि कोई भी मतदाता, चाहे वह एमपी या एमएलए का सुरक्षागार्ड क्यों न हो, किसी भी दशा में मतदान करने या कराने बूथ के अन्दर असलहा लेकर नहीं जायेगा। पुलिस लाइन सभागार में गुरुवार को चुनाव ड्यूटी में लगाये कये प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को संबोधित करते हुए पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल ने कहा कि पोलिंग पार्टी को ईवीएम प्राप्त होने के बाद उसकी सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी पुलिस की होगी। पुलिस कमिश्नर ने फोर्स के जवानो को मतदाताओं के साथ शालीनतापूर्वक व्यवहार करने की विशेष हिदायत देते हुए चुनाव आयोग के निर्देशों का सख्ती से पालन करने पर जोर दिया और कहा कि अनधिकृत व्यक्ति किसी भी कीमत पर बूथ के अन्दर नहीं घुसना चाहिए। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी एस. राजलिंगम ने चुनाव ड्यूटी में लगाये गये प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों की जानकारी देते हुए स्वतंत्र, भयमुक्त, शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव सम्पन्न कराने की प्रतिबद्धता जताई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि बूथों पर तैनात सुरक्षाकर्मी यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी मतदाता बूथ के अन्दर मोबाइल लेकर कदापि नहीं जायेगा।

पोलिंग एजेंट्स को मतदान केंद्र के परिसर में बूथ से अलग बैठने की व्यवस्था की जायेगी। इसके अलावा वोटर असिस्टेंस के लिए भी अलग काउंटर बनाया जायेगा। उन्होंने कहा कि भीषण गर्मी को देखते हुए पर्याप्त टेंटेज और पेयजल के साथ ही मेडिकल सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। आप सभी अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बैठक में पुलिस एवं प्रशासन के सभी सम्बन्धित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

## आईपीएल में सैमसन बना सकते हैं रिकार्ड

चेन्नई। आईपीएल के दूसरे क्वालीफायर मुकाबले में शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स का सामना सनराइजर्स हैदराबाद से होगा। इस मैच में राजस्तान के कप्तान संजू सैमसन के पास एक नया रिकार्ड बनाने का अवसर है। अगर वह इस मैच को जीत लेते हैं तो राजस्थान रॉयल्स के सबसे सफल कप्तान बन जाएंगे। पहले क्वालीफायर में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ जीत के साथ ही संजू सैमसन की कप्तानी में टीम ने 31वीं जीत दर्ज की थी। इसके साथ ही सैमसन ने शेन वॉर्न के रिकॉर्ड की भी बराबरी कर ली थी। वॉर्न ने राजस्थान रॉयल्स को कप्तान के तौर पर 31 मैचों में जीत दिलाई थी। द्रविड़ ने 18 जबकि स्टीव स्मिथ ने 15 मैचों में अपनी कप्तानी में राजस्थान को जीत दिलाई है।


NATIONAL AGRICULTURAL COOPERATIVE MARKETING FEDERATION OF INDIA LIMITED (NAFED)
nafed A Farmers' Cooperative ... Since 1958
भारत सरकार
भारत आटा की बिक्री
NAFED's
BHARAT ATTA@ Rs 27.50/- per Kg
**NAFED** has commenced the sale of **NAFED,s** Bharat Atta, Whole Wheat Flour **@ Rs. 27.50/kg** under Open Market Sale Scheme (Domestic) of Gol. **NAFED's** Bharat Atta is available in various pack sizes. Interested buyers may visit the following locations for purchase of **NAFED's** Bharat atta:
Manufactured By :
MATRIX ROLLER MILL (P) LTD.
Jeevnathpur, Ramnagar, Chandauli-221110 (U.P.)
State Head : (Uttar Pradesh)
Address : Nafed Wareshouse Complex, Beside Fire Station Chatha Meel (6th Mile Chauraha, Sitapur Road, Lucknow-226021 (U.P.)

मिथिला Kashi Creation
साड़ी • लहंगा • सूट
• Saree
• Readymade Suit
• Unstiched Suits
• Kanjivarams
• Banddhej
• Bridal Gowns
• Bridal Lahegas
& Much More...
a member of
B. 12/9 Gauriganj, Infront of LIC Regional office, Varanasi
www.mithilakashicreation.com | mithilakashicreation@gmail.com
Mob.: 7905717508

NATIONAL AGRICULTURAL COOPERATIVE MARKETING FEDERATION OF INDIA LIMITED (NAFED)
nafed A Farmers' Cooperative ... Since 1958
भारत सरकार
भारत आटा की बिक्री
NAFED's
BHARAT ATTA@ Rs 27.50/- per Kg
**NAFED** has commenced the sale of **NAFED,s** Bharat Atta, Whole Wheat Flour **@ Rs. 27.50/kg** under Open Market Sale Scheme (Domestic) of Gol. **NAFED's** Bharat Atta is available in various pack sizes. Interested buyers may visit the following locations for purchase of **NAFED's** Bharat atta:
AGRAWAL INDUSTRIES
Semra, Chandauli (U.P.)
CHANDAULI VARANASI MIRZAPUR
State Head : (Uttar Pradesh)
Address : Nafed Wareshouse Complex, Beside Fire Station Chatha Meel (6th Mile Chauraha, Sitapur Road, Lucknow-226021 (U.P.)


# आजम खां व परिवार को जमानत, मिली बड़ी राहत

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट से पूर्व मंत्री आजम खां को बड़ी राहत मिली है। बेटे अब्दुल्ला के फर्जी जन्म प्रमाण पत्र मामले में कोर्ट ने आजम के साथ ही उनकी पत्नी तंजीम फातिमा और बेटे अब्दुल्ला आजम की जमानत अर्जी भी मंजूर कर ली। कोर्ट ने आजम की सजा पर भी रोक लगा दी है।

सपा नेता आजम खान को इलाहाबाद हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। उनके बेटे अब्दुल्ला और पत्नी तंजीम फातिमा को भी कोर्ट ने राहत दी है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दो जन्म प्रमाणपत्र मामले में हुई सजा के खिलाफ पूर्व मंत्री मोहम्मद आजम खां, उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खां और पत्नी तंजीम फातिमा को बड़ी राहत दी है।न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह ने आजम खान, तंजीम और अब्दुल्ला आजम की जमानत मंजूर कर ली है और आजम खान की सजा का आदेश स्थगित कर दिया है। आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर यह फैसला सुनाया गया है । दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद 14 मई को फैसला सुरक्षित कर लिया गया था। कोर्ट ने आजम की सजा पर भी रोक लगा दी है।

# डाटा सार्वजनिक करने की मांग को झटका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि वेबसाइट पर आकंड़े अपडेट करने के लिए कर्मचारियों को लगाना चुनाव आयोग के लिए मुश्किल है। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी एक एनजीओ द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए की। याचिका में मांग की गई थी कि चुनाव आयोग प्रत्येक चरण की वोटिंग के 48 घंटे के भीतर मतदान का डाटा वेबसाइट पर अपलोड करे। साथ में याचिका में यह भी मांग की गई थी कि इस बारे में शीर्ष अदालत चुनाव आयोग को निर्देश दे।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की अवकाश पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि वह फिलहाल ऐसा कोई निर्देश जारी नहीं कर सकते क्योंकि पांच चरणों के मतदान संपन्न हो चुके हैं और दो चरण के मतदान बाकी हैं। पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग के लिए अपनी वेबसाइट पर मतदान डाटा अपलोड करने के लिए कर्मचारियों को लगाना मुश्किल होगा।बता दें, मामले में कोर्ट ने 17 मई को चुनाव आयोग से एक सप्ताह के भीतर जवाब मांगा था। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा था कि याचिका पर जवाब देने के लिए चुनाव आयोग को कुछ समय दिया जाना चाहिए। इसके बाद आयोग ने एक हलफनामा दायर किया।

आयोग ने अदालत से एडीआर के हलफनामे को खारिज करने की मांग की और कहा कि कुछ निहित स्वार्थी तत्व कामकाज को बदनाम करने के लिए उस पर झूठे आरोप लगाते रहते हैं।

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट से आग्रह किया है कि चुनाव आयोग को ईवीएम के डेटा को कम से कम दो या तीन साल के लिए सुरक्षित रखने के निर्देश दिए जाएं। सिब्बल ने शीर्ष अदालत से यह अनुरोध भी किया है कि आयोग को मतगणना से पहले प्रत्येक चरण के मतदान के रिकॉर्ड की घोषणा करने के भी निर्देश दिए जाएं।

# अखिलेश ने भरी हुंकार, कहा- किसानों से छल कर रही सरकार

जौनपुर। मड़ियाहूं नगर के स्वामी विवेकानंद इंटर कॉलेज के बगल स्थित रामलीला मैदान में गुरुवार को समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी प्रिया सरोज के समर्थन में जन सभा को संबोधित करते हुए भाजपा गठबंधन पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन के लिए जो जनसमर्थन दिखाई दे रहा है उससे साफ हो गया है कि आने वाले समय में देश की 140 करोड़ जनता भाजपा गठबंधन को 140 सीटों के लिए तरसा देगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा के रथ का चक्का दलदल में धंस चुका है। 4 जून को इंडिया गठबंधन की सरकार बनने जा रही है। किसानों की आय दोगुनी करने व उन्हें खुशहाल करने का वादा करने वालों ने खाद की बोरियों से पहले 5 किलो फिर 5 किलो, 10 किलो खाद चुराने का काम किया है। विकसित भारत का सपना दिखाकर किसानों के साथ सरकार ने छल किया है। चुनावी बांड के नाम पर उद्योगपतियों से पैसा वसूल किया और इतना पैसा वसूल किया कि आज तक जनता महंगाई से जूझ रही है। उद्योगपति जिस तरह से बैंकों का कर्जा लेकर भाग गए उसी तरह नैनो यूरिया बनाने वाले भी देश छोड़कर भाग गए। सरकार ने उद्योगपतियों का करोड़ों रुपए का कर्ज माफ किया वहीं किसानों के साथ धोखा किया। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो किसानों के एक लाख कर्ज माफ किए जाएंगे। व्यापारी, किसान नौजवान सभी भाजपा के खिलाफ हैं। भाजपा सरकार में 10 परीक्षाओं के पेपर लीक होने के बाद 30 लाख विद्यार्थियों का भविष्य खराब हो गया। इंडिया गठबंधन सरकार बनते ही खाली पड़ी 30 लाख सरकारी नौकरियों को भरेगी। इतना ही नहीं फौज में अग्निवीर योजना को समाप्त कर पहले की तरह भर्ती की जाएगी। किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी दी जाएगी। हर गरीब माता बहनों के खाते में एक लाख प्रतिवर्ष देकर उन्हें लखपति बनाया जाएगा। चुनावी जनसभा में आई उत्साहित भीड़ को देखकर उन्होंने जनता जनार्दन का अभिवादन किया। कहा कि छठे सातवें चरण के चुनाव में भाजपा का सूपड़ा साफ होने जा रहा है। अभी तक जितने चुनाव हुए हैं इंडिया गठबंधन को भारी सफलता मिली है। उन्होंने छठवें व सातवें चरण में होने जा रहे 27 सीटों के चुनाव में 26 सीटे जीतने का दावा किया। उन्होंने बनारस सीट का नाम न लेते हुए एक सीट पर लड़ाई होने का दावा किया। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने दावा किया कि 140 करोड़ की जनता भाजपा को 140 सीटों पर समेट चुकी है। सातवें चरण में पहुंचते ही जनता का गुस्सा भी सातवें आसमान पर पहुंच गया है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी देश की सबसे झूठी पार्टी है। अंत में उन्होंने मछलीशहर की प्रत्याशी प्रिया सरोज को भारी बहुमत से जीतने की अपील किया। इस अवसर पर पूर्व विधायक श्रद्धा यादव, विधायक केराकत तूफानी सरोज, विधायक मछलीशहर रागनी सोनकर, जौनपुर प्रत्याशी बाबू सिंह कुशवाहा, आशुतोष सिंह, क्षेत्र पंचायत मड़ियाहूं की प्रमुख रेखा यादव, अवध नारायण पाल, जिला अध्यक्ष राकेश मौर्य, अशोक कुमार कुशवाहा, गौरी सोनकर, व्यापार मंडल अध्यक्ष राशीद अली हाशमी, हाजी मो. ईशा फारूकी, अताउल्ला खां, कफील अहमद राईन, चंद्रभान यादव, लोरिक आदि रहे।

# कांग्रेस का इरादा मुस्लिमों को गोकशी की छूट देने का, इसे हर्गिज नहीं होने देंगे: योगी

## मुख्यमंत्री ने चंदौली लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को किया संबोधित, बोले सीएम, इंडी गठबंधन रामद्रोही और राष्ट्रविरोधी, मोदी सरकार ने पिछले 10 साल में बनाए हैं बाबा साहब के पंच तीर्थ

चंचल सिंह

चंदौली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी परम रामभक्त हैं, उन्होंने 500 वर्षों के बाद अयोध्या में रामलला को दिव्य और भव्य मंदिर में विराजमान किया है। वहीं रामद्रोही और राष्ट्र विरोधी सपा और कांग्रेस कहती है कि सत्ता में आएंगे तो पर्सनल लॉ लागू करेंगे। इसका मतलब वह तालिबानी शासन लागू करना चाहता है, जिसमें बेटियों को स्कूल और महिलाओं को बाजार नहीं जाने दिया जाएगा। उन्हे बुर्का पहनना पड़ेगा। हम ऐसा नहीं होने देंगे। भारतीय जनता पार्टी ने साफ-साफ कह दिया है कि भारत में सिर्फ बाबा साहब का ही संविधान चलेगा। इंडी गठबंधन जनता जनार्दन को गुमराह कर रही है कि देश में एनडीए सरकार आएगी तो संविधान बदल देगी, लेकिन वह इनके झूठ को समझ गयी है। जनता अच्छी तरह से जानती है कि मोदी सरकार ने ही बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का सम्मान किया है। मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों बाबा साहब के पंच तीर्थ बनाए हैं। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को मुगलसराय में चंदौली लोकसभा क्षेत्र के लिए जनसभा को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने केंद्रीय मंत्री और लोकसभा प्रत्याशी डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय के पक्ष में वोट की अपील की।

**विकास के नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा चंदौली :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज चंदौली विकास के नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि आज सबसे अधिक वॉटर वे का लाभ चंदौलीवासियों को ही मिल रहा है। वहीं विरासत का सम्मान भी हो रहा है। यहां पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के नाम पर बना स्मारक इसका जीता जागता उदाहरण है। काशी में काशी विश्वनाथ धाम के साथ ही भगवान मारकंडेय धाम का सौंदर्यीकरण सभी को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। चंदौली में बाबा कीना राम के नाम पर मेडिकल कॉलेज

बनकर तैयार है। यहां की सड़कें फोर लोन की बन रही हैं। यहां पर फ्लाईओवर और पुल का जाल बिछाया जा रहा है। सीएम योगी ने कहा कि चंदौली कृषि बाहुल्य क्षेत्र है। ऐसे में यहां सिंचाई के लिए किसानों को नई-नई सुविधाओं को लाभ दिया जा रहा है। इसके अलावा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ भी सबसे अधिक चंदौली को ही दिया गया है। श्रमिकों, गरीबों के अनाथ और निराश्रित बच्चों को अटल आवासीय विद्यालय में हाईटेक टेक्नलॉजी से शिक्षा दी जा रही है।

**कांग्रेस और सपा को वोट देकर आप पाप के भागीदार न बनें :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में देश में एक भी आतंकी वारदात नहीं हुई है। आज तो पटाखा भी जोर से फट जाए तो पाकिस्तान सफाई देने लगता है। पिछले 10 वर्षों में हमने बदलते हुए भारत को देखा है। हम एक नये भारत का दर्शन कर रहे हैं, जिसमें दुनिया में सम्मान बढ़ा है, सीमाएं सुरक्षित हुई हैं, आतंकवाद-नक्सलवाद पर प्रभावी अंकुश लगा है। वहीं इंडी गठबंधन देश को दोबारा गर्त में धकेलना चाहता है, जिसे हम होने नहीं देंगे। यह अपने घोषणा पत्र के माध्यम से कहते हैं कि सत्ता में आएंगे तो मुसलमानों को आरक्षण देंगे यानी यह पिछड़ी, अनुसूचित जाति व जनजाति का आरक्षण काटकर देंगे। भाजपा धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होने देगी।

यह कहते हैं कि सत्ता में आने पर पर्सनल लॉ लागू करेंगे यानी भारत के अंदर तालिबानी शासन लगाएंगे। इसका मतलब बेटी स्कूल नहीं जा पाएगी, महिलाएं घरों में कैद हो जाएंगी। हम भारत के अंदर शरिया कानून लागू नहीं होने देंगे। यह सत्ता में आने पर अल्पसंख्यकों को खानपान की स्वतंत्रता की बात कह रहे हैं। मुसलमान गोमांस खाने की बात कहता है, लेकिन हिंदू गाय को मां मानते हैं। हम गोकशी बर्दाश्त नहीं करेंगे। सीएम ने कहा कि रामजन्म भूमि का जो पुण्य आपके साथ जुड़ा है उस पुण्य को गोकशी कराने वाले कांग्रेस और सपा को वोट देकर पाप के भागीदार न बनें। समाजवादी पार्टी की सरकार के समय उत्तर प्रदेश और कांग्रेस की सरकार के समय में देश के सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया था। आज दुनिया के अंदर सम्मान बड़ा है। अब कोई घुसपैठ नहीं करता है। उस दौरान सुबह उठने पर समाचार पत्र में भ्रष्टाचार के घोटाले की खबर और शाम होते-होते बड़ी आतंक की वारदात की खबर देखने को मिलती थी। राज्यसभा की सांसद दर्शना सिंह, साधना सिंह, प्रदेश सरकार के मंत्री अनिल राजभर, विधायक सुशील सिंह, रमेश जायसवाल, त्रिभुवन राम, ओमकार केशरी, संयोजक सर्वेश कुशवाहा थे।

# पिकअप से चार गौवंश बरामद

## गैंगेस्टर एक्ट का वांछित अभियुक्त सहित दो गौ-तस्कर गिरफ्तार

चन्दौली। बलुआ पुलिस टीम द्वारा 01 पिकअप वाहन से गौ तस्करी कर रहे गैंगेस्टर एक्ट के वांछित अभियुक्त सहित दो अन्तर्राज्यीय अपराधियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 04 गौवंश बरामद किये गए है तथा गिरफ्तार अभियुक्तों की तलाशी में अवैध असलहा व कारतूस बरामद किया गया है।

प्रभारी निरीक्षक बलुआ के नेतृत्व में उपनिरीक्षक अनिल यादव मय हमराह द्वारा चहनिया चौराहे पर अपराधियों से सम्बंधित अभिसूचना संकलन की कार्यवाही के दौरान मुखबीर से सूचना मिली कि एक पिकअप में गौवंशों को लादकर सराय गांव होते हुए मथेला पुल के रास्ते बिहार राज्य की तरफ तस्करी कर ले जाया जा रहा है। इस सूचना पर ग्राम सराय के पास घेराबन्दी करके एक पिकअप को रोक लिया गया। पिकअप की तलाशी के दौरान गौवंशों को क्रूरता पूर्वक बांधकर लादा गया था। वाहन से कुल 04 गोवंश को बरामद किया गया।

मौके से अभियुक्तगणः- 1.राम गोपाल यादव पुत्र रामचन्द्र यादव निवासी ग्राम बदलपुर कोईरान बस्ती पानी की टंकी के पास थाना जलालपुर जनपद जौनपुर 2.सतीश यादव पुत्र सियाराम यादव निवासी ग्राम दौरीकोट कौडरिया बसिला थाना व जनपद चन्दौली को गिरफ्तार किया गया।

अभियुक्त रामगोपाल यादव के कब्जे से 01 तमंचा 315 बोर व 01 कारतूस जिन्दा 315 बोर व स्मार्ट फोन वीवो बरामद हुआ तथा अभियुक्त सुरेश यादव के कब्जे से एक चापड़ व एक स्मार्ट फोन काला रंग बरामद हुआ।

गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-63/2024 धाराः- 3/5अ/5इ/8 गोवध नि0 अधि0 व 11 पशु क्रू0 नि0 अधि0 व 3/25 आर्म्स एक्ट व 4/25 आर्म्स एक्ट कर आवश्यक अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

### आवेदन कर पोस्टल बैलेट से किया मतदान

चंदौली। लोक सभा सामान्य निर्वाचन 2024 के अंतर्गत निर्वाचन आयोग द्वारा ऐसे मतदाता जो आवश्यक सेवाओं में लगे है उनके लिए डाक मतपत्र द्वारा मतदान करने की सुविधा प्रदान की गई है।लोक सभा सामान्य निर्वाचन 2024 में पहली बार निर्वाचन आयोग द्वारा मान्यता प्राप्त पत्रकारों को इसेंसियल सर्विस में नोटिफाई किया गया है।इस क्रम में जनपद के मान्यता प्राप्त पत्रकारों में प्रशांत कुमार द्वारा आवेदन कर आज मेडिकल कॉलेज स्थित फैसिलिटेशन सेंटर पर पोस्टल बैलेट के द्वारा मतदान किया गया।मतदान के पश्चात प्रशांत कुमार ने इसके लिए भारत निर्वाचन आयोग और जिला निर्वाचन अधिकारी निखिल टी. फुंडे को धन्यवाद ज्ञापित किया।

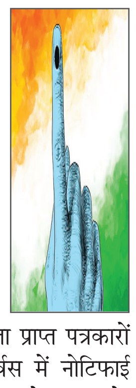

# पांच वर्षों 80 किलो से अधिक का सोना बरामद

## डीडीयू स्टेशन से 11 करोड़ से अधिक नकदी पकड़ा गया, 41.48 लाख के विदेशी मुद्रा भी मिल चुका है

डीडीयू नगर। लाख कोशिशों भारतीय रेल से तस्करी रुकने का नाम नहीं ले रही है। तस्कर ट्रेनों को तस्करी का सबसे मुफीद साधन मान रहे हैं। ट्रेनों से सिर्फ सोना चांदी, हेरोइन, असलहा ही नहीं नकदी का आवागमन भी लगतार हो रहा है। इसका उदाहरण बुधवार की रात डीडीयू स्टेशन से ढाई किलो से ज्यादा सोना के साथ डीआरआई तस्कर को गिरफ्तार कर अपने साथ वाराणसी ले आई।इस दौरान उसने आठ बार सोने की तस्करी की बात स्वीकार किया है।

स्थानीय रेलवे स्टेशन पर इतना कड़ा सुरक्षा का परिणाम है कि पांच वर्षों में स्टेशन से 11 करोड़ से अधिक नकदी और 80 किलो से अधिक सोना बरामद हो चुका है। यहां 41.48 लाख के विदेशी मुद्रा भी मिल चुकी है। वहीं एक करोड़ के नकली नोट भी बरामद हो चुके हैं।

भारतीय रेल को लाइफ लाइन का मुख्य साधन माना जाता है। प्रतिदिन करोड़ों लोग रेलवे से यात्रा करते हैं। यात्रियों के साथ तस्कर भी ट्रेनों को नकदी और सोने चांदी, कछुआ, नशीले पाउडर आदि की तस्करी करते हैं। स्थानीय रेलवे स्टेशन पर पांच वर्षों में 80 किलो से अधिक सोना बरामद हो चुका है। जबकि पांच वर्षों में 11

करोड़ रुपये नकदी बरामद हो चुका है। 20 जुलाई 2018 को दुरंतो एक्सप्रेस के ए-वन कोच से हावड़ा से दिल्ली ले जाए जा रही दो करोड़ रुपये की नगदी को जीआरपी और आरपीएफ के टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर छह से बरामद किया। इस दौरान राजस्थान के गंगानगर निवासी व्यक्ति को गिरफ्तार किया। 25 अक्टूबर को राजधानी एक्सप्रेस में 50 लाख दस हजार 840 रुपये बरामद हुए। 25 जनवरी 2020 को जीआरपी व आरपीएफ ने स्थानीय रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या दो की सीढ़ी से एक करोड़ 18 लाख रुपये नकदी के साथ एक तस्कर को पकड़ा। आरोपित वाराणसी से रुपये से भरे दो बैग लेकर हावड़ा के दुगार्पुर जाने की फिराक में था। 31 जुलाई 2020 का स्थानीय रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम कटनी मध्य प्रदेश निवासी एक युवक को गिरफ्तार किया। उसके पास से 48. 50 लाख भारतीय रुपये के साथ अमेरिका, चीन, नेपाल, थाईलैंड सहित एक दर्जन देशों की लगभग 41.84 लाख रुपये मूल्य की करेंसी बरामद की।आठ मार्च 2021 को ब्रह्मपुत्र मेल से एक करोड़ रुपये मूल्य के दो दो हजार के नकली नोट बरामद किया गया। 15 जून की रात आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त टीम ने एक व्यक्ति को 38.50 लाख रुपये के साथ गिरफ्तार किया। लगभग डेढ़ वर्ष बाद फिर से सात दिसंबर 2022 को दो लोगों के पास से तीस लाख रुपये नकद बरामद हुए हैं। वर्ष 2023 से अब तक स्टेशन से सवा छह करोड़ से अधिक नकदी बरामद हो चुके हैं। सोने की बात करें तो दो अप्रैल 2022 को डीआरआई ने दो तस्करों को चार किलो सोना बरामद किया था। इसी तरह सात जून 2023 को डीआरआई ने 12 सौ ग्राम सोना और आठ जनवरी 2024 को डीआरआई ने दो करोड़ रुपये मूल्य के बीस सोने के बिस्कूट बरामद किए थे।

# वृद्ध की धारदार हथियार से हत्या कर हमलावर फरार

शौर्य न्यूज इंडिया

डीडीयू नगर। क्षेत्र के कैली चंदौली मार्ग स्थित तारापुर रेलवे फाटक के पास शनिवार की सुबह चाय विक्रेता 75 वर्षीय एक वृद्ध का धारदार हथियार से हत्या कर अज्ञात हमलावर फरार हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया। वहीं मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। घटित घटना को लेकर लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त हो गया

क्षेत्र के रुप्पीपुर गांव निवासी रिटायर्ड रेलकर्मी रामप्रसाद प्रजापति रोज की भांति शनिवार चार बजे भोर में तारापुर रेलवे फाटक के पास चाय की दुकान खोलने के लिए गए। पहले से घात लगाए अज्ञात बदमाशों ने इनकी धारदार हथियार से वार कर मौत के घाट सुला दिया। करीब आधा घंटे बाद बाद इनकी पत्नी चनरा देवी दूध लेकर दुकान पर पहुंची। तभी अपने पति को खून से लतपथ गिरे हालत में देखकर शोर मचाने लगी। शोरगुल की आवाज सुनकर आसपास के लोगों की भारी भीड़ एकत्रित हो गए।इनको निजी वाहन द्वारा ट्रामा सेंटर वाराणसी इलाज के लिए ले गए। जहां चिकित्सको ने मृत घोषित कर दिया। शव वापस आने पर पुलिस ने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया। मौत के बाद पुत्र दिनेश, मनोज, आशोक के अलावा पुत्री चिंता, तारा, सोनी व पत्नी चनरा देवी का रो रो कर बुरा हाल हो गया। हालांकि सभी पुत्र व पुत्री की शादी हो चुकी है। घटना को पुलिस विवाद के अलावा विभिन्न पहलुओं पर जांच पड़ताल में जूटी है। यहां सुनसान स्थान होने के कारण इस तरह की घटना को अंजाम देकर अपराधी फरार हो जा रहे हैं।

# माइक्रो आब्जर्वरों को निर्वाचन कार्य का दिया प्रशिक्षण

चंदौली। लोकसभा निर्वाचन 2024 को सकुशल, पारदर्शिता के साथ सम्पन्न कराने के लिए निर्वाचन कार्य हेतु नियुक्त किए गए माइक्रो ऑब्जर्वर को सामान्य प्रेक्षक महोदया सिंधु बी. रूपेश एवं प्रभारी अधिकारी कार्मिक/मुख्य विकास अधिकारी एस एन श्रीवास्तव की उपस्थिति में मास्टर ट्रेनरो द्वारा आज बाबा कीनाराम राजकीय मेडिकल कालेज ठल्ठ-19 नौबतपुर, चंदौली में प्रशिक्षण दिया गया। ट्रेनिंग में क्रिटीकल मतदान केंद्रों हेतु लगे माइक्रो ऑब्जर्वर को निर्वाचन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई एवं उन्हें चुनाव कार्य सुचारू रूप से संचालन हेतु अपने दायित्व का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने के निर्देश दिए गए।

इस अवसर पर सामान्य प्रेक्षक सिंधु बी रूपेश ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग का उद्देश्य निर्वाचन की प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराना है। आप सभी की

ड्यूटी माइक्रो आब्जर्वर के रूप में लगाई गई है। इस हेतु आप सभी कुशलता पूर्वक सौपें गए जिम्मेदारियों का आपसी समन्वय से निर्वहन कर निर्वाचन कार्य में सहभागिता प्रदान करें। प्रशिक्षण देते हुए माइक्रो ऑब्जर्वर नोडल राजेश नायक ने सभी को चुनाव की सामान्य प्रक्रिया एवं ईवीएम संचालन की भी विस्तृत जानकारी दिया। 206 माइक्रो ऑब्जर्वर को चुनाव की सामान्य प्रक्रिया एवं ईवीएम संचालन की विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण के दौरान शिव प्रताप शर्मा, वीर शेर सिंह, आशुतोष मिश्रा, तनु कुमारी, पुष्पा वर्मा, शमीम अहमद, आकाश यादव, दिलशाद अहमद, राम लखन, ओमप्रकाश राम, योगेंद्र प्रताप सिंह, तेज बहादुर, विजय शंकर पांडेय, नरेंद्र कुमार, अमृता सिंह, राणा प्रताप सिंह, महिमा श्रीवास्तव अनुपस्थित रहे। प्रभारी अधिकारी कार्मिक/मुख्य विकास अधिकारी एस एन श्रीवास्तव ने निर्देश दिया कि प्रशिक्षण में जो माइक्रो ऑब्जर्वर अनुपस्थित रहे हैं, उनके खिलाफ जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के सुसंगत धाराओं में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने की कार्रवाई सुनिश्चित की जाये।

**जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा कलेक्ट्रेट में स्थापित स्ट्रांग रूम का निरीक्षण किया : चंदौली।** लोकसभा सामान्य निर्वाचन- 2024 को स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने हेतु जनपद में बनाये गये स्ट्रांग रूम का जिलाधिकारी/ जिला निर्वाचन अधिकारी निखिल टी. फुंडे ने निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिया। इस दौरान उन्होंने बताया की कलेक्ट्रेट परिसर में बने स्ट्रांग रूम में अतिरिक्त ईवीएम मशीने ( सीवडी) कटेगरी की। जैसे ट्रेनिग के दौरान उपयोग की गई मशीनें, ओ मशीनें जो मतदान के पूर्व काम करना बंद कर दी तथा ओ मशीनें जो सही है,लेकिन उनका उपयोग मतदान में नही किया गया हो ऐसी मशीनों के लिए अलग से स्ट्रांग रूम की स्थापना कलेक्ट्रेट परिसर में किया गया है।

### स्वीप आईकॉन राकेश रौशन और स्वीप सहयोगी फैयाज अहमद के नेतृत्व में निकाली गई रैली

चंदौली। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के तहत जिला निर्वाचन अधिकारी चंदौली के निर्देश पर जनपद का मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए चलाए जा रहे मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत शनिवार को क्षेत्र के दरियापुर स्थित आसिफ पब्लिक स्कूल से साइकिल रैली निकाली गई। रैली का नेतृत्व जिला स्वीप आइकॉन राकेश रौशन और स्वीप सहयोगी फैयाज अहमद ने किया। रैली विद्यालय परिसर से निकलकर रामगढ़, बरिया होते हुए पुनः विद्यालय परिसर में आकर संगोष्ठी में तब्दील हो गई। मुख्य अतिथि जिला स्वीप आईकॉन राकेश रौशन ने कहा कि मतदान से ही राष्ट्र की उन्नति का रास्ता खुलता है। अच्छे व्यक्ति को मतदान करने से अच्छी सरकार भी बनती है, जो विकास में सहायक होती है। लोकतंत्र का महापर्व मतदान आगामी 01 जून 2024 को है। मतदान करना हर भारतीय का संवैधानिक अधिकार है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है। पांच साल में एक बार हमें मतदान का अवसर मिलता है। अतः हमें निष्पक्ष, भयमुक्त होकर बिना किसी के लालच में आए नैतिक मतदान करना चाहिए। जाति, धर्म, क्षेत्रवाद हमारे विकास में बाधक है। अच्छी सरकार, बिजली पानी, सड़क, स्वास्थ्य के क्षेत्र में विकास के लिए काम करती है। विशिष्ट अतिथि स्वीप सहयोगी फैयाज अहमद ने कहा कि भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक व्यक्ति के मत का समान महत्व है। एक मत से सरकार बनती और बिगड़ती है। अतः दिव्यांग, पुरुष, महिला, थर्ड जेंडर, बुजुर्ग सभी लोग आगामी 01 जून को मतदान कर लोकतंत्र को मजबूत करें। इस अवसर पर प्रबंधक आरिफ जमाल, मनोज यादव, मिस्बाह अहमद, रवि पाल सहित छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

# जिला प्रशासन ने नवीन मंडी पर जड़ा तुगलकी ताला: मनोज सिंह 'डब्लू'

चंदौली। सपा के राष्ट्रीय सचिव मनोज सिंह डब्लू शुक्रवार की अलसुबह नवीन मंडी के सामने सड़क पर लगे सब्जी बाजार पहुंच गए। इस दौरान किसानों और सब्जी व्यापारियों को सड़क पर देख मर्माहत हो उठे। किसानों और सब्जी व्यापारियों की इस दशा के लिए जिला प्रशासन को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष चुनाव कराने वाले जिला निर्वाचन अधिकारी की भूमिका संदिग्ध है। किसानों के लिए बनी नवीन मंडी से किसानों को ही बाहर कर दिया गया है, जिससे आज किसान सड़क पर आ गए हैं। नवीन मंडी पर जिलाधिकारी ने तुगलकी ताला जड़ने का काम किया है जो किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। सपा के पूर्व विधायक मनोज सिंह ने कहा कि जिलाधिकारी जिले किसानों व आम नागरिकों को यह बताएं कि नवीन मंडी को एक पखवारे तक बंद करके वह क्या करने की सोच रखते हैं? कहा कि जब से नवीन मंडी बनी है कभी भी बंद नहीं हुई। अपने होश में कई चुनाव देखे हैं लेकिन यह पहली बार देख रहा हूं कि नवीन मंडी को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है। चंदौली में यह किस तरह का चुनाव चल रहा है आम लोगों की समझ से पर है।

ऐसे में लाचार व बेबस किसान और सब्जी व्यापारी अपनी आजीविका के लिए सड़कों पर व्यापार करते हुए नजर आ रहे हैं। यह चंदौली के जिला प्रशासन के लिए शर्म की बात है। कहा कि जल्द ही जिलाधिकारी से मुलाकात कर किसानों के हित में मंडी को खोलने की मांग करेंगे। जिला प्रशासन यदि किसी भी तरह के हीलाहवाली करता है तो निर्वाचन आयोग से इसकी शिकायत की जाएगी। सपा नेता ने आशंका जताई कि नवीन मंडी को बंद करके इवीएम के साथ छेड़छाड़ की घटना को अंजाम दिया जा सकता है। जिला प्रशासन जल्द से जल्द नवीन मंडी को व्यापारियों किसानों के लिए खोलने का काम करें। चेताया कि ऐसा नहीं हुआ तो विवश होकर समाजवादी पार्टी को आंदोलन का रास्ता चुनना पड़ेगा। इसके लिए सीधे तौर पर जिलाधिकारी जिला प्रशासन जिला होंगे।

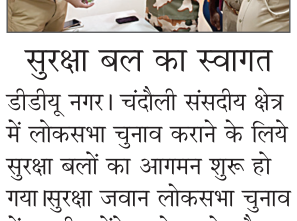

### सुरक्षा बल का स्वागत

डीडीयू नगर। चंदौली संसदीय क्षेत्र में लोकसभा चुनाव कराने के लिये सुरक्षा बलों का आगमन शुरू हो गया।सुरक्षा जवान लोकसभा चुनाव में ड्यूटी करेंगे।उनके रहने और खाने पीने की व्यवस्था विभिन्न स्कूलों में किया गया है।रविवार को आईटीबीपी की एक कम्पनी मुगलसराय विधान सभा क्षेत्र में पहुंची। उन्हें क्षेत्र के डांडी स्थित एक निजी विद्यालय में ठहराया गया है। सीओ अनिरुद्ध सिंह प्रभारी निरीक्षक विजय बहादुर ने क्षेत्र के डांडी स्थित एक निजी विद्यालय में लोकसभा चुनाव ड्यूटी में आए आईटीबीपी के असिस्टेंट कमांडेंट अरविंद खंडूरी व फोर्स का स्वागत किया। सीओ ने कहा कि जनपद में शांति पूर्ण तरीके से मतदान कराने में सुरक्षा तंत्र की भूमिका महत्वपूर्ण होती है।

# एसी खराब होने पर यात्रियों ने की चेन पुलिंग

डीडीयू नगर। आनंद विहार समर स्पेशल ट्रेन का एसी खराब होने से यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

डीडीयू स्टेशन पर ट्रेन रुकने पर इसकी शिकायत किया। शिकायत के बावजूद एसी ठीक नहीं हो सका। ट्रेन अपने निर्धारित समय पर आगे के लिए खुल गई। जिससे आक्रोशित यात्रियों ने चेन पुलिंग कर ट्रेन रोक दिया। इसके बाद प्लेटफार्म पर खड़े होकर हंगामा करने लगे। काफी प्रयास के बाद भी एसी की मरम्मत नहीं हो सकी। ऐसे में यात्रियों को किसी तरह समझा बुझाकर शांत कराया गया। ट्रेन को आगे के लिए रवाना किया गया। यात्रियों के हंगामा के कारण ट्रेन पौने दो घंटे तक प्लेटफार्म पर खड़ी रही।

आनंद विहार से पटना के लिए चली समर स्पेशल ट्रेन अपने निर्धारित समय 1.15 बजे से 35 मिनट की देरी से 1.51 बजे डीडीयू स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या एक पर आई।ट्रेन के रूकते ही एसी इकॉनामी कोच एम-3 और एम-2 के यात्रियों ने एसी खराब होने की शिकायत स्टेशन के अधिकारियों से किया।जिसका सुनवाई नहीं हुआ। निर्धारित ठहराव के बाद सिग्नल होने पर ट्रेन खुल गई।जिससे यात्री आक्रोशित होकर चेन पुलिंग कर ट्रेन को रोक दिया। यात्री कोच से प्लेटफार्म पर उतर कर हंगामा करने लगे। आनंद

विहार से पटना की यात्रा कर रहे सैफ आलम, अमित यादव, बिट्टू कुमार, आलोक कुमार और अजय कुमार आदि ने बताया कि ट्रेन शुक्रवार की रात साढ़े 11 बजे आनंद विहार से खुली। इसके कुछ देर बाद ही एसी ने काम करना बंद कर दिया। शिकायत के बाद इसे ठीक किया रात दो बजे ट्रेन टूंडला के पहले ही फिर से एसी काम करना बंद कर दिया। यात्रियों ने रेलवे के टोल फ्री नंबर 139 के साथ एक्स (ट्विटर) पर रेलमंत्री, रेलवे बोर्ड, डीआरएम दिल्ली सहित अन्य अधिकारियों को शिकायत की। वहां से जवाब मिला कि जल्द ही समस्या को समाधान हो जाएगा। शनिवार को दिन चढ़ने के साथ यात्रियों की हालत खराब होने लगी। कानपुर और प्रयाग राज में आश्वासन मिला कि जल्द ही एसी काम करने लगेगा। बावजूद एसी ठीक नहीं हो सका। स्थानीय रेलवे स्टेशन पर भी शिकायत पर सुनवाई नहीं हुई। चेन पुलिंग की सूचना मिलते ही स्टेशन अधीक्षक आरके सिंह, आरपीएफ निरीक्षक प्रदीप कुमार रावत, एसआई मुकेश कुमार, अर्चना मीना, जीआरपी कर्मी, सीएसजी एनके मिश्र सहित इलेक्ट्रिकल विभाग की टीम पहुंची। विभाग ने एसी को ठीक करने का प्रयास किया। बावजूद एसी ठीक नहीं हुआ। बाद में अधिकारियों ने किसी तरह समझाकर यात्रियों को शांत कराया और ट्रेन शाम 3.38 मिनट पर आगे के लिए रवाना हो सकी।तब जाकर अधिकारियों ने राहत की सांस ली बड़े बाबू।

# बोले जेपी नड्डा, बलिया में कभी नहीं रुकेगा विकास का पहिया

बलिया। नगर विधानसभा के जनेश्वर सेतु मार्ग व्यासी में भाजपा की चुनावी जनसभा को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा एवं प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी ने संबोधित किया। इस दौरान सांसद वीरेन्द्र सिंह मस्त, पूर्व सांसद भरत सिंह, परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह, मंत्री दानिश आजाद अंसारी, विधायक केतकी सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, जिलाध्यक्ष संजय यादव, पूर्व मंत्री आनंद स्वरूप शुक्ल, उपेन्द्र तिवारी, नागेन्द्र पांडेय आदि ने भी सभा को संबोधित किया।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि देश बदल रहा है। देश में तीसरी बार भी मोदी सरकार बनने जा रही है। हमारा 400 पार का नारा है। हम उसके करीब पहुंच चुके है। जनसभा में भीड़ देखकर गदगद हुए श्री नड्डा ने बलिया के इतिहास की याद दिलाते हुए कहा कि ये धरती ऋषि-मुनियों एवं क्रांतिकारियों की रही है। इस धरती से निकले कई बड़े नेताओं ने बलिया का नाम रोशन किया है। भाजपा प्रत्याशी नीरज शेखर के लिए समर्थन मांगते हुए जेपी नड्डा ने कहा कि बलिया में विकास का पहिया रूकेगा नहीं, बल्कि और तेज चलेगा। इसकी कमान नीरज शेखर के हाथ में होगी। प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी ने कहा कि बलिया में इस बार भी भाजपा जीतेगी और नीरज शेखर सांसद बनेंगे। जनता की भीड़ यह बता रही है कि नीरज शेखर के समर्थन में बलिया बोल रहा है।

**भाजपा की जनसभा में दिखीं मुस्लिम महिलाएं**

बलिया। भाजपा की चुनावी जनसभा में मुस्लिम महिलाएं भी दिखी। सभा में महिलाओं की काफी भीड़ रही। चिलचिलाती धूप एवं भीषण गर्मी में भी लोग भाजपा के नेताओं को सुनने के लिए बैठे रहे।

**गांव में उतरा दो हेलीकॉप्टर**

बलिया। जनेश्वर मिश्र सेतु मार्ग स्थित व्यासी में पहली बार दो हेलीकाप्टर उतरा। एक हेलीकाप्टर पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा तथा दूसरे हेलीकाप्टर से प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी आये। सबसे पहले प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी पहुंचे। लगभग एक घंटे बाद भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा पहुंचे। विशाल मंच के साथ ही दो हेलीपैड बनाये गये थे। हेलीकाप्टर देखने के लिए क्षेत्रवासियों की भीड़ उमड़ पड़ी।

**घमंडिया गठबंधन भ्रष्टाचार का गठबंधन हैः जेपी नड्डा**

**सियासत**

**भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश अध्यक्ष की जनसभा**

बलिया। लोकसभा क्षेत्र के जनेश्वर मिश्र सेतू मार्ग स्थित ब्यासी में भाजपा के चुनावी सभा को सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि राजनीति की परिभाषा बदल गयी, 10 वर्ष पहले तक लोग मान चुके थे हमारा देश नहीं बदल सकता, हमें ऐसे ही जीना है, इस उदासी भरें मानसिकता में 10 वर्षों में अंतर नरेन्द्र मोदी लेकर आये है। उन्होंने कहा कि अब आम लोग भी कहते है कि भारत बदल गया है। घमंडिया गठबंधन भ्रष्टाचार का गठबंधन है। राहुल से लेकर लालू, केजरीवाल सभी बेल पर है। इनके नेता बेल पर है या तो जेल में है। विपक्ष दल राम विरोधी है विपक्ष ने राम को बताया था काल्पनिक, यह राष्ट्र विरोधी है, सनातन धर्म विरोधी है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भाजपा प्रत्याशी नीरज शेखर के लिए शुक्रवार को चुनावी सभा कर रहे थे, इस दौरान वह विपक्षी गठबंधन और नेताओं पर जमकर बोले। कहा कि सपा और कांग्रेस धर्म के नाम पर आरक्षण लाना चाहते है। यह दलितों के आरक्षण पर ढाका डालने का काम है। अखिलेश यादव पिछड़ा व दलित विरोधी है। राहुल गांधी की भी मंशा धर्म के आधार पर आरक्षण लाने की है। संविधान की जानकारी राहुल गांधी को नहीं है। कहा कि धर्म के आधार पर भाजपा काम नहीं करती। घमंडिया गठबंधन परिवारवाद का पोषक है। जेपी नड्डा ने कहा कि हमने कोरोना को देखा है। 140 करोड़ देशवासियों को डबल डोज बूस्टर के साथ वैक्सिन लगा कर देशवासियों को बचा लिया। कोरोना में अमेरिका की अर्थनीति डंवाडोल हो गयी। जापान, चीन और आस्टेजलिया भी परेशान हो गये। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में कोरोना और यूक्रेन युद्ध के बाद भी भारत 11 स्थानों की छलांग लगा कर देश में पांचवें नम्बर की अर्थव्यवस्था बन गया। बहुत जल्द दुनिया में तीसरे नम्बर की अर्थव्यवस्था बन जायेगा। मैं स्वास्थ्य मंत्री रहा हूं, देश में डिष्थीरिया की दवा लाने में 18 से 30 वर्ष लगे। टीटनेस की दवा आने के लिए 30 वर्ष लगे। जापानी बुखार की दवा आने में 100 वर्ष लगे। नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में 9 महीने के अन्दर एक नहीं दो-दो कोरोनारोधी वैक्सीन बना कर पूरे देश को दिखा दिया। आज भारत दवा बनाने में दुनियां में दूसरे नम्बर पर खड़ा है, एक्सपोर्ट पर नम्बर वन पर है। 97 प्रतिशत मोबाइल आज भारत बना रहा है। 10 वर्ष पहले की मोबाइलों पर लिखा रहता था मेड इन चाइना, मेड इन जापान अब मेड इन इंडिया लिखा है। ब्यासी में आयोजित भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी ने कार्यक्रम को सम्बोधित किया।

## विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

सैदपुर। क्षेत्र के कैथवलिया में विवाहिता ने परिजनों की डांट से आहत होकर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

हालांकि, परिजनों ने समय रहते उसे फंदे से उतार लिया और उसे लेकर फौरन सैदपुर सीएचसी लाये, जहां इलाज के पूर्व ही परिजन उसे लेकर फरार हो गए और उसकी मौत हो गयी।

कैथवलिया निवासिनी एक विवाहिता को उसके परिजनों ने किसी बात पर डांट दिया। ये बात उसे इस कदर नागवार गुजरी कि उसने घर में ही फांसी लगा ली। इस बीच परिजनों की नजर पर गयी। जिसके बाद उसे फौरन फंदे से नीचे उतारा और तत्काल लेकर सैदपुर सीएचसी आये, जहां उसके नाक से खून आता देख चिकित्सक उपचार के लिए आ ही रहे थे कि परिजन उसे लेकर वहां से रवाना हो गए। इस बीच उसकी मौत हो गयी। जिसके बाद परिजनों ने बिना किसी को जानकारी दिए शव लेकर चले गए। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

## स्वास्थ्य कर्मी की अज्ञात बदमाशों ने की हत्या

सैदपुर। थानाक्षेत्र के मनसुखवां भितरी गांव में अज्ञात बदमाशों ने एक युवक की लाठी डंडे से पीटकर हत्या कर दी। वारदात को अंजाम देकर बदमाश फरार हो गए। युवक की हत्या जमीनी रंजिश में की गई है। हत्या के बाद पुलिस विभाग के आला अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच कर छानबीन की। मृतक के पिता की तहरीर पर पुलिस ने पांच नामजद व अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। गांव निवासी विनोद यादव (38) पुत्र बृजनाथ निजी अस्पताल में पीआरओ का काम करता था। बीती देर रात वह घर पहुंच कर सड़क किनारे गाड़ी खड़ी कर रहा था, तभी वहां बदमाश पहुंचे और लाठी डंडे से उसके सिर पर पीछे से वार कर दिया। इसके अलावा उसके शरीर पर भी ताबड़तोड़ वार किया। जिसके बाद विनोद वहां से चिल्लाता हुआ भागा और अपने घर के पास जाकर गिर गया और उसकी मौत हो गई। परिजन उसे सैदपुर सीएचसी लाए जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद परिजनों में कोहराम मच गया। घटना के बाद कोतवाल तत्काल पड़ताल में जुट गए और तुरन्त मौके पर गए।

**पहले भी हुआ था हमला :** तहरीर में कहा कि उसके पड़ोस में रहने वाले स्व रामराज के पुत्र रामकृत यादव व रामजी यादव से जमीन को लेकर पुराना विवाद था। उसी विवाद में पूर्व में भी विनोद पर जानलेवा हमला हुआ था, जिसमें वह बच गया था। उस समय भी तहरीर दी गयी थी। लेकिन सुलह समझौता हो गया था। बताया कि समझौते के बाद रामकृत के बेटों ने विनोद को जान से मारने की धमकी दी थी। इस बीच बीती रात में जब विनोद अस्पताल की ड्यूटी से वापस आया था पहले से ताक में बैठे रामकृत ने अपने भाई रामजी व अपने 3 पुत्र संदीप यादव, प्रमोद यादव व प्रदीप यादव सहित अज्ञात लोगों के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी।

## आजमगढ़ को 10 सुपर जोन, 28 जोन व 261 सेक्टर में बांटा था

### जिले की सीमाओं पर लगाए गए बैरियर, संवेदनशील 537 बूथों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था

आजमगढ़। लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण ढंग से कराने के लिए प्रशासन ने पूरी तरह से कमर कस ली है। अशांति पैदा करने वालों से निपटने के इंतजाम कर लिए गए हैं। जिले को 10 सुपर जोन, 28 जोन व 261 सेक्टर में बांटा गया है और सीमाओं के 48 प्रवेश स्थलों पर बैरियर लगाकर चेकिंग शुरू कर दी गई है। 537 संवेदनशील बूथों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था गई है। सुरक्षा व्यवस्था की कमान पुलिस व पीएसी के साथ 31 कंपनी अर्धसैनिक बल के जवान संभालेंगे। पांच एडिशनल एसपी, 10 क्षेत्राधिकारी, 12 हजार सिविल पुलिस व 6500 होमगार्ड भी लगाए गए हैं।

उधर जिला निर्वाचन अधिकारी विशाल भारद्वाज एवं पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने पोलिंग पार्टी रवानगी स्थल श्री दुर्गा जी पीजी कालेज चंडेश्वर, डेंटल कालेज इटौरा, कृषि महाविद्यालय कोटवा, जीडी ग्लोबल स्कूल एवं एचएमपीएस स्कूल में व्यवस्था का जायजा लिया।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रातः सात बजे सायं छह बजे तक मतदान होंगे। दोनों लोकसभा क्षेत्रों में 30994 नए वोटर बढ़े हैं। उन्होने कहा कि मतदान के दिन बूथों पर कुल 34785 दिव्यांग मतदाताओं के लिए विशेष व्यवस्था रहेगी। जनपद में कुल 392 मतदान केंद्र संवेदनशील है, जिसमें 537 बूथ संवेदनशील में आते हैं। आयोग के निर्देश पर बूथों पर वेबकास्टिंग की व्यवस्था की गई है, जहां बूथों पर वेब कैमरा लगाया गया है तथा वहां पर माइक्रो आब्जर्वर तैनात किये गए हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि जनपद आजमगढ़ में 25 मई 2024 को लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 को सकुशल संपन्न कराने के लिए जिले को 10 सुपर जोन, 28 जोन व 261 सेक्टर में बांटा गया है। बीएसएफ की 4 कंपनी, एसएसबी की 4 कंपनी, आईटीबीटी की 8 कंपनी, यूपी एसएपी 2 कंपनी, असम एसएपी 4 कंपनी, पंजाब एसएपी 5 कंपनी, मिजोरम स्टेट आर्म्ड पुलिस की 4 कंपनी समेत टोटल 31 कंपनी व पीएसी की 2 कंपनी लगाई गई हैं।

मतदान को सकुशल संपन्न करने के लिए 5 एडिशनल एसपी, 10 क्षेत्राधिकारी, 12 हजार सिविल पुलिस तथा 6500 होमगार्ड लगाए गए हैं। जिनमें फ्लाईंग स्क्वाड, स्टैटिक सर्विलांस, वीडियो सर्विलांस, वीडियो अवलोकन, सहायक व्यय प्रेक्षक, एमसीएमसी टीम के साथ ही आदर्श आचार संहिता के अनुपालन के लिए गठित टीमें रहेंगी। संवेदनशील बूथों पर सिविल पुलिस के अलावा सीआरपीएफ की फोर्स भी तैनात रहेगी। छह जनपदों के 48 प्रवेश स्थलों पर बैरियर लगाकर चेकिंग शुरू करा दी गई है। जनपद के अंदर 50 पिकेट पर चेकिंग, जिसमें 30 एफएसटी की टीम और 30 एसएसटी की टीमें तथा जिला स्ट्राइक टीम हैं।

### संविधान बचाने को भाजपा का देश से करें सफाया

जौनपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा कि अगर संविधान बचाना चाहते हो तो भाजपा का देश से सफाया करें। उक्त बातें उन्होंने मल्हनी विधानसभा के लखनीपुर गांव में चुनाव प्रचार के अंतिम दिन गुरुवार को एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि यह चुनाव संविधान और देश बचाने को लेकर हो रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने लोकसभा जौनपुर के पार्टी प्रत्याशी बाबू सिंह कुशवाहा के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि इस बार देश के प्रधान सांसद अपने क्यूटो से भी हारने जा रहें है। उन्होंने कहा कि भाजपा का इस बार प्रदेश के 80 सीट से एक को छोड़कर पूरी तरह सफाया हो रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा प्रहार करते हुए उद्योगपतियों का कर्ज माफ कर किसानों को बर्बाद करने का आरोप लगाया। उन्होंने चुनाव को समुद्र मंथन की तरह संविधान मंथन बताया और कहा कि आपको और हमको अपनी आने वाली पीढ़ी का भविष्य बचाना है तो हर हाल में भाजपा को उखाड़ फेंकना होगा। उन्होंने कहा कि देश का युवा बड़ी मेहनत से कोचिंग करके दूर-दूर परीक्षा देने जाता है और जब परीक्षा देकर वह घर लौटता है तो पता चलता है पेपर लीक हो गया। उन्होंने सरकार पर पेपर जानबूझकर लीक कराने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहाकि भाजपा सरकार से 17 साल का हिसाब लेना है। 10 साल का केंद्र सरकार के और 7 साल प्रदेश सरकार का। सपा अध्यक्ष ने कहा कि गठबंधन सरकार बनने पर किसानों को आटा और मोबाइल के लिए डाटा फ्री होगा वही 4 साल की अग्निवीर वाली नौकरी की व्यवस्था खत्म कर पक्की नौकरी देंगे। किसानों का कर्ज माफ करेंगे।

## गंगा में स्नान करते समय डूबने से किशोरी की मौत

**दर्दनाक**

**साथ में गई अन्य को बालिकाओं को मछुआरों ने डूबने से बचाया**

चुनार। स्थानीय कोतवाली क्षेत्र के शिवाला घाट पर शुक्रवार की सुबह गंगा स्नान कर रही तीन बच्चियां गहरे पानी में डूबने लगी। सभी घर की महिलाओं के साथ गंगा में स्नान करने के लिए गई थी। बच्चियों को गंगा में डूबते देख महिलाओं के शोर मचाने पर पास ही मछली मार रहे मछुवारों ने दो बच्चियों को किसी तरह बचा लिया जबकि एक बच्ची गंगा में डूब गई।

गंगाघाट पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दिया जिसके बाद पुलिस व परिजन गंगाघाट पर पहुचे। मौके पर पहुंची पुलिस गोताखोरों को बुलाकर डूबी बच्ची की तलाश कराने में जुट गई। सराय टेकौर मुहल्ले के अब्दुल सलाम की बहन राबिया जिसका विवाह जमालपुर थाना क्षेत्र के डबक में हुआ है एक दिन पूर्व ही आई है। शुक्रवार की सुबह लगभग 11 बजे राबिया अपनी छोटी बहन की दो बच्चियों व शादी में शामिल होन के लिए आई अन्य महिलाओं के साथ शिवाला घाट पर गंगा स्नान करने के लिए गई। इसी दौरान राबिया की पुत्री शबाना (12) व उसकी छोटी बहन की दो पुत्रियां उम्र क्रमशः 11 व 12 वर्ष स्नान के दौरान गहरे पानी में चली गई और डूबने लगी। छोटी बहन की दोनों बच्चियों को किसी तरह मछली मार रहे स्थानीय मछुवारों ने बचा लिया जबकि राबिया की पुत्री शबाना डूब गई। जिसके बाद पुलिस ने गोताखोरों को बुलाकर तलाश शुरू कराया लगभग पांच घंटे बाद गोताखोरों ने शबाना का शव पानी से बाहर निकाला। शबाना दो बहन तीन भाइयों में सबसे छोटी थी।

**रोडवेज बस की चपेट में आने से युवक की मौत : चील्ह।** रोडवेज बस की टक्कर से 25 वर्षीय युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार गुरुवार की देर शाम औराई की तरफ से मीरजापुर की तरफ जा रही रांग साइड से रोडवेज बस की चपेट में आकर समोसा चाट का दुकानदार गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी पर स्थानीय लोगों द्वारा परिजनों को सूचना देकर एंबुलेंस बुलाकर उसे ट्रामा सेंटर मीरजापुर पहुंचाया गया जहां हालत गंभीर देख डाक्टर ने ट्रामा सेंटर वाराणसी के लिए रेफर कर दिया। जहां ले जाते समय रास्ते में उसकी मौत हो गई। मौत की जानकारी पर परिजनों में कोहराम मच गया। घटना में मौत की जानकारी पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक 25 वर्षीय सुनील कुमार पुत्र रामनरेश निवासी कोल्हुवा थाना चील्ह पुरजागीर बाजार में समोसा चाट की दुकान लगता है कि गुरुवार की रात दुकान बंद करने के बाद सड़क के उस तरफ कूड़ा फेंकने गया था कि रांग साइड से आ रही रोडवेज बस की चपेट में आ गया जिससे गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद रोडवेज बस मौके से फरार हो गई मृतक दो भाइयों में बड़ा था। नो एंट्री के नाम पर एक लेन रोड पर ट्रक खड़ी के चलते रोड जाम होने से रोडवेज बस रांग साइड से मीरजापुर की तरफ जा रही थी।

## विकास नगर में नहीं मिल रही बुनियादी सुविधाएं

सोनभद्र। राबर्ट्सगंज नगर पालिका क्षेत्र के वार्ड नंबर-5 का नाम विकास नगर है लेकिन इस वार्ड के लोग विकास से कोसों दूर हैं। इस वार्ड के मुख्य सड़क का हाल देख कर लोग भौचक हैं और उस मार्ग से आने-जाने में कतराते हैं। इस वार्ड में नाली की समुचित व्यवस्था न होने से घरों न का गंदा पानी सड़क पर बहता है। बारिश के दिनों में इस मार्ग की न स्थिति और खराब हो जाती है।

लोगों को बरसात में इस मार्ग से आने-जाने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। बता दें कि जिला मुख्यालय से सटा नगर पालिका सोनभद्र क्षेत्र के राजा लाखन बाबा मंदिर से पुसौली संपर्क मार्ग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढा हो गए हैं। बारिश के दिनों में फिसलन से स्कूली बच्चे गिरकर चोटिल हो जाते हैं। इस मार्ग से रौप, सहिजन, बिचपई और चुर्क ग्रामीण अंचल को जोड़ने वाले मुख्य मार्गों में से एक है। इस मार्ग पर प्रतिदिन सैकड़ों लोगों का आवागमन होता है। रहवासियों ने कई बार सड़क निर्माण के लिए लिखित व मौखिक शिकायत नगर पालिका अध्यक्ष रूबी प्रसाद, विधायक भूपेश चौबे, सांसद पकौड़ी लाल कोल, एमएलसी विनीत सिंह व जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह से किया, लेकिन आज तक किसी जनप्रतिनिधि व प्रशासनिक अधिकारियों ने ध्यान नहीं दिया। लिहाजा यहां की जनता परेशान होकर इसी मार्ग से चलने को बेबस हो चुकी है। जनप्रतिनिधियों के उदासीनता से आज-तक यह सड़क नहीं बन सकी। चुनाव के दौरान राजनैतिक दलों के लोग वादे करके तो चले गए लेकिन सड़क आज तक नहीं बन सकी। शिकायत पर कुछ माह पूर्व जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह भी उक्त मार्ग का हाल देख चुके हैं लेकिन किन परिस्थितियों इस मार्ग का निर्माण नहीं कराया जा रहा है इसे लोग नहीं समझ पा रहे हैं। अब यहाँ के लोग इस लोकसभा चुनाव में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के खिलाफ हो गई है।

राबर्ट्सगंज व घोरावल विधानसभा से जुड़े उक्त मार्ग की सड़क अब नगर पालिका के विस्तारीकरण एरिया में आ चुकी है। सदर विधायक भूपेश चौबे ने उक्त सड़क के निर्माण को लेकर कई बार जिलाधिकारी स्तर पर पत्राचार कर चुके हैं लेकिन उनके पत्रों का संबंधित अधिकारियों पर असर नहीं पड़ा। इसे लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं। लोगों का कहना है लगता है सत्ता पक्ष के नेताओं और जनप्रतिनिधियों पर ब्यूरोक्रेसी हावी हो गई है। ऐसा यदि नहीं तो कबके इस सड़क का निर्माण हो जाना चाहिए था। स्थानीय लोग पूर्व में डीएम से भी मिलकर सड़क बनवाने की मांग किये लेकिन स्थानीय जनता की समस्या किसी ने नहीं सुना।

विकास नगर के रामानंद सिंह, चंद्र बहादुर सिंह, सुरेंद्र पटेल, राजीव कुशवाहा, सालिक राम द्विवेदी, कमल राज सिंह, अरुण प्रताप सिंह, विक्रम सुबोध, शिव सिंह, पीतांबर प्रताप, रूद्र प्रताप, सुरेन्द्र जायसवाल, सुरेंद्र कुमार, अतिश कुमार ने कहा कि हम लोग कई बार जनप्रतिनिधियों से मिलकर सड़क निर्माण करवाने के लिए गुहार लगाई लेकिन वह पीएम मोदी व सीएम योगी का सिर्फ गुणगान करते रहते हैं उनका यहां के विकास से लगता है कोई सरोकार नहीं रह गया है। अब इस बार के लोक सभा चुनाव में जनता इसका जबाव देगी।

## बुद्ध पूर्णिमा पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा

जौनपुर। प्रियदर्शी अशोक मिशन के तत्वावधान में गुरूवार को सायंकाल भगवान बुद्ध की शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का शुभारंभ भंडारी रेलवे स्टेशन से प्रियदर्शी अशोक मिशन के अध्यक्ष रमेश चंद्र मौर्य, सचिव नर्सिंग मौर्य, कार्यक्रम प्रभारी डीसी दादा, प्रबंधक उमेश मौर्य एवं प्रियदर्शी अशोक मिशन के राष्ट्रीय प्रवक्ता संजय कुमार मौर्य द्वारा दीप प्रज्वलित कर पंचशील एवं त्रिशरण से किया गया। शोभायात्रा में भगवान बुद्ध के जीवन से संबंधित झांकी एवं चित्र प्रदर्शित किया गया धम्मप्रिय बंधु अपने हाथों में पंचशील झंडा लेकर पूरे शहर में बुद्धम शरणम गच्छामि, धम्मम शरणम गच्छामि, संघम शरणम गच्छामि का उद्घोष करते हुए चल रहे थे जिससे पूरा शहर बुद्धमय हो गया। शोभायात्रा भंडारी रेलवे स्टेशन से अहियापुर मोड़, सुतहट्टी चौराहा, कोतवाली चौराहा, चहारसू चौराहा, शाही पुल, ओलन्दगंज चौराहा, जोगियापुर, कलेक्टरी तिराहा, अम्बेडकर तिराहा से होते हुए बुद्ध बिहार खरका कॉलोनी लाइन बाजार थाना के सामने बुद्ध मंदिर में पूजा अर्चना व विश्व शांति की मंगलकामना के साथ समाप्त हुआ। बुद्ध बिहार खरका में अवधेश कुमार मौर्य ने पंचशील दीप प्रज्वलित किया और दूधनाथ मौर्य द्वारा उपस्थित लोगों को बुद्ध वंदना त्रिशरण एवं पंचशील का पाठ कराया गया और उपस्थित जन समुदाय को खीर दान करते हुए कार्यक्रम का समापन हुआ। शहर के कई स्थानों पर धम्म प्रेमियों द्वारा जलपान की व्यवस्था की गई थी। संचालन उमेश चन्द्र मौर्य ने किया।

# दिव्यांग और बुजुर्ग मतदाताओं ने शत प्रतिशत किया मतदान

### 86 मतदाताओं में से 85 ने किया मतदान, एक दिव्यांग मतदाता की हो चुकी है मौत

मऊ। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के दृष्टिगत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा 85 वर्ष से अधिक आयु एवं दिव्यांग मतदाताओं को फार्म 12 डी के तहत घर बैठे बैलेट पेपर के माध्यम से वोट देने की सुविधा प्रदान की गई थी।

इसके दृष्टिगत जनपद की समस्त विधानसभाओं के 85 वर्ष से अधिक आयु के कुल 56 तथा दिव्यांग मतदाताओं के कुल 30 लोगों ने फार्म 12 डी के तहत घर बैठे मतदान की सुविधा चाही थी। इसके दृष्टिगत शुक्रवार को प्रातः 9 बजे पोलिंग पार्टिया कलेक्ट्रेट परिसर से निर्धारित चार्ट के अनुसार विधानसभा वार भ्रमण करते हुए ऐसे समस्त मतदाताओं से घर बैठे मतदान कराया। विधानसभा क्षेत्र घोसी के एक दिव्यांग मतदाता की मृत्यु के कारण कुल 29 दिव्यांग मतदाताओं ने घर बैठे अपने मत का प्रयोग किया। पचासी वर्ष से अधिक आयु के विधानसभा क्षेत्र मधुबन से 7, घोसी विधानसभा से 20, मोहम्मदाबाद गोहाना विधानसभा से 9 तथा विधानसभा क्षेत्र मऊ से कुल 20 आवेदन फार्म 12 डी के तहत प्राप्त हुए थे। इसी प्रकार दिव्यांग मतदाताओं ने विधानसभा क्षेत्र मधुबन से 4, घोसी से 11, अहमदाबाद गोहाना से 7 तथा विधानसभा क्षेत्र मऊ से 8 लोगों ने फॉर्म 12 डी के तहत घर बैठे मतदान की सुविधा हेतु आवेदन किया था। इस प्रकार 85 वर्ष से अधिक आयु के 56 एवं दिव्यांग मतदाताओं के कुल 29 लोगों ने फार्म 12 डी के तहत प्राप्त सुविधा का लाभ लेते हुए घर बैठे मतदान किया।

**मतदान के दिन प्रतिष्ठानों/कल कारखानों में रहेगा सार्वजनिक अवकाश : मऊ।** जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी प्रवीण मिश्र ने बताया कि लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 हेतु मतदान दिवस पर सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है तथा अगले साप्ताहिक अवकाश के दिन उनसे कार्य नहीं लिया जाएगा। जनपद मऊ के विभिन्न प्रतिष्ठानों/कल कारखानों में नियोजित कर्मकार/श्रमिकों को मताधिकार का प्रयोग करने हेतु सातवें चरण 01 जून दिन शनिवार को सवैतनिक अवकाश रहेगा, जिससे प्रतिष्ठान में नियोजित श्रमिक अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके, यदि कोई प्रतिष्ठान व कल-कारखाने मतदान के दिन खुले पाए जाते हैं, तो सेवायोजक के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी।

**भाजपा कार्यकर्ताओं का उपमुख्यमंत्री ने बढ़ाया जोश : मऊ।** घोसी लोकसभा चुनाव में भाजपा कार्यकर्ताओं का जोश बढ़ाने उत्तर प्रदेश सरकार में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक का आगमन मऊ जिले में हुआ। उपमुख्यमंत्री हेलीकाप्टर द्वारा दोपहर 1 बजे के लगभग पुलिस लाइन हेलीपैड पर पहुंचे जहा भाजपा के कार्यकर्ताओं ने पुष्पगुच्छ देकर तथा पार्टी का पटका पहनाकर अपने नेता का स्वागत किया। कार्यकर्ताओं के स्वागत के पश्चात उपमुख्यमंत्री ने घोसी लोकसभा चुनाव की जानकारी हासिल की तथा कार्यकर्ताओं को जीत का मंत्र दिया। केंद्रीय चुनाव कार्यालय पर पहुंचकर डिप्टी सीएम ने आगामी 26 को को प्रधानमंत्री की रैली की तैयारियों की समीक्षा की तथा आवश्यक उचित दिशा निर्देश जारी दिया। श्री पाठक ने घोसी लोकसभा चुनाव में लगी हुई प्रबंधन समिति, कोर कमेटी तथा चुनाव संचालन सम्मिलित के लोगों के साथ क्रमशः समीक्षात्मक बैठक की तथा सभी जिम्मेदार कार्यकर्ताओं से उनके कार्यों के बारे में जाना तथा अग्रिम कार्यों के प्रति आगाह किया।

## पुलिस महानिरीक्षक ने प्रधानमंत्री रैली स्थल का किया निरीक्षण, दिये निर्देश

मऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ के प्रस्तावित आगमन के दृष्टिगत शुक्रवार को पुलिस महानिरीक्षक आजमगढ़ अखिलेश कुमार द्वारा जिलाधिकारी प्रवीण मिश्र व पुलिस अधीक्षक इलामारन जी के साथ आगमन स्थल थाना हलधरपुर क्षेत्रान्तर्गत हेलीपैड, आगमन/जनसभा स्थल, सेफ हाउस, पार्किंग स्थल आदि की तैयारियों का निरीक्षण किया गया तथा विभिन्न बिन्दुओं पर समीक्षा कर सर्व सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक महेश सिंह अत्री सहित भारी संख्या में पुलिस अधिकारी, कर्मचारीगण व अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

संपादकीय

## रेवंत के लिये 'अण्णा' हैं मोदी

ए. रेवंत रेड्डी चतुर - सुजान राजनेता हैं। वह प्रत्युत्पन्नमति और वाक-पटु हैं। दक्षिण भारत के राज्यों में वह युवतम मुख्यमंत्री है। उनकी साफगोई जनता पसंद करती है। उनके इंटरव्यू दिलचस्प होते हैं। वह दस साल पहले अस्तित्व में आये तेलंगाना राज्य के हितों की बात करते हैं और अपने विरोधियों पर निशाना साधते है कि वह किसी को भी तेलांगों को लूटने या छलने नहीं देंगे। वह प्रधानमंत्री मोदी को निशाने पर लेते हैं कि वह तेलंगाना की कीमत पर गुजरात के हित साध रहे हैं। वह दक्षिण भारत की उपेक्षा की भी बात करते हैं। जब वह आरोपों की दुनाली खोलते हैं तो उनका लहजा तनिक चूहलभय होता है। उनकी बातों में तंज होता है और वह चुटकी होने से बाज नहीं आते।

जुम्मा-जुम्मा आठ रोज पहले 'द हिन्दु' में आर. रविकांत रेड्डी को उनका दिया साक्षात्कार छपा है। यह साक्षात्कार एक बड़े फलक को समेटता है। रेवंत बेलौस कहते हैं कि आरएसएस बीजेपी के जरिये अपना एजेंडा लागू करने के फेर में है। धारा 370, सीएए, तीन तलाक, अयोध्या में राम मंदिर के बाद अब बारी संविधान और आरक्षण-समाप्ति की है। आरएसएस के एजेंडे और सन 2021 में जनगणना नहीं कराने में सीधा रिश्ता है। गौर करें कि ब्रिटिशकाल से प्रत्येक दस वर्ष में मर्दुमशुमारी होती आई है। मोदी जानते हैं कि लोग जनगणना और जातिगणना चाहते हैं। वह क्यों बहुमत के बजाय अब की बार 400 पार की बात कर रहे हैं। ऐसा इसलिये क्योंकि वह तीन चौथाई बहुमत के बिना संविधान में संशोधन नहीं कर सकते। रेवंत रेड्डी के इस कथन के आधार पर बिलाशक कहा जा सकता है कि वह आरएसएस- बीजेपी की मंशा या हिडेन एजेंडे को बूझ रहे हैं।

यह देखना दिलचस्प है कि रेवंत वैचारिकी और व्यावहारिकता के छोरों को एक साथ कैसे साधते हैं। पहले तो उनके आक्रामक अंदाज को देखें। उनका मत है कि मोदी की सियासी नुमाइंदगी में दक्षिण भारत को कतई प्रमुखता नहीं देना चाहते। दूसरे दक्षिण अपने वित्तीय हिस्से से भी वंचित है। तेलुगु भारत में हिन्दी के बाद सर्वाधिक व्यवहत भाषा है, किंतु 42 सांसदों के दो तेलुगुभाषी राज्यों तेलंगाना और आंध्रप्रदेश से केन्द्र सरकार में सिर्फ एक काबीना मंत्री है, जबकि 26 सांसदों के गुजरात से सात काबीना मंत्री हैं। वहीं उत्तर प्रदेश से 12 मंत्री है। सभी प्रमुख ओहदे - प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, रक्षा, वित्त, शहरी विकास, ग्रामीण विकास, वाणिज्य उत्तर भारतीयों के पास है। ये विमर्श के मुद्दे हैं। अगले परिसीमन को लेकर भी आशंकाएं है। रेवंत की नजरों में अडानी और अंबानी ही डबल-इंजन सरकार है। जनता को लगता है कि जिस जुड़वां-इंजन की बात की जाती है, है उससे सीधा तात्पर्य अडानी और अंबानी से है। वह आगे कहते हैं, आय एम इन वार जोन। आई हैव टु एक्ट एकॉर्डिंगली। वह आगे कहते हैं कि बतौर सीएम वह पीएम से अच्छे रिश्ते रखेंगे। भारत राज्यों का संघ है और प्रधानमंत्री समस्त मुख्यमंत्रियों के बड़े भाई हैं। उन्हें 'अण्णा' की भूमिका निभानी है। मिजाज से थोड़ा नरम, थोड़ा गरम रेवंत को यकीन है कि चुनाव 24 में कांग्रेस तेलंगाना में कुल 17 में से 14 सीट जीतेंगी। दक्षिण भारत के एक अन्य राज्य तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन कम आशावादी नहीं है। तमिलनाडु में कांग्रेस उनकी सहयोगी है। पुदुच्चेरि की इकलौती सीट पर उसकी प्रतिष्ठा दांव पर है। स्तालिन लगातार कह रहे हैं कि द्रमुकनीत गठबंधन तमिलनाडू और पुदुच्चेरि की सभी 40 सीटों पर विजयी होगा। दिल्ली और चेन्नै के रिश्ते बेहद तल्ख है। बीजेपी की दिक्कत यह है कि उसके तुरूप-मुद्दे, यहाँ काम नहीं आते। वित्तीय मामलों में केन्द्र द्वारा मुश्कें कसने के बाद भी तमिलनाडु की विकास दर धीमी नहीं हुई है। बाढ़ राहत को लेकर गत दिनों केंद्र और राज्य में खटास बढ़ी है। द्रमुक - सरकार ने इस मद में 37907 करोड़ रूपयों की मांग की थी, लेकिन उसे हीले-हवाले के बाद मिले 276 करोड़ रुपये। जबकि वह 2477 करोड़ रुपए खर्च कर चुकी थी। राज्य सरकार को यह ऊंट के मुंह में जीरे सी यह मदद सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद मिली। केन्द्र के रवैये पर स्तालिन ने ट्वीट किया कि केंद्र की घोषणा ने पुष्टि कर दी है कि तमिलनाडु को न तो न्याय मिलेगा और न ही वित्त। जनता इस विश्वासघात को देख रही है।

तमिलनाडु अकेला राज्य नहीं है, जिसने केन्द्र के सौतेले बर्ताव से आहत होकर सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। केरल और कर्नाटक भी ऐसा करने को बाध्य हुये। कर्नाटक 48 लाख हेक्टर में फसल चौपट हुयी। राज्य ने राष्ट्रीय आपदा कोष से सहायता मांगी। 35000 करोड़ की क्षति की रपट सितंबर, 2023 में केन्द्र को भेजी गयी। रवायत के मुताबिक 18172 करोड़ रुपये की रकम रिलीज होने का अनुमान था। किन्तु फाइल के ठंडे बस्ते में पड़े रहने के बाद अंततः अप्रैल के अंत में सर्वोच्च न्यायालय की हिदायत पर राज्य को मिले मात्र 3454 करोड़ रुपए। इस बीच वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण यह कहने से नहीं चूकीं कि राज्य सरकार को केंद्र से मदद दुर्भिक्ष-राहत के लिए नहीं, अपितु गारंटियाँ लागू करने के लिए चाहिये। इस पर सीएम सिद्धरामैया ने तुर्की-ब- तुर्की कहा कि हमने गारंटी स्कीमों के लिए कभी धेला भी नहीं मांगा।

यह तो हुई तमिलनाडु और केरल की बात। केन्द्र से शिकायत केरल को भी बहुत हैं। दरअसल केरल का सियासी मिजाज बीजेपी को फुटी आंखों नहीं सुहाता। उसकी बड़ी दिक्कत यह है कि दो पाटों में बंटी केरल की राजनीति में वह सेंध नही लगा पा रही है। नीना पिल्ले से लेकर श्रीधरन तक पर दांव लगाना निष्फल रहा। लगातार ऐसा कुछ हुआ कि राज्यपाल आरिफ मोहमद खान की भूमिका संदेह और सवालों के घेरे में आ गई। इस पर विजयन-सरकार ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। कवायद काम कर गयी। राज्यपाल महोदय ने अंततः सदन में पूर्व में पारित पांच बिलों पर अप्रैल के आखिरी हफ्ते में दस्तखत किये। इनमें से कुछ बिल राजभवन में दो से भी अधिक वर्षों से लंबित थे। गौरतलब है कि महामहिम राज्यपाल केंद्र सरकार के एजेंट के तौर पर काम करने की तोहमतें अर्से से झेलते आ रहे हैं।

केरल में बीजेपी की ईसाइयों में पैठने की रणनीति छुपी नहीं रह सकी है। वह मुस्लिमों और ईसाइयों के बीच अलगाव के फेर में है। दिल्ली के लेफ्टिनेंट गवर्नर आकर ईसाई धर्मगुरुओं से मिले। दूरदर्शन पर केरल फाइल्स का प्रसारण हुआ। मजहबी मुद्दों को हवा दी गयी। केरल में हिन्दू- मुस्लिम राजनीति का ताजा शिकार हुये फिल्म अभिनेता मामूटी। मामूटी समकालीन मलयाली सिनेमा के लीजेंड्री व्यक्तित्व है। गत दिनों एक फिल्म निमार्ता ने सूर्रा छोड़ दिया कि मामूटी को फिल्म पूझू में काम नहीं करना था। सन 2022 में आई इस फिल्म में मामूटी ने ऊंची जाति के ऐसे पुलिस अफसर की भूमिका निभाई थी, जो निचली जाति के युवक से अपनी बहन के प्रेम-विवाह का विरोध करता है। पूझू जाति-व्यवस्था पर करारा प्रहार है। मामूटी को विवाद में घसीटने का एकमात्र कारण यह है कि मामूटी मूलतः मुसलमान है। उनका मूल नाम है मोहम्मद कुट्टी। जाहिर है कि विवाद के पीछे सांप्रदायिक दुराग्रह और घृणा का हाथ है। बहरहाल, इस गलीज हरकत का समूचे केरल में चौतरफा विरोध हुआ। सत्ता और विपक्ष मामूटी की पीठ पीछे खड़े नजर आये और मलयाली सिने उद्योग में सांप्रदायिकता की विष बेल बोने के घृणित प्रयास का विरोध हुआ। राजस्व मंत्री के. राजन ने कहा कि मामूटी को उसके मजहब के कारण संघ- परिवार ने निशाना बनाया है। कांग्रेस के महा- सचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि कला सियासत और मजहब के ऊपर की चीज है। मामूटी पर संघ-परिवार का हमला निंदनीय है। विभिन्न घटनाओं के फलस्वरूप जो अदृश्य धूम वातावरण में प्रसारित हो रहा है, वह यकीनन चुनाव को प्रभावित करेगा। इस नयी सदी में भी जाति, धर्म, संप्रदाय और पंथ चुनावी हार जीत में प्रभा की भूमिका निभाते हैं और करिश्मा भी काम करता है। कम्माओं और रेडियों, तेलंगाना में मुस्लिमों, कर्नाटक में लिंगायत और वोक्कालिंगा और केरल में ईसाई-मुस्लिमों की अवहेलना नहीं की जा सकती। **– डॉ. सुधीर सक्सेना**

# जनाधिकार की राह के रोड़े

**ओमा शर्मा**

अभी मुंबई में हुए चुनाव के संदर्भ में कुछ ऐसी चीजें देखने को मिलीं, जिनका यहां सार्वजनिक उल्लेख जरूरी लगता है। आपके पास बाकायदा चुनाव आयोग द्वारा जारी फोटो पहचान पत्र है, जिसमें मुंबई का पता है, आपकी फोटो है और दूसरी भाषा के तौर पर मराठी में भी लिखा हुआ है, यह सब जैसे नाकाफी है क्योंकि मामला केवल मेरा नहीं है। मेरे देखे दूसरे मतदाताओं का भी है। कुछ मित्रों के बारे में इस तरह की जानकारी मिली जो अपने पास वोटर कार्ड के बावजूद वोट नहीं डाल सके। इसलिए अपनी इस बात का उल्लेख मैं अपने अनुभव के जरिए ही कर रहा हूं।

हुआ यह कि 20 मई की सुबह-सुबह मै अपने घर के नजदीक वाले बूथ पर पहुंचा। मत डालने के लिए अपना पहचान कार्ड दिखाया। मैं साथ में एहतियातन अपना आधार कार्ड भी ले गया था। वहां बैठे कर्मियों ने उसको गौर से देखा और अपने अपने मोबाइल में और नंबर डालकर मुझे बताया कि आप यहां पर वोटर नहीं है। 'तो कहां पर हूँ'? मैंने पूछा।

हमारा ऐप आपको बड़ौदा में वोटर बताता है। मैंने कहा कि मैं बड़ौदा में पहले यानि 2019 तक वोटर था। उसके बाद मुम्बई तबादला हो गया। उसके बाद मैंने सारी प्रक्रिया के जरिए अपना चुनाव पत्र मुंबई स्थानांतरित कर लिया है और इस संदर्भ में जो भी चीज मैं उनको बता सकता था, वह मैंने बताई। इलेक्शन कार्ड के पीछे ही वहां मुंबई का पता लिखा था, दूसरी भाषा के तौर पर मराठी में ही कार्ड जारी हुआ था, और दिया हुआ पता मेरे आधार कार्ड से मिलता था। उसमें निर्वाचन क्षेत्र भी लिखा था। लेकिन वे कोई चुनाव आयोग के कर्मचारी तो थे नहीं; केवल उस रोज अपनी ड्यूटी निभाने आए थे। और उनको सिर्फ ऐप के जरिए ही अपनी कार्रवाई करनी थी। मैंने जब उनसे अपनी नाखुशी जाहिर की तो उन्होंने अपनी असमर्थतता जता दी। एक घंटे की प्रक्रिया में वहां उलझने के बाद मै घर चला गया। उसी समय इलेक्शन कमीशन का एक व्हाट्सएप मैसेज मेरे पास आया जो मेरे ख्याल से सब लोगों के पास जा रहा थाः मतदान के उत्सव (?) में भागीदारी करने में अगर आपको कोई परेशानी होती है तो आप इलेक्शन कमीशन की वेबसाइट पर जा सकते हैं। मैंने उसको आजमाने की कोशिश की। उसकी साइट ईसीआई. गवर्नमेंट. इन पर जाकर स्क्रोल करने के बाद मुझे कुछ चीजों का पता लगा, उसमें यह भी दिखा कि मैं अपने पहचान पत्र के नंबर के आधार पर देख सकता हूं कि मैं किस चुनाव क्षेत्र का मतदाता हूं, मेरा बूथ क्या है, यहाँ तक कि उस बूथ/केन्द्र में कमरा नंबर कौन सा होगा, मतदान सूची में क्रमांक क्या है आदि आवश्यक सूचनाएं। थोड़ा श्रम करने के बाद मुझे वह सब चीजें मिलती गईं। मैंने उससे संबंधित जो जो चीजें तथीं, वह सब पता लगा ली। और आश्चर्य! मैं बाकायदा मतदाता दर्ज.था। उसी केंद्र पर जहाँ से मुझे सुबह खाली हाथ लौटना पड़ा था। अपने आवास के निकट जिस मतदान केंद्र पर सुबह मतदान करने की इच्छा से गया था, वहीं पर कमरा नंबर 226 में मतदान सूची में 832 नंबर पर मेरा नाम था। सम्बद्ध अधिकारी का मोबाइल नंबर तक का उसमें उल्लेख था। मैंने उसका स्क्रीनशॉट लिया और कुछ समय बाद वापस

मतदान की इच्छा से उसी केंद्र पर पहुंचा।

लेकिन पुलिस वाले ने मुझे रोक दिया। उसने कहा कि मोबाइल लेकर नहीं जा सकते। मैंने उसे समझाने की कोशिश की कि मतदान कक्ष में मोबाइल प्रतिबंधित है लेकिन मैं मतदान करने नहीं जा रहा, अभी मैं पंजीकरण स्लिप लेने जा रहा हूँ जिसे लेकर बूथ में प्रवेश करना होता है। लेकिन वह नहीं माना। हताशा में मैंने उसे अतीत में चुनाव प्रक्रिया में बतौर पर्यवेक्षक जुड़ने का हवाला भी दे डाला। फिर भी वह नहीं माना। हमारे संस्कारों में सत्ता और गुलामी गहरे नालबद्ध रहते हैं। उस समय नियमों की नाजायज गुलामी करते हुए वह सत्ता के मद में था। हम उन चीजों को भी अपने दायित्व का हिस्सा मान लेते हैं जो वास्तव में वहां नहीं होती हैं, दोनों सिरों से। पुलिसकर्मी को मैने समझाने की कोशिश की कि पंजीकरण यूनिट मतदान केंद्र का हिस्सा नहीं बल्कि वह केवल मतदाताओं की मदद के लिए वहां स्थापित होता है ताकि मतदाताओं को अपने मतदान केंद्र तक जाने में सुविधा रहे लेकिन वह मानने को तैयार नहीं था। वह उसकी समझ से परे था । मैंने अपना मोबाइल किसी परिचित को पकड़ाया और पंजीकरण डेस्क पर जाकर उनको समझाया कि देखिए मैं अपना मोबाइल लेकर आया हूं, मेरे पास स्क्रीनशॉट है, जिसमें बताया गया है कि मैं इसी केंद्र पर मतदाता हूं, सूची में मेरा नंबर 832 है। उसको थोड़ा और भरोसा दिलाने मैं बाहर लाया और अपने मोबाइल में दर्ज वह स्क्रीन शॉट दिखाया, जिसमें वह सब जानकारियाँ थीं। उसने अपने मोबाइल ऐप में उन चीजों की पुष्टि करनी चाही। मैंने कहा, आप इसको ऐप से मत कीजिए, आप इलेक्शन कमीशन की वेबसाइट से कीजिए, जैसा मैंने किया है। और मैं उसको बताता गया कि यह मेरे पास आया संदेश है जिसमें उसकी वेबसाइट लिखी है। संबंधित लिंक पर क्लिक कीजिए फिर नीचे स्क्रॉल करके जहां पर पहचान पत्र का एपिक नंबर लिखना होता है, वह डालिए। उसने डाला तो उसे भी वही सब मिला जो मेरे स्क्रीन शॉट में था। उसे अच्छा लगा और उसकी समझ में आ गया कि, हां यह सही नंबर है। वह अपने उस घेरे में गया जहां सब लोग बैठे थे और संबंधित व्यक्ति से कहा कि आप देखिए इनका यह नंबर है। आप इसे चेक करें, क्या यही नाम है। चेक किया गया। मेरा नाम सही निकला। एपिक से मिलान किया। संतुष्ट होने के बाद उन्होंने एक पर्ची पर मतदाता क्रमांक लिखा और मैं उसे लेकर फिर अपनी मतदान केंद्र में चला गया और इस तरह से सफलतापूर्वक अपने मत का प्रयोग किया।

यहां यह सब बताने का कारण अपनी परेशानियों का उल्लेख करना नहीं हैः यहां इसे मैं इसलिए बता रहा हूं कि हम तकनीकी पर आधारित कार्य करते हुए किस तरह से बुनियादी चीजों को पीछे छोड़ते जाते हैं। यह स्पष्ट था कि इलेक्टोरल रोल में मेरा नाम था। आखिर उसी के आधार पर मुझे कमीशन के महाराष्ट्र ( मुंबई) ऑफिस ने फोटो पहचान पत्र जारी किया था। लेकिन ऐप में वह पूरा नहीं आता होगा। इसे एप की ग्लिच कहकर नहीं छोड़ा जा सकेगा। एप में जाहिरन ऐसा बहुत कुछ छूट जाता है जबकि आप वहां सिस्टम यानि वेबसाइट से प्रवेश करें तो बेहतर आता है।

इसके लिए कोई विशेष पार्टी जिम्मेदार नहीं है लेकिन हां उसमें ऐसी गुंजाइश है कि अगर आप व्यक्ति को पहचान पत्र देने के बाद एप में ट्रांसफर करते समय उसके डेटा में कुछ छेड़छाड़ कर दें, वहां से कुछ हटा दें तो आप उन या कुछ लोगों को वोट डालने से रोक सकते हैं। इसलिए यदि हमारे यहां बाकायदा 100 प्रश वीवीपेट की बात हो रही है या पेपर प्रणाली पर वापस लौटने की बात हो रही है तो उसमें कुछ तत्व है। तकनीकी आधारित हो जाने से चीजें इतनी निर्वैयक्तिक हो जाती हैं कि हर कोई अपनी जवाबदारी से बचने लगता है। आप मेल कीजिए, आप इधर-उधर कहिए, मोबाइल नंबर से संबंधित मोबाइल नंबर पर फोन कीजिए, कोई जवाब नहीं आएगा, कोई फोन नहीं उठाएगा। चुनाव आयोग के पास ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है। वह इधर-उधर से खास दिनों पर चुनाव किए जाने से पहले सरकारी या अर्ध सरकारी लोगों को पकड़ते हैं, जबरदस्ती चुनाव प्रक्रिया का हिस्सा बनाते हैं। सभी कर्मियों की पहली कोशिश उस प्रक्रिया से बचने की होती है। हमारे पास इलेक्शन प्रक्रिया का एक नियोजित स्थाई ढांचा होना ही चाहिए क्योंकि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र को संभालना होता है -- उसे एक-एक मतदाता को ध्यान में तो रखना ही पड़ेगा।

जब सभी बैंक खाते मोबाइल से जुड़े हैं , जो आधार नंबर से जुड़े हैं तो मतदान सम्बन्धी सूचनाएं मोबाइल पर क्यों साझा नहीं की जा सकती हैं? आयकर विभाग आपको विवरणी दाखिल करने के लिए प्री फिल्ड फॉर्म देने लगा है तो हर मतदाता से पूछकर उसके मतदान केंद्र और पंजीकृत क्रमांक की जानकारी- जो आयोग के पास रहती है- मतदाता से क्यों साझा नहीं की जानी चाहिए?

आखिर कितने लोगों में यह उत्साह होता है कि मत डालना एक राष्ट्रीय कर्तव्य है इसलिए इसे हक से उपयोग में लाया जाए?

हमारी सोसाइटी में आयोग के लोगों ने मेरी पत्नी से भी वे सब जानकारिया लीं जो वे दूसरों से ले रहे थे। मगर मेरी पत्नी का चुनाव कार्ड नहीं आया। 'अरे नहीं आया तो नहीं आया, इससे होता भी क्या है, 'उनकी राय थी जिसे दूसरे अनगिनत भी साझा करते है।

मताधिकार को मूलाधिकार बनने में अभी समय है।

उमस और भीड़ के बीच कोई नागरिक यदि नेटवर्क या ऐप के अनाड़ीपन की वजह से अपना मत उपयोग नहीं पर पाता है तो यह मदर ऑफ डेमोक्रेसी को निर्वस्त्र करने सरीखा है। क्या कोई सुनेगा?

# मोदी दशक में मुसलमान

**जावेद अनीस**

भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी आबादी का घर है. साल 2014 में बहुसंख्यकवादी भारतीय जनता पार्टी के पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आने के बाद से भारत के मुसलमानों की यात्रा उथल-पुथल भरी रही है. इस दौरान देश में एक नागरिक के तौर पर उनकी जगह और हैसियत कम हुई है और वे अपने ही वजूद की तलाश में भटकते रहे हैं, यह सब कुछ एक पूर्वनिर्धारित योजना के तहत अंजाम दिया गया है. 2014 से पहले भी मुसलमानों को अक्सर भेदभाव, पूर्वाग्रह और हिंसा का सामना करना पड़ता था लेकिन अब इसका स्वरूप मुख्यधारा का और संस्थागत हो चूका है. भाजपा पिछले एक दशक से केंद्र की सत्ता में है. हमेशा से ही उसकी छवि मुस्लिम विरोधी रही है. लेकिन इस दौरान उसपर यह आरोप और गहरा होता गया है. इन आरोपों के पीछे ठोस वजूहात भी हैं जिनकी जड़ें उसके हिन्दुत्व की मूल विचारधारा में निहित है. पिछले दस सालों के भाजपा के शासनकाल के दौरान मुसलमान लगातार हाशिए पर गए हैं, उनके खिलाफ डर व असुरक्षा का माहौल बना रहा है और वे लगभग दूसरे दर्जे के नागरिक बना दिए गये हैं.

हिन्दुत्व जो भारत में राजनीतिक रूप से कभी एक सीमांत विचारधारा थी, अब मुख्यधारा है. इस विचारधारा के मूल में 1923 में प्रकाशित विनायक दामोदर सावरकर द्वारा लिखित पुस्तिका 'हिन्दुत्व : हिन्दू कौन है?' में है जिसमें 'पुण्यभूमि' और 'पितृभूमि' सिद्धांत पेश करते हुये बताया गया है कि 'हिंदू ही इस धरती के 'सच्चे पुत्र हैं क्योंकि उनकी पवित्र भूमि भारत में है, जबकि ईसाई और मुस्लिमों की पवित्र भूमि इसके बाहर है.' आज भी सावरकर की यही थ्योरी हिन्दू राष्ट्रवादियों को संचालित करती है जो हम उनके नारों और व्यवहार में देख सकते हैं. इस थ्योरी के चलते पिछले दस वर्षों में भारत की मुस्लिम आबादी को बहुत तेजी से हाशिए पर धकेला गया है. इस दौरान ऐसे विवादास्पद नीतियों को आगे बढ़ाया है, जो स्पष्ट रूप से मुसलमानों के अधिकारों की अनदेखी करते हैं और उनकी धार्मिक स्वतंत्रता को वंचित करने का इरादा रखते हैं. इस दिशा में दिसंबर 2019 में, संसद में पारित 'नागरिकता संशोधन अधिनियम' एक ऐसा कानून है जो नागरिकता के सवाल पर पहली बार धार्मिक मानदंड लागू करता है और बहुत ही खुले रूप से अपने दायरे से मुसलमानों को बाहर करता है. इसके पीछे मोदी सरकार का तर्क है कि 'यह कानून तीन मुस्लिम बहुल पडोसी मुल्कों पाकिस्तान,बांग्लादेश और अफगानिस्तान में उत्पीड़न का सामना करने वाले कमजोर धार्मिक अल्पसंख्यकों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए बनाया गया है जिसमें हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, पारसी और ईसाई शामिल हैं.

इस दौरान मुसलमानों को दंडित करने के लिए संविधान और न्यायालय से इतर एक प्रणाली विकसित की गयी है जिसे 'बुलडोजर न्याय' कहा जाता है, इसके तहत बिना किसी उचित कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुये मुस्लिम नागरिकों की संपत्तियों जिसमें उनकी घर और आजीविका दोनों शामिल हैं को निशाना बनाया जाता है. यह पूरी प्रक्रिया बहुत अन्यायपूर्ण, गैरकानूनी और भेदभावपूर्ण है और एक प्रकार से कानूनी बहिष्करण है.

पिछले एक दशक के दौरान मुस्लिम समुदाय राजनीतिक रूप से और हाशिये पर गया है साथ ही देश के संसद और राज्यों के विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व भी कम हुआ है. मुसलमान राजनीतिक रूप से लगभग अछूत बना दिए गये हैं और राजनीतिक दलों द्वारा उनके मसलों पर बात करने को राजनीतिक नुकसान के तौर पर देखा जाने लगा है. अब भाजपा के अलावा अन्य राजनीतिक दल भी मुस्लिम प्रत्याशी उतारने में कतराते हैं. यह स्थिति हिन्दुतत्व के विचारधारा की एक बड़ी जीत है और शायद निर्णायक भी.

भारतीय मुसलमान हमेशा से ही दक्षिणपंथियों के लिए ध्रुवीकरण के प्रमुख औजार की तरह रहे हैं. 2014 के बाद इस काम के लिए सत्ता प्रतिष्ठानों का उपयोग भी किया जाने लगा है. इसका अभी तक का सबसे बेहतर उपयोग भाजपा के वर्तमान शीर्ष नेतृत्व द्वारा किया गया है और इसमें भी सबसे बड़ा नाम नरेंद्र मोदी का है. चुनाव जीतने के कई तरीके हो सकते हैं जिसमें सबसे लेकिन खतरनाक तरीका नागरिकों को 'हम' और 'वे' के खाके में बांट कर डर की राजनीती से चुनाव लड़ना है, वे अपने चुनावी अभियानों में यही करते हुये दिखलाई पड़ते हैं, कभी नेपथ्य से तो कभी खुले रूप से. 2024 के लोकसभा के अपने चुनावी अभियान में वे यह डर फैलाने की कोशिश करते हैं कि विपक्ष के सत्ता में आने पर बहुसंख्यक हिन्दुओं की संपत्ति को छीन कर 'ज्यादा बच्चे वालों को' और 'घुसपैठियों' को दी जाएगी. यहां यह समझना जरूरी है कि मोदी द्वारा अपने देश के सबसे बड़े अल्पसंख्यक के खिलाफ ऐसी बात करना सिर्फ चुनावी अभियान तक सीमित नहीं है बल्कि यही उनका राजनीतिक विजन है.

इसी कड़ी में लोकसभा चुनाव के बीच प्रधानमंत्री की इकोनॉमिक एडवाइजरी काउंसिल द्वारा भारत की 'जनसंख्या में अल्पसंख्यकों की हिस्सेदारी' पर एक वर्किंग पेपर जारी किया जिसकी टाइमिंग और मंशा पर सवाल है. इस वर्किंग पेपर के आधार पर दो नैरेटिव पेश करने की कोशिश की गयी है, पहला यह कि 1950 से लेकर 2015 के बीच हिन्दुओं के मुकाबले मुसलमानों की आबादी बहुत तेजी से बढ़ी है और दूसरा मुसलामानों की बढ़ी हुई आबादी यह साबित करती है कि भारत में अल्पसंख्यक न केवल सुरक्षित हैं बल्कि फल-फूल रहे हैं. यह रिपोर्ट मुसलामानों की बढ़ती आबादी को लेकर उस पुराने दुष्प्रचार अभियान को मजबूत करने की कोशिश करती है जो संघ परिवार का पुराना अभियान रहा है. इस रिपोर्ट में आंकड़ों के वैज्ञानिक विश्लेषण के सभी मानकों का उल्लंघन किया गया है.

'बांटो और राज करो' की नीति की पुरानी पड़ चुकी. पिछले एक दशक के दौरान 'बांटो और बहिष्कृत करो' की नीति अपनाई गई है जिसमें मुसलमानों को 'दलितों','पिछड़ों' के साथ साथ खुद मुसलमानों को आंतरिक रूप से विभाजित करने की कोशिशें की गई हैं. हम इसे हिन्दुत्ववादियों की सोशल इंजीनियरिंग भी कह सकते हैं. इसलिए 23 अप्रैल 2024 के दिन राजस्थान के टोंक में जब नरेंद्र मोदी अपने एक चुनावी रैली के दौरान यह कहते हैं कि 'कांग्रेस पार्टी दलितों और पिछड़ों का आरक्षण छीनकर मुसलमानों को देना चाहती है.' तो उनकी मंशा पर ध्यान देना जरूरी हो जाता है, दरअसल ऐसा करते हुये वे मंडल की राजनीति पर प्रहार कर रहे होते हैं जिसके कोर में दलित, आदिवासी और पिछड़ों के साथ मुसलमान शामिल रहे हैं. पिछले एक दशक के दौरान हिन्दुत्ववादी राजनीति इस कोर को भेदने में काफी हद तक कामयाब रही है और आज ओबीसी उनकी राजनीति के सबसे बड़े वाहक हैं.

परम्परागत रूप से भाजपा शिया मुसलमानों को आकर्षित करने की कोशिश करती रही है और जिसमें हालिया सबसे बड़े मुस्लिम चेहरों जैसे मुख्तार अब्बास नकवी, शाहनवाज हुसैन जैसे नेता शामिल रहे हैं. लेकिन अब भाजपा की इस रणनीति में बदलाव देखने को मिल रहा है, साल 2022 में भाजपा द्वारा पसमांदा मुस्लिमों के लिए स्नेह यात्रा की घोषणा की गयी थी, इसके बाद जनवरी 2023 में भाजपा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में नरेंद्र मोदी द्वारा मुस्लिम समुदाय के बोहरा, पसमांदा और पढ़े-लिखे लोगों तक सरकार की नीतियां लेकर जाने की बात की गयी.

गौरतलब है कि जाति भारतीय उपमहाद्वीप की एक पुरानी बीमारी है. इलाकाई और सांस्कृतिक विभिन्नताओं के बावजूद जाति व्यवस्था इस क्षेत्र में लगभग सारे धार्मिक समूहों में पायी जाती है. हालाँकि इस्लाम में जाति की कोई व्यवस्था नहीं है लेकिन भारतीय मुसलमान भी जातीय विषमता के शिकार हैं.

ऐसा माना जाता है कि भारत के मुस्लिम समाज का 85 फीसदी हिस्सा पसमांदा है. 'पसमांदा'का अर्थ है 'पीछे छूटे हुए' या 'दबाए गये लोग.' दरअसल पसमांदा शब्द का उपयोग मुसलमानों के बीच दलित और पिछड़े मुस्लिम समूहों के संबोधन के लिए किया जाता है.ऐसा माना जाता है कि ज्यादातर पसमांदा मुसलमान हिन्दू धर्म से कन्वर्ट होकर मुसलमान बने हैं लेकिन वे अपनी जाति से पीछा नहीं छुड़ा सके हैं. इनमें से अधिकतर की सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक स्थिति हिन्दू दलितों एवं आदिवासियों के सामान या उनसे भी बदतर है. संख्या में अधिक होने के बावजूद पसमांदा मुसलमानों का राजनीतिक प्रतिनिधित्व भी काफी कम है. इसी गैरबराबरी को ध्यान में रखते हुये पसमांदा मुस्लिम लंबे समय से अपनी सामाजिक-आर्थिक बेहतरी के लिए संघर्ष भी कर रहे हैं. आजादी से पहले अब्दुल कय्यूम अंसारी और मौलाना अली हुसैन असीम बिहारी जैसे लोगों द्वारा इसकी शुरूआत की गयी. मौजूदा दौर में पूर्व राज्यसभा सांसद अली अनवर जैसे नेता इस मुहिम की अगुवाई कर रहे हैं जिन्होंने 'अखिल भारतीय पसमांदा मुस्लिम समाज' की स्थापना की है और 'मसावात की जंग'जैसी किताब लिख चुके हैं. इस सिलसिले में मसूद आलम फलाही की किताब 'हिंदुस्तान में जात-पात और मुसलमान' भी काबिले जिक्र है जो भारत के मुस्लिम समाज के अंदर व्याप्त जातिगत ऊंच-नीच और भेदभाव का बहुत प्रभावी तरीके से खुलासा करती है.

बहरहाल देश की तकरीबन सभी राजनीतिक पार्टियों द्वारा पसमांदा मुसलमानों की उपेक्षा की गयी है लेकिन अब भाजपा जैसी हिन्दुत्ववादी पार्टी ने इन्हें अपने साथ जोड़ने का इरादा जताया है लेकिन इसके पीछे की मंशा 'बांटो और बहिस्कृत करो' की नीति ही है. दरअसल भाजपा हिन्दू एकता के अपने विराट प्रोजेक्ट के तहत पहले ही ओबीसी के गैर-यादव जातियों और गैर जाटव दलितों के बीच अपना पैठ बना चुकी है, अब पसमांदा मुसलमानों को अपनी तरफ आकर्षित करके अपने सोशल इंजीनियरिंग को अभेद बना देना चाहती है. इसकी कवायद लम्बे समय से चल रही है, 2014 में सत्ता में आने के बाद भाजपा द्वारा पहली बार एक पसमांदा मुस्लिम अब्दुल रशीद अंसारी को पार्टी के राष्ट्रीय अल्पसंख्यक मोर्चा का अध्यक्ष बनाया गया. इससे पहले भाजपा अधिकतर शियाओं और कुछ हद तक बरेलवी मुसलमानों पर ही ज्यादा ध्यान देती थी. इसी प्रकार से उत्तर प्रदेश में दूसरी बार सत्ता हासिल करने के बाद इकलौते मुस्लिम मंत्री के रूप में दानिश अंसारी को जगह दी गयी जो एक पसमांदा मुसलमान हैं. लेकिन भाजपा की यह रणनीति क्या केवल पसमांदा मुसलमानों के वोट हासिल करने की रणनीति है या इससे कुछ अधिक है. गौरतलब है भाजपा एक विचारधारा आधारित पार्टी है जिसका वैचारिक आधार आरएसएस के हिंदुत्व की विचारधारा पर निर्भर है. इसीलिए एक पार्टी के तौर पर वो लम्बे समय की की योजना बनाकर काम करती है और इसके केंद्र में हिंदुत्व की विचारधारा निहित होती है.

इसीलिए भाजपा पसमांदा मुसलमानों तक अपनी पहुँच बनाकर एक तीर से कई निशाने लगाना चाहती है. सबसे पहला और बाहरी तौर पर दिखाई पड़ने वाला निशाना तो उनका वोट हासिल करना है, साथ ही मुस्लिम समुदाय के एक हिस्से के भाजपा से जुड़ने के और भी फायदे हैं. इससे मुस्लिम वोटों का बिखराव होगा और समुदाय का एक हिस्सा चुनावों में जातिगत आधारों पर बंट कर वोट कर सकता है. मुस्लिम वोटों का बिखराव का सबसे बड़ा फायदा भाजपा को ही मिलेगा. इस पहल के पीछे एक और छुपा मकसद हो सकता है जो संघ के लंबे समय की रणनीति का एक हिस्सा है. संघ प्रमुख मोहन भागवत लम्बे समय से यह दोहराते रहे हैं कि भारत में रहने वाले सभी लोग हिन्दू हैं भले ही उनकी पूजा और इबादत का तरीका अलग हो. यहाँ संघ द्वारा 'हिन्दू' को रहन-सहन के तरीके और संस्कृति के तौर पर परिभाषित किया जाता है. आजकल संघ और भाजपा के लोग यह

कहते हुये भी दिखलाई पड़ते हैं कि हिन्दुओं और मुसलमानों (खासकर पसमांदा मुसलामानों) के पूर्वज एक ही हैं.

पसमांदा आंदोलन का एक नारा है 'हिन्दू हो या मुसलमान पिछड़ा-पिछड़ा एक समान'. यह पसमांदा आंदोलन की मूल आत्मा हैं. यह नारा धार्मिक पहचान की जगह सभी समुदायों के सामाजिक या जातीय रूप से संगठित करने की वकालत करता है. यह एक प्रगतिशील नारा है लेकिन भाजपा और संघ इसका अपनी तरह से फायदा उठाना चाहते हैं. हालांकि उनके लिए ऐसा करना आसान नहीं होगा क्योंकि पसमांदा आन्दोलन के नेता इस बात को लेकर सचेत नजर आ रहे हैं.

मुसलमानों के लिए केंद्र में भाजपा की एक जीत के मायने क्या हो सकते हैं? इस बात को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा बिहार के सीवान में दिए गये उस चुनावी भाषण से समझा जा सकता है जिसमें वे कहते हैं कि 'अगर एनडीए 400 सीटों के साथ सत्ता में लौटती है तो समान नागरिक संहिता लाया जाएगा, मुल्ला पैदा करने वाली दुकानें यानी मदरसे बंद होंगे, मुस्लिम आरक्षण खत्म होगा और चार बार शादी करने के कारोबार को समाप्त कर दिया जाएगा.'

# पहले देते थे संरक्षण, अब माफिया की मौत पर आंसू बहा रहे सपा के लोगः मोदी

## प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा सलेमपुर, बलिया एवम घोसी के लोकसभा प्रत्याशी रविन्दर कुशवाहा, नीरज शेखर, अरविन्द राजभर के समर्थन में जनसभा को किया सम्बोधित

शिवप्रताप कुशवाहा

देवरिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुनाव प्रचार करने के लिए मऊ जिले के घोसी में लोकसभा सलेमपुर,बलिया एवम घोसी के लोकसभा प्रत्याशी रविन्दर कुशवाहा,नीरज शेखर,अरविन्द राजभर के समर्थन में जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि घोसी, बलिया, सलेमपुर मेरे पड़ोस के इलाके हैं। बनारस वालों के लिए तो ये पड़ोस ही है ना। 2024 के चुनाव पूरी दुनिया की नजर है। भारत जितनी दमदार सरकार, प्रधानमंत्री बनाएगा,उसकी गूंज दुनिया के हर देश में सुनाई देगी। उन्होंने कहा कि पूर्वांचल की ये धरती तो पराक्रम और क्रांति की धरती है। ये वो इलाका है जहां मंगल पांडे का साहस है। जहां महाराजा सुहेलदेव का पराक्रम है और स्वर्गीय चंद्रशेखर जी की मुखर आवाज है। सपा-कांग्रेस के परिवारवाद ने पूर्वांचल को माफिया का क्षेत्र बना दिया था। अभाव, गरीबी, लाचारी का क्षेत्र बना दिया था। लेकिन 10 साल से पूर्वांचल देश का प्रधानमंत्री चुन रहा है। 7 साल पूर्वांचल उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री चुन रहा है। इसलिए पूर्वांचल सबसे खास है।

उन्होंने कहा कि घोसी, बलिया और सलेमपुर सिर्फ एमपी नहीं बल्कि देश का पीएम चुन रहे हैं। घोसी से सुभासपा के अरविंद राजभर को मिला हर वोट मोदी को मिलेगा। बलिया से नीरज शेखर जी को मिला वोट मोदी को मिलेगा। सलेमपुर से रविंद्र कुशवाहा को मिला वोट मोदी को मिलेगा। फिर एक बार मोदी सरकार। उन्होंने कहा कि 1 जून को मतदान से पहले हमारा पूर्वांचल मन बना चुका है। बीजेपी को जिताना है। एनडीए को जीताना है। पूर्वांचल के गरीब बेटे को ताकत देगा, जो आपके सेवा में दिन रात एक कर रहा है। पूर्वांचल उसे ताकत नहीं देगा, जो आपको गरीब बनाए रखना चाहते हैं। आज मोदी आपका पक्का घर बना रहा है। आज मोदी आपकी प्रॉपर्टी के पक्के कागज बनाकर दे रहा है। इसलिए, हमारे सभी देशवासियों ने ठान लिया है कि आपका आशीर्वाद मोदी के साथ है।

पीएम मोदी ने कहा कि समाजवादी पार्टी ने हमेशा साजिश के तहत पूर्वांचल बनाए रखा। ऐसे लोगों को पूर्वांचल बार-बार सजा देगा, जिन्होंने इस क्षेत्र के साथ विश्वासघात किया। इंडी गठबंधन के वो लोग जिन्होंने आपके घरों में आग लगाए, जिन्होंने आपकी जमीनों पर कब्जे किए, जिन्होंने यहां दंगाईयों को ताकत दी, जो माफिया के लिए आंसू बहाते हैं, ऐसे लोगों को अब पूर्वांचल में पैर नहीं रखने देना है। आज मैं पूर्वांचल को घोसी के लोगों को इंडी

गठबंधन की बहुत बड़ी साजिश से सतर्क करने आया हूं। सपा-कांग्रेस का इंडी गठबंधन सभी जातियों को आपस में लड़ा रहा है। ये लोग चाहते हैं कि दलित, ब्राह्मण, राजपूत, भूमिहार, यादव, मल्लाह, कुर्मी, कुशवाहा, गौड़ ऐसे तमाम जातियों के लोग आपस में झगड़ा करके कमजोर हो जाएं। जब समाज के लोग एकजुट नहीं रहेंगे। आपस में एक दूसरे के बाल नोचेंगे तो आपका असली मुद्दों से ध्यान भटक जाएगा। तब ये इंडी वाले अपनी साजिश को अमल में लाएंगे।

उन्होंने कहा कि ये तीन बड़ी साजिशों को पूरा करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। पहला इंडी वाले संविधान बदलकर उसमें नए सिरे से लिख देंगे कि भारत में धर्म के आधार पर आरक्षण दिया जाए। दूसरा इंडी वाले एससी, एसटी, ओबीसी को मिलने वाले आरक्षण को खत्म कर देंगे। तीसरा काम होगा पूरा का पूरा आरक्षण धर्म के आधार पर मुसलमानों को देने का। आज सपा कांग्रेस, इंडी वालों की वोट बैंक और वोट बैंक पॉलिटिक्स इस स्तर पर गिर गई है कि इंडी गठबंधन वाले भारत में बहुसंख्यक समाज को दोयम दर्जे का नागरिक बनाना चाहते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि 2012 में सपा ने अपने घोषणापत्र में साफ-साफ लिखा है कि जैसा आरक्षण बाबा साहब अंबेडकर ने दलितों को दिया, वैसा ही आरक्षण मुसलमानों को दिया जाएगा।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने रातों रात कानून बदल दिया और एक झटके में हजारों शैक्षणिक संस्थानों को अल्पसंख्यक संस्थान घोषित कर दिया। पहले इनमें एससी, एसटी, ओबीसी को आरक्षण मिलता था। वो पूरा खत्म हो गया और मुसलमानों को आरक्षण मिल गए। दलितों, पिछड़ों के साथ इससे बड़ा धोखा क्या हो सकता है। तीसरा तरीका इन्होंने ओबीसी के आरक्षण में डाका डालने का अपनाया है। रातों रात ये मुसलमानों को ओबीसी घोषित कर रहे हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट ने 77 मुस्लिम जातियों का आरक्षण खारिज किया है। मुस्लिम आरक्षण का मामला सुप्रीम कोर्ट में अटका हुआ है क्योंकि बाबा साहब अंबेडकर लिखकर गए थे कि धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं दिया जा सकता है। क्योंकि वे बंटवारे के रूप में इसका परिणाम देख चुके थे।

उन्होंने कहा कि वोट बैंक के भूखे सपा और कांग्रेस वाले बाबा साहब अंबेडकर के संविधान को बदलना चाहते हैं। ताकि मुसलमानों को आरक्षण देने का उनका षडयंत्र है उसे कोई अदालत में चुनौती न दे सके। अयोध्या में भव्य राम मंदिर बना। दुनियाभर से लोग वहां रामलला के दर्शन करने जा रहे हैं। लेकिन सपा कांग्रेस के शाही परिवार के लोग क्यों नहीं गए। इन्होंने रामलला प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण तक को ठोकर क्यों मार दी। आप याद करिए कि चुनाव के समय ये मंदिरों में जाने का दिखावा करते हैं। लेकिन 500 साल बाद हमारी सभ्यता, हमारा आस्था का इतना बड़ा पल आया तो ये राम मंदिर को गालियां देने लगे। खोट ढूंढने लगे। ये लोग राम मंदिर बनने से बहुत नाराज हुए हैं। जैसे शाह बानों का फैसला पलटा, वैसे ही राम मंदिर पर सर्वोच्च अदालत का फैसला पलटा जाए, ऐसा ये दबाव बना रहे हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि आज यहां गरीबों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिल रहा है। आज मोदी हर गरीब परिवार के बुजुर्गों के लिए मुफ्त इलाज की गारंटी लेकर आया है। अब बुजुर्गों के इलाज के खर्चे की चिंता नहीं करनी होगी।

# बीसीसीआई को ऐसे दिग्गजों की तलाश जिन्हें घरेलू क्रिकेट की अच्छी हो समझ

मुंबई। टी20 विश्व कप 2024 के बाद राहुल द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। ऐसे में टीम इंडिया का मुख्य कोच बदला जाएगा। बीसीसीआई ने हाल ही में इस पद के लिए आवेदन मंगाए थे। इस बीच कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि बीसीसीआई ने रिकी पोंटिंग और जस्टिन लैंगर से मुख्य कोच बनने का ऑफर दिया।

टी20 विश्व कप 2024 के बाद राहुल द्रविड़ का कार्यकाल समाप्त हो जाएगा। ऐसे में टीम इंडिया का मुख्य कोच बदला जाएगा। बीसीसीआई ने हाल ही में इस पद के लिए आवेदन मंगाए थे। इस बीच कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि बीसीसीआई ने रिकी पोंटिंग और जस्टिन लैंगर को मुख्य कोच बनने का ऑफर दिया। हालांकि, इन रिपोर्ट्स को अब बीसीसीआई के सचिव जय शाह ने खारिज कर दिया है। उन्होंने बताया कि बोर्ड ने किसी भी पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर को कोचिंग के लिए ऑफर नहीं

दिया है। इसके अलावा उन्होंने बताया कि बीसीसीआई ऐसे दिग्गजों की तलाश कर रहा है जिन्हें घरेलू क्रिकेट की अच्छी समझ है।शाह ने कहा, न तो मैंने और न ही बीसीसीआई ने किसी पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी से संपर्क किया है। कुछ मीडिया चैनलों में चल रही खबरें पूरी तरह से गलत हैं।₹ पोंटिंग और लैंगर दोनों इंडियन प्रीमियर लीग में क्रमशः दिल्ली कैपिटल्स और लखनऊ सुपर जाएंट्स के मुख्य कोच के रूप में शामिल हैं। शाह ने आगे कहा, हमारी राष्ट्रीय टीम के लिए सही कोच ढूंढना एक सावधानीपूर्वक और गहन प्रक्रिया है। हम ऐसे व्यक्तियों की पहचान करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जो भारतीय क्रिकेट संरचना की गहरी समझ रखते हैं और रैंकों में आगे बढ़े हैं। बीसीसीआई सचिव ने यह भी बताया कि भारतीय घरेलू क्रिकेट की समझ होना अगले कोच की नियुक्ति के लिए महत्वपूर्ण मानदंडों में से एक होगा। उन्होंने कहा कि यह समझ टीम इंडिया को अगले स्तर तक ले जाने के लिए महत्वपूर्ण होगी। हाल ही में जस्टिन लैंगर और रिकी पोंटिंग ने इस बात का खुलासा किया था कि उन्हें बीसीसीआई की तरफ से मुख्य कोच के पद पर काबिज होने का प्रस्ताव आया था। हालांकि, दोनों ने इस ऑफर को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। अब बीसीसीआई सचिव ने दोनों दिग्गजों के दावे के खारिज कर दिया है।

वहीं, गौतम गंभीर भी मुख्य कोच के दावेदार हैं। दरअसल, कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि बीसीसीआई ने पूर्व सलामी बल्लेबाज से इसको लेकर चर्चा की है। दरअसल, गंभीर इस वक्त आईपीएल में कोलकाता नाइट

**खेल-खिलाड़ी**

### लैंगर-पोंटिंग को मिला मुख्य कोच बनने का ऑफर? जय शाह ने नकारा दावा

राइडर्स के मेंटर हैं। उनकी मेंटरशिप में कोलकाता फाइनल में पहुंच चुकी है। इससे पहले गंभीर लखनऊ सुपर जाएंट्स के साथ जुड़े थे। वह दो साल इस टीम के मेंटर रहे। हालांकि, आईपीएल 2024 में उनकी घर वापसी हुई है। हाल ही में बीसीसीआई सचिव जय शाह ने साफ किया था कि अलग प्रारूपों के लिए अलग कोच नहीं होगा। ऐसे में तीनों प्रारूप के लिए सिर्फ एक कोच की तलाश होगी, जो 3.5 साल तक भारतीय क्रिकेट टीम की जिम्मेदारी संभालेगा। द्रविड़ का कार्यकाल टी-20 विश्व कप के बाद समाप्त हो रहा है। मुख्य कोच पद पर बने रहने के लिए उन्हें भी आवेदन करना होगा। बीसीसीआई ने आवेदन के लिए 27 मई अंतिम तिथि निर्धारित की है।

# जवान का पार्थिव शरीर घर पहुंचा, कोहराम

एत्मादपुर (आगरा)। एत्मादपुर क्षेत्र के गांव नगला हंसराज निवासी नौसेना में एयरक्राफ्ट इंजीनियर के पद पर तैनात (23 वर्षीय) श्याम यादव की संदिग्ध परिस्थितियों में बीते शुक्रवार को मौत हो गई थी। घटना की सूचना नौसैनिक के पारिवारी जनों को दी गई। जिससे परिवार के लोगों में कोहराम मच गया।

पारिवारी जनों ने घटना की सूचना नाते-रिश्तेदारों को दी। जिससे नौसैनिक के घर आने जाने वालों का तांता लगा रहा। शनिवार को केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल भी शोक संवेदना व्यक्त करने पहुंचे थे। तीन दिन बीत जाने के बाद आज सोमवार को नौसैनिक 23 वर्षीय श्याम यादव पुत्र हरि सिंह का पार्थिव शरीर प्रातः 7:15 बजे उनके पैतृक गांव नगला हंसराज पहुंचते ही सूचना पर गांव नगला हंसराज समेत पिपरिया, धरैरा, नगला निन्नू, नगला जौहरी व एत्मादपुर कस्बे से सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण एकत्रित हो गए। जिसे देख पूरा गांव शोक में डूब गया। पार्थिव शरीर के साथ रथ में आए नौसैनिक जवानों ने साथी श्याम यादव को गांव पहुंचकर अंतिम गार्ड सलामी दी। मृतक श्याम यादव की पत्नी अनुराधा उनके पार्थिव शरीर के पास बैठकर फूट-फूट कर विलाप करने लगी। मृतक के बड़े भाई हिर्देश यादव बेटे कृष्णा यादव ने चाचा श्याम यादव को मुखाग्नि देकर अंतिम संस्कार किया।

## बेफिक्र हो करें शत-प्रतिशत मतदान

चंदौली। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी निखिल टी फुंडे एवं पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार ने पं. कमलापति त्रिपाठी जिला चिकित्सालय परिसर से मतदाता जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। साथ ही इस दौरान चार पहिया वाहनों पर मतदान हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से तरह-तरह के स्लोगन का बैनर लगाया गया था। लाउडस्पीकर के माध्यम से ज्यादा से ज्यादा मतदान के दिन अपने मताधिकार का प्रयोग करने हेतु प्रेरित किया गया। जनपद में मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर विभिन्न तरीकों से लोगों को जागरूक किया जा रहा है। जिला चिकित्सालय से रैली प्रारंभ होकर सदर ब्लॉक परिसर तक समाप्त हुई। इस दौरान जिलाधिकारी पुलिस अधीक्षक सहित रैली में सैकड़ो संख्या में लोग उपस्थित रहे। रैली के दौरान मतदान करने हेतु लोगों को प्रेरित किया गया। इस दौरान प्रभारी अधिकारी कार्मिक/मुख्य विकास अधिकारी एस एन श्रीवास्तव, खण्ड विकास अधिकारी सदर, एडियो पंचायत, सचिन सिंह, नीलू मिश्रा अंतरराष्ट्रीय एथलीट खिलाड़ी, सहित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

# सिंधु मलेशियाई मास्टर्स के सेमीफाइनल में पहुंची

क्वालालंपुर। भारतीय महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु मलेशियाई मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूनामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। सिंधु ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में चीन की हान यू को 21-13, 14-21 और 21-12 से हराया। इस मैच में चीनी खिलाड़ी के खिलाफ सिंधु की शुरूआत अच्छी रही, पर इसके बाद उसने बढ़त हासिल कर ली। सिंधु ने पहले गेम में चीनी खिलाड़ी को आसानी से 21-13 से पराजित। इसके बाद दूसरे गेम में चीनी खिलाड़ी ने शानदार वापसी करते हुए 21-14 से मुकाबला जीता। इसके बाद तीसरे गेम में सिंधु ने आक्रामक रुख अपनाने हुए 21-12 से मुकाबला जीता। वहीं एक अन्य मुकाबले में भारत की ही अष्मिता चालिहा क्वार्टर फाइनल में चीन की झांग यि मैन के हाथों 21-10, 21-15 से हार के साथ ही बाहर हो गयीं।

# खत्म हुआ हार्दिक और नताशा का रिश्ता?

नई दिल्ली। स्टार ऑलराउंडर और उनकी पत्नी नताशा स्टेनकोविक के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। दरअसल, फिल्म अभिनेत्री और हार्दिक की पत्नी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से सरनेम हटा दिया है। इससे कयास लगाए जा रहे हैं कि दोनों के बीच सबकुछ ठीक नहीं रहा। मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या की प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ इन दिनों कुछ खास नहीं चल रही है। उनकी टीम पहली ही आईपीएल से बाहर हो चुकी है। अब खबर आ रही है कि स्टार ऑलराउंडर और उनकी पत्नी नताशा स्टेनकोविच के बीच सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। दरअसल, फिल्म अभिनेत्री और हार्दिक की पत्नी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से सरनेम हटा दिया है। इससे कयास लगाए जा रहे हैं कि दोनों के बीच सबकुछ ठीक नहीं रहा।

इसके अलावा मॉडल ने हार्दिक के साथ अपनी सभी तस्वीरें सोशल

मीडिया से डिलीट कर दी हैं। दोनों ने साल 2020 में शादी रचाई थी। उसी साल नताशा ने एक बेटे को जन्म दिया था जिसका नाम अगस्त्य पांड्या है। दोनों के अलग होने के कयास इस बात से भी लगाए जा रहे हैं कि चार मार्च को नताशा का जन्मदिन था। इस दौरान हार्दिक की तरफ से कोई पोस्ट नहीं किया गया था। वहीं, फिल्म अभिनेत्री ने हार्दिक के साथ अपनी सभी हालिया तस्वीरें सोशल मीडिया से हटा दीं सिवाए उस फोटो के जिसमें अगस्त्य उनके साथ हैं।

नताशा से पहले हार्दिक का नाम कई मॉडल और एक्ट्रेस के साथ जुड़ा था। हालांकि, हार्दिक ने इन सभी का खंडन किया था। इसके बाद एक नाइट क्लब में हार्दिक की मुलाकात नताशा स्टैनकोविच से हुई। नताशा तब नहीं जानती थीं कि हार्दिक क्रिकेटर हैं। हार्दिक ने खुद इस कहानी के बारे में बताया था। उन्होंने कहा था- नताशा को कोई अंदाजा नहीं था कि मैं कौन हूं। हमने एक-दूसरे से बातचीत की और धीरे-धीरे करीब आए। जहां हम मिले थे वहां उसने मुझे हैट में देखा था। हार्दिक ने कहा- मैं रात के एक बजे हैट पहनकर, गले में चेन और हाथ में घड़ी पहनकर बैठा हुआ था। नताशा को लगा कि कोई रैंडम इंसान है। इसी दौरान हमारी बातचीत शुरू हुई थी। फिर हमने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया। हार्दिक और स्टैनकोविक कई पार्टियों में भी साथ दिखने लगे। हालांकि, 2020 से पहले दोनों ने कभी खुलकर अपने रिश्ते का खुलासा नहीं किया। हार्दिक को लगा कि नताशा सही वह इंसान हैं जिसके साथ वह पूरी जिंदगी बिता सकते हैं। इसके बाद हार्दिक ने नताशा को अपने परिवार से मिलाया। एक साल के अंदर ही हार्दिक ने रिश्ते पर मुहर लगा दी। हालांकि, उनके माता-पिता को मालूम नहीं था कि वह सगाई करने वाले हैं। 2020 में इंस्टाग्राम पोस्ट से दोनों के सगाई के बारे में पता चला। इसके बाद हार्दिक ने एक निजी कार्यक्रम में नताशा के साथ शादी कर ली। 2020 के जुलाई में ही हार्दिक ने बताया कि वह पिता बनने वाले हैं। एजेंसी

## संक्षेप समाचार...

### ओरिजिनल शोज का फर्स्ट लुक किया जारी

मुंबई। भारतीय टेलीविजन इंडस्ट्री अपनी शुरूआत से ही मनोरंजन का एक प्रमुख स्रोत रही है। समय के साथ नाटकीय फिल्में और ओटीटी प्लेटफॉर्म जैसे कई नए माध्यम उभरे हैं लेकिन टीवी प्रसारण इंडस्ट्री की शक्ति और पहुँच सबसे आगे रही है। कई विशेषज्ञों के अनुसार यह शुरू से ही इंडस्ट्री पर राज करता आ रहा है, आज भी कर रहा है और भविष्य में भी करता रहेगा। दर्शकों का मनोरंजन करने और उनका ध्यान खींचने के लिए टेलीविजन पर हर दिन नए शो लॉन्च किए जाते हैं। सन नेटवर्क का नया हिंदी जीईसी चैनल सन नियो सिर्फ एक शो नहीं है, बल्कि एक नया चैनल भी है जो अपने मूल शो के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार है। अन्य मार्केट्स में अपनी पकड़ मजबूत करने के बाद, यह मीडिया नेटवर्क अब अपने हिंदी शोज के साथ हिंदी भाषी क्षेत्र में लोगों को लुभाने के लिए तैयार है। खास बात यह है कि सन नेटवर्क ने हाल ही में, एक नहीं, बल्कि अपने तीन नए मूल शोज का पहला लुक जारी किया, जिसमें कई लोकप्रिय चेहरे शामिल थे जिन्हें देखकर कई दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। चैनल द्वारा जारी किए गए मोशन पोस्टर में तीन शोज नजर आ रहे हैं, जो विभिन्न प्रकार के कंटेंट पेश करते हैं, जिनका नाम है 'छठी मैया की बिटिया', 'इश्क जबरिया', और 'साझा सिंदूर'। 'छठी मैया की बिटिया', शो में देवोलीना भट्टाचार्जी एक नए अवतार में हैं। यह पारंपरिक विषयों के साथ एक भक्ति शैली पर बना शो है, जो एक देवी और एक इंसान के बीच के रिश्ते की खोज करता है। 'इश्क जबरिया' जबरन विवाह और ड्रामा की अवधारणा पर बना नया दृष्टिकोण प्रस्तुत करता है, जबकि 'साझा सिंदूर' रिश्तों और वैवाहिक जीवन की जटिल गतिशीलता पर प्रकाश डालता है। इन शोज का पहला लुक दर्शकों का धमाकेदार मनोरंजन करने का वादा और दर्शकों द्वारा पसंद किए जाने की उम्मीद करता है।

### येलो ड्रेस में दीपिका का नजर आया प्रेगनेंसी ग्लो

मुंबई। अपने हर दूसरे काम की तरह, ग्लोबल आइकॉन दीपिका पादुकोण अब अपने मैटरनिटी फैशन में भी बदलाव ला रही हैं, और बड़ी आसानी से वह अपने आइकॉनिक स्टाइल के साथ कंफर्ट को मिक्स कर रही हैं। आज दिन की शुरूआत के साथ, बॉलीवुड की टॉप स्टार अपने स्किनकेयर ब्रांड 82तए के एक इवेंट में शानदार अंदाज में नजर आईं, उन्होंने पीले, हल्के फुल्के समर ड्रेस पहनी थी, जिसमें वह चमक बिखेर रही थी। एक्ट्रेस द्वारा फ्लोई, वाइब्रेंट ड्रेस का चयन करना उनकी समझ को दिखाता है। यह साबित करते हुए कि मैटरनिटी आउटफिट स्टाइलिश और कंफर्टेबल दोनों हो सकते हैं। दीपिका के फैशन चॉइसेज इंस्पायरिंग हैं, जो दशार्ते हैं कि प्रेगनेंसी किसी को शानदार दिखने से नहीं रोकती।रेड कार्पेट पर राज करने और अपने एयरपोर्ट फैशन से यादगार छाप छोड़ने के लिए जानी जाने वाली दीपिका पादुकोण अब अपने मैटरनिटी आउटफिट्स के साथ एक नया ट्रेंड शुरू कर रही हैं। हाल ही में सन किस्ड रंग के आउटफिट में उनकी मौजूदगी उनकी फैशन एक्सपर्टाइज को दशार्ती है, साथ ही यह साबित करती है कि प्रेगनेंट महिलाओं को कंफर्ट के लिए स्टाइल छोड़ने की जरूरत नहीं है।

उनके स्टाइलिश हेयरस्टाइल से लेकर नाजुक एक्सेसरीज तक, हर डिटेल परफेक्ट था, जिससे यह मजबूत तर्क मिलता है कि मैटरनिटी फैशन पर ध्यान देने की जरूरत क्यों है। अपनी प्रेगनेंसी के दौरान इस स्टाइलिश शुरूआत के साथ, दीपिका पादुकोण ने दिखाया कि फैशन शेप, साइज और यहां तक कि लाइफ के स्टेजेस से भी आगे है। चाहे वह किसी बड़े इवेंट में भाग ले रही हों या बाहर जा रही हों, दीपिका का शानदार टेस्ट हमेशा लोगों को इंप्रेस और मोटिवेट करता है। फैशन इंस्पिरेशन की तलाश करने वाली हर माँ बनाने वाली महिला के लिए, दीपिका पादुकोण एक आदर्श रोल मॉडल हैं, जो साबित करती हैं कि मैटरनिटी वियर किसी भी दूसरे फैशन स्टेटमेंट की तरह ही ग्लैमरस और एक्साइटिंग हो सकते हैं!

चीन में टेकलीमाकन रैली में आगे निकलते हुए मंगोलियाई राइडर पी मूरन।

# राहुल ने कहा था भारतीय कोच बनने पर 1000 गुना ज्यादा राजनीति और दबाव...

मुंबई। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज और कोच जस्टिन लैंगर उन नामों में से एक थे, जिन्हें भारत का अगला मुख्य कोच बनने की दौड़ में सबसे आगे माना जा रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, बीसीसीआई कथित तौर पर राहुल द्रविड़ की जगह लेने के लिए लैंगर समेत कई विकल्पों पर विचार कर रहा था क्योंकि उनका अनुबंध आगामी टी20 विश्व कप के बाद समाप्त हो जाएगा। हालांकि, शुक्रवार को बीसीसीआई सचिव जय शाह के बयान मामले को साफ कर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम के कोच पद के लिए बोर्ड ने किसी पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी से बातचीत नहीं की है। लैंगर के अलावा इसमें रिकी पोंटिंग का नाम भी शामिल किया जा रहा था। वहीं, अब लैंगर का भी बयान सामने आया है और उन्होंने कोच पद की दौड़ से बाहर होने का

विकल्प चुना है। उन्होंने कहा है कि इस प्रकार की नौकरियां 'थकाऊ' हो सकती हैं। लैंगर ने आईपीएल 2024 के दौरान लखनऊ सुपर जाएंट्स के साथ अपने समय के दौरान केएल राहुल के साथ बातचीत का भी उल्लेख किया। लैंगर ने खुलासा किया कि राहुल ने उन्हें बताया कि भारतीय क्रिकेट टीम का मुख्य कोच बनना बहुत दबाव वाला काम है।

भारतीय टीम के कोच को एक आईपीएल कोच की तुलना में हजार गुना ज्यादा राजनीति और दबाव सहना पड़ता है। लैंगर ने बीबीसी स्टम्प्ड पर बातचीत के दौरान कहा, 'मुझे पता है कि यह एक मुश्किल भूमिका है और ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ चार साल तक इसे निभाने के बाद मैं यह कह सकता हूं कि यह थकाऊ भी है। मैं केएल राहुल से बात कर रहा था और उन्होंने मुझसे कहा था- आप जानते हैं यह कितना मुश्किल है। अगर आपको लगता है कि आईपीएल टीम में दबाव और राजनीति है, तो भारतीय टीम के कोच को इससे हजार गुना ज्यादा सहना पड़ता है। मुझे लगता है यह एक अच्छी सलाह थी।' इससे पहले लैंगर के पूर्व साथी रिकी पोंटिंग ने भी पद से दूरी बनाने की बात कही थी। पोंटिंग ने कहा था, 'मैंने इसके बारे में काफी रिपोर्ट देखी हैं। आम तौर पर ये चीजें सोशल मीडिया पर आपके जानने से पहले ही आ जाती हैं, लेकिन आईपीएल के दौरान थोड़ी बहुत बातचीत हुई थी। उन्होंने मुझसे यह जानने की कोशिश की थी मुझे इसमें दिलचस्पी है या नहीं।

# जनाधार बचाने की चुनौती के बीच विधायकों का हाल

## सियासतः लोकसभा उपचुनाव में चार विधानसभाओं में हार गई थी सपा, गोपालपुर में सपा को छोड़ बाकी में भाजपा ने मारी थी बाजी

आजमगढ़। एक बार फिर लोकसभा चुनाव सामने है। 25 मई को मतदान होना है। जीत-हार का फैसला तो बाद में होगा, लेकिन उससे पहले एक बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या विधायक अपना जनाधार सुरक्षित रख पाएंगे। सवाल लाजिमी भी है, क्योंकि लोकसभा उपचुनाव में सपा के पांच विधायकों में केवल गोपालपुर के विधायक नफीस अहमद ही अपने क्षेत्र में सपा को जीत दिला सके थे। यहां तक कि सदर क्षेत्र से नौ बार के विधायक दुर्गा प्रसाद यादव भी अपना जनाधार सुरक्षित नहीं रख पाए थे।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के इस्तीफे के कारण हुए उपचुनाव और परिणाम ने चार विधायकों की मेंहनत पर भी सवाल खड़ा कर दिया था। उपचुनाव की अग्नि परीक्षा में गोपालपुर को छोड़ सभी चार विधायक फेल साबित हुए थे। वैसे तो सभी दलों के सामने सीट हासिल करने की चुनौती थी, लेकिन सपा के धर्मेंद्र यादव के साथ पार्टी के पांच विधायकों की भी प्रतिष्ठा सीधे तौर पर जुड़ी थी। कारण कि लोकसभा क्षेत्र की सभी विधानसभाओं में सपा के ही

विधायक चुने गए हैं। आजमगढ़ लोकसभा में शामिल पांच विधानसभा के चुनाव में सपा को सर्वाधिक 4,35,993 वोट हासिल हुए थे, जबकि 3,29,883 वोटों के साथ भाजपा दूसरे तो 224405 वोटों के साथ बसपा तीसरे पायदान पर रही। उपचुनाव में भाजपा ने तो मुख्यमंत्री की सभाओं के बल पर जनाधार बढ़ा लिया, लेकिन सपा पीछे रह गई।

विधानसभा चुनाव परिणाम पर गौर करें तो आजमगढ़ सदर में सपा के दुर्गा प्रसाद यादव को सर्वाधिक 100813 मत हासिल हुआ था। इसके अलावा सगड़ी में सपा के हृदय नरायन सिंह पटेल को 83093, गोपालपुर में सपा के नफीस अहमद को 84401, मुबारकपुर में सपा के अखिलेश यादव को 80726 तथा मेंहनगर (सुरक्षित) सीट पर सपा की पूजा सरोज को 86960 मत मिला था। इस प्रकार अनुमान लगाया जा रहा था कि सपा विधायक अगर खुद के हासिल वोट को भी सहेज लेंगे, तो उप चुनाव में सीट जाने से बच जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका था। उपचुनाव में विधानसभावार पड़े वोटों पर नजर डालें तो गोपालपुर में सपा को सर्वाधिक 61150 वोट हासिल हो सके। सगड़ी में 53059 वोट के साथ सपा दूसरे स्थान पर रही। मुबारकपुर में तो सबसे ज्यादा 67849 वोट हासिल कर बसपा पहले नंबर पर थी। आजमगढ़ सदर के नौ बार के विधायक दुर्गा प्रसाद यादव के रहते सपा को मात्र 68579 मत मिले और वह दूसरे नंबर पर थी। मेहनगर की विधायक पूजा सरोज भी अपने वोटों को सहेज नहीं पाईं और यहां भी भाजपा जीत गई।

**विधानसभा चुनाव में ही दिखने लगी थी भाजपा की मजबूती : आजमगढ़।** विधानसभा चुनाव में हार के बाद भी हर जगह भाजपा की स्थिति पहले से बेहतर

### पहले से कमजोर रहा बसपा का प्रदर्शन

आजमगढ़। बसपा की स्थित विधानसभा चुनाव में पहले से कमजोर रही और उसे सभी विधानसभा सीटों पर तीसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा था। आजमगढ़ सदर में बसपा के सुशील कुमार सिंह को 39281, सगड़ी में शंकर यादव को 41006, गोपालपुर में रमेश चंद यादव को 45211, मुबारकपुर में अब्दुस्लाम को 48734 तथा मेंहनगर (सुरक्षित) में पंकज कुमार 50173 मत ही हासिल कर सके।

**मची सरगर्मी**

**नौ बार के विधायक दुर्गा यादव भी नहीं सहेज सके थे अपना वोट**

रही। आजमगढ़ सदर में भाजपा के अखिलेश कुमार मिश्र को 84777, सगड़ी में वंदना सिंह को 60578, गोपालपुर में सत्येंद्र राय को 60094, मुबारकपुर में अरविंद जायसवाल को 51623 मत मिला था तो मेंहनगर में मंजू सरोज 72811 मत पाकर दूसरे स्थान पर रहीं।

# लोकसभा चुनाव पहली बार मतदान करने वाले युवाओं में दिख रहा जोश

गाजीपुर। लोकसभा चुनाव के मैदान में प्रमुख दलों के प्रत्याशी हैं। इस चुनाव में पहली बार मतदान करने वाले युवाओं में जबरदस्त उत्साह है। वह अपना जनप्रतिनिधि चुनने को बेताब हैं। इन मतदाताओं की आगामी सरकार से अपेक्षाएं है। बातचीत में युवाओं ने रोजगार, नौकरी और सुरक्षा पर विशेष ध्यान देने वाली सरकार की अपेक्षा जताई है।

**क्या कहते हैं युवा :** सदर ब्लॉक के गांव फतेहपुर सिकंदर निवासी छात्रा अंजली वर्मा पहली बार मतदान करेंगी। वह कहती हैं कि लड़कियों को सुरक्षा देना प्रमुख मुद्दा है। छेड़खानी की घटनाएं आम हो गई हैं। बदनामी के डर से वह किसी से शिकायत नहीं करतीं। ऐसी सरकार बने जो महिलाओं व लड़कियों की सुरक्षा पर ध्यान दे।

मुहम्मदाबाद कस्बा निवासी दामिनी गुप्ता प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रही हैं। हमें ऐसा जनप्रतिनिधि व प्रधानमंत्री चाहिए जो लड़कियों व महिलाओं को सुरक्षा भी प्रदान करे। हमारी समस्याएं सुनें, उसका निस्तारण करे। उसी नेता को वोट देना है। अमरुपुर निवासी प्रशांत कुमार कहते हैं कि जिला स्तर पर युवाओं को उनकी रुचि के अनुसार कैरियर बनाने के विकल्प मिलने चाहिए। शिक्षा ग्रहण करने के बाद हमें रोजगार की तलाश में अन्य प्रांतों में न जाना पड़े। सरकार ऐसी बनानी है जो हमारी जरूरतों को समझे।

शेरपुर निवासी स्नातक प्रथम वर्ष के छात्र हिमांशु राय कहते हैं कि अभी भी युवाओं के लिए रोजगार के मौके कम हैं। पढ़े लिखे लोग प्राईवेट नौकरी के लिए भी भटक रहे हैं। चुनाव के समय रोजगार दिलाने के वादे किए जाते हैं, लेकिन जीतने के बाद पांच साल उन पर अमल नहीं होता। सरकार ऐसी बनानी है जो युवाओं के रोजगार के रास्ते तैयार करे।

# वादा पूरा करने वाला हो प्रतिनिधि

गाजीपुर। आमतौर पर देश की राजनीति पर आधी आबादी की राय जाहिर नहीं हो पाती। मौजूदा परिदृश्य नेताओं के बदलते किरदार और वोटरों के नजरिए से चुनाव के जरूरी मुद्दों और नेताओं के भाषणों में जब-तब आने वाले विवादित बयानों पर जनसंदेश टाइम्स ने महिलाओं से बातचीत की।

सभी ने मजबूती से अपनी बात रखी और मतदान के जरिए सार्थक सरकार चुने जाने का इरादा जताया। महिलाएं कहती हैं कि महिला राष्ट्र के प्रति मतदान अवश्य करें। तमाम महिलाएं मतदान के दिन घर से बाहर नहीं निकलती। ऐसे में लोकतंत्र की मजबूती के लिए एक-एक वोट महत्वपूर्ण है।

चंदनवाहा निवासी भाग्यमनी राय राय कहती है कि महिलाओं ने सुरक्षा को अहमियत दी है। उनके अनुसार, ऐसा जनप्रतिनिधि हो जो महिला सुरक्षा के लिए सख्त कदम उठाने को सरकार को मजबूर करे। उनका हक दिलाने के लिए सोचे ही नहीं, बल्कि उसके अनुसार कानून बनाकर उनका हक दिलाएं।

फुल्लनपुर निवासी राजश्री सिंह कहती हैं कि महिला आरक्षण की बात भर होती है। 33 फीसदी आरक्षण देने को लेकर दशक भर से यह सब कुछ देखा जा रहा है। लेकिन जब टिकट देने का मौका आता है तो उनका महिलाओं पर भरोसा ही नहीं रहता।

गोराबाजार की साधना यादव कहती हैं कि सिर्फ वादे करने वालों पर भरोसा नहीं होना चाहिए। ऐसा जनप्रतिनिधि चुनने की कोशिश की जाए जो वादों को पूरा करके दिखाने का जज्बा रखता हो।

पीरनगर की अंकिता गुप्ता कहती हैं कि आजादी के बाद सबसे बड़ा बदलाव राजनेताओं से लेकर समाज के हर तबके में बदलाव आया है। नैतिकता की बात अब लोगों में है ही नहीं। राजनेता तो ऐसे हैं जिनमें राष्ट्रीयता की भावना ही नहीं रही। चुनाव के समय नेता जाति, धर्म और संप्रदाय को मुद्दा बना देते है। यह अच्छी बात नहीं है।

# महंगाई की सबसे ज्यादा मार झेल रहा है मध्यम वर्ग

## एजुकेशन, जॉब, रोजगार की ओर भी ध्यान दिया जाय, नई सरकार मध्यम वर्ग की समस्याओं को दूर करे

वाराणसी। वाराणसी संसदीय क्षेत्र में लोकसभा चुनाव की तिथि जैसे जैसे नजदीक आती जा रही है वैसे-वैसे मतदाताओं की सुगबुगाहट बढ़ती जा रही है। हर चुनाव में मिडिल क्लास यानि कि मध्यम वर्गीय लोगों की विशेष भूमिका रहती है। इस बार भी लोकसभा के चुनाव में मध्यम वर्ग की भूमिका रहेगी। मध्यम वर्ग के लोगों की नई सरकार से काफी अपेक्षाएं हैं। उनका कहना है कि महंगाई की सबसे ज्यादा मार मध्यम वर्ग के लोग ही झेलते हैं। देखने में आता है कि एजुकेशन, जॉब, रोजगार की ओर किसी भी सराकर का ध्यान नहीं है। जो भी सरकार बनें वह मध्यम वर्ग के लोगों की समस्याओं को दूर करे। मध्यम वर्ग के लोगों से नई सरकार को लेकर बातचीत की गई।

गोलघर (टाउनहाल) के व्यवसायी संजय अग्रवाल नई सरकार से बहुत ही अपेक्षाएं रखते हैं। उनका कहना है कि जो भी सरकार बनें वह मध्यम वर्ग के लोगों पर विशेष ध्यान दे। क्योंकि चुनाव के पहले हर लोग मतदाताओं से ढेर सारे वादें करते हैं लेकिन उनमें से कोई भी वादा पूरा नहीं किया जाता है। हमारा मानना है कि युवाओं को ज्यादा से ज्यादा नौकरी व लोगों को रोजगार मिलनी चाहिए। चेतगंज के व्यवसायी सुशील गुप्ता का कहना है कि महंगाई की सबसे ज्यादा मार मध्यम वर्ग झेल रहा है। आज व्यापारी भी परेशान है। जनता को सुविधाओं से वंचित कर दिया गया है। जनता हर मौके पर किसी न किसी समस्या का सामना कर रही है। लहुराबीर निवासी नीरज पांडेय कहते हैं कि नई आने वाली सरकार देश में बढ़ती बेरोजगारी , महिला को आगे ले जाने के लिए बेहतर योजना बनानी चाहिए। देश के किसानों को आगे बढ़ाने के लिए बेहतर योजना

हो। देश के बेहतर इंटरनेशनल पॉलिसी से जीडीपी में सुधार नई सरकार से नई ऊर्जा के साथ इन विषयों में कार्य करने की उम्मीद है। अमर नगर कालोनी सिगरा निवासी लक्ष्मण आहुजा का कहना है कि आने वाली सरकार से हम यह कहना चाहेंगे कि प्राइवेट स्कूलों में बेलगाम फीस पर रोक लगाये। इस महंगाई में बच्चों की फीस से मध्यम वर्गीय लोगों की कमर टूट जा रही है। मेडिकल सुविधा में और भी गुणवत्ता बढ़ायी जाय। शहर में होते अनियंत्रित यातायात व ई-रिक्सा पर लगाम लगे। कोतवालपुरा निवासी ऋषि झिंगरन कहते हैं कि काशी विश्वनाथ कॉरिडोर के निर्माण के बाद वाराणसी आज पर्यटन का एक बड़ा केंद्र बन चुका है तथा बड़ी संख्या में यात्री काशी आ रहें हैं। लेकिन भारी भीड़ के कारण मंदिर परिक्षेत्र में रहने वाले लाखों लोगों की दैनिक दिनचर्या प्रभावित हो रही है। काशी की गलियां जिसे पक्का महाल भी कहते हैं और जो मुख्य रूप से मैदागिन से गोदोलिया के बीच बसा है में रहने वाले लोगों को ट्रैफिक प्रतिबंधों का सामना करना पड़ रहा है। बूढ़े,बच्चों, महिलाओं को यातायात के साधन नहीं मिलते जिससे वो पैदल चलने के लिए बाध्य हैं। कई बार इस क्षेत्र में बच्चों की स्कूल बस नहीं आ पाती है, इमरजेंसी में एंबुलेंस समय पर नहीं पंहुच पाती है, व्यापारियों का माल नहीं आ पाता है। कुल मिला कर पर्यटन का विकास तो हुआ है लेकिन साथ ही साथ क्षेत्रीय निवासियों की मुश्किलें भी बढ़ीं हैं।

कैण्ट निवासी रजत बहल कहते हैं कि नई सरकार से यह उम्मीद रखता हूं कि आयुष्मान कार्ड का लाभ मध्यम वर्ग व लोगों की संख्या निर्धारित न की जाय। आयुष्मान कार्ड किसी भी जरुरतमंद को दिया जाय। मोदी जी आप से वाराणसी के लोगो को उम्मीद तो बहुत थी लेकिन वैसा हुआ कुछ नही। अमित सक्सेना का कहना है कि जो भी सरकार बने वह आसमान छूती महंगाई को दूर करे। महंगाई की मार से सबसे ज्यादा मध्यम वर्ग ही जूझ रहा है। किसी भी सरकार का महंगाई पर कोई नियंत्रण नहीं रह गया है। गौराकलां के शिक्षक वीर बहादुर यादव वीर का कहना है कि आने वाली सरकार को बढ़ती हुई महंगाई पर नियंत्रण रखना होगा। इसके साथ ही नई सरकार को युवाओं को नौकरी देने की ओर भी विचार करना होगा। साथ ही जनसंख्या पर भी नियंत्रण रखने के लिए सार्थक कदम उठाना होगा।

# अब चुनावों में नहीं दिखी पहले जैसी सियासी रौनक

गाजीपुर। लोकसभा चुनाव का मेला इस बार पूरी तरह से फीका नजर आ रहा है। इसे आयोग की सख्ती कहें या प्रत्याशियों की अच्छी समझ क्योंकि चुनाव में अब केवल एक सप्ताह शेष बचे हैं लेकिन राजनीतिक दलों में बाहरी हलचल बिल्कुल शांत है।

शहर की कौन कहे, ग्रामीण क्षेत्रों में भी प्रत्याशियों का झंडा-बैनर और पोस्टर नहीं दिखाई दे रहा है और न ही भोपू के कानफाडू आवाज सुनाई दे रही है। चुनाव आयोग की ओर से आचार संहिता का उल्लंघन न करने के सख्त आदेश को लेकर सभी दल होशियारी बरत रहे हैं। इससे पहले के चुनाव में ऐसा देखा जाता रहा है कि चुनाव की तिथि की घोषणा होते ही राजनीतिक बयार बहने लगती थी। शहर हो या गांव की गलियां, झंडा-बैनर, पोस्टर से पूरी तरह से पट जाती थी, लेकिन इस बार चुनाव के तिथि की घोषणा होते ही चुनाव आयोग ने अपना तेवर दिखाना शुरू कर दिया। शहर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में लगे विभिन्न पार्टियों के प्रत्याशियों के पोस्टर, झंडा-बैनर को उतरवाकर रद्दी की टोकरी में डालवा दिया। प्रत्याशी अपने समर्थकों को बार-बार इस बात से अवगत करा रहे हैं कि वह कोई भी ऐसा कार्य न करे, जिससे चुनाव आयोग का डंडा खाना पड़े। बिना शोर-शराबा के बीच सभी पार्टियों के प्रत्याशियों की ओर मतदाताओं से मिलने-जुलने और उनका हालचाल पूछने का क्रम चल रहा है। शायद चुनाव आयोग की सख्ती का ही परिणाम है कि चुनाव में सिर्फ सात दिन का समय रह गया है, लेकिन चुनावी मेला पूरी तरह से फीका नजर आ रहा है। ना तो जिंदाबाद का शोर सुनाई दे रहा है और ही चुनाव प्रचार के लिए पर्याप्त भोपू की आवाज।

# पिंडरा विस के वोटरों के लिए बिछी रेड कारपेट

पिंडरा। पिंडरा विस क्षेत्र के 50 बूथों के मतदाता रेड कार्पेट पर चलकर बूथ पर पहुंचेंगे। उन्हें गर्मी को देखते हुए नींबू पानी के साथ कूलर और पंखे की हवा भी खाने को मिलेगी। इस दौरान मतदान केंद्र को भव्य ढंग से सजाया गया है। मछलीशहर संसदीय क्षेत्र के लिए आगामी 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए पिंडरा विस क्षेत्र में 16 मतदान केंद्र के 50 बूथ माडल पोलिंग बूथ के तहत विकसित होंगे। इसके लिए संबंधित विभाग द्वारा शुक्रवार को अंतिम रूप दिया गया । मछलीशहर संसदीय क्षेत्र का हिस्सा पिंडरा विस क्षेत्र है, जिसमे निर्वाचन आयोग के निर्देश पर जिला व तहसील प्रशासन द्वारा पिंडरा विस क्षेत्र के 16 मतदान केंद्र के 50 मतदेय स्थल को माडल पोलिंग बूथ बनाने के निर्देश दिए थे। इसमे पिंडरा स्थित स्वराजी देवी बालिका इंटर कालेज के चार बूथ, कन्या पूर्व माध्यमिक के चार बूथ, इंटर कालेज मंगारी नेवादा के पांच

बूथ, प्राथमिक विद्यालय समोगरा के दो बूथ, समेत 50 बूथ माडल पोलिंग बूथ के रूप में विकसित होंगे, जिसमे पं. दीनदयाल उपाध्याय इंटर कालेज सिसवां के दो बूथ आल वूमेन बूथ व प्राथमिक विद्यालय ढोरा दिव्यांग पोलिंग बूथ बनेंगे। इस बाबत एसडीएम पिंडरा / सहायक रिटर्निंग अधिकारी प्रतिभा मिश्रा ने बताया कि माडल बूथ पंचायत विभाग, बेसिक शिक्षा विभाग व तहसील प्रशासन के सहयोग से तैयार कर लिया गया है। इसके तहत बूथ पर स्वच्छ पेयजल के साथ ही रेड कार्पेट व छाजन की व्यवस्था होगी। जागरूक करने के लिए सेल्फी प्वाइंट बनाये गए हैं। बीडीओ पिंडरा छोटेलाल तिवारी ने बताया कि पिंडरा के आठ बूथ जनपद के माडल बूथ के रूप में तैयार किए गए हैं।

मतदान केंद्रों पर पहुंची पोलिंग पार्टियां, जवानों ने संभाला मोर्चा

पिंडरा। पिंडरा विस क्षेत्र में शनिवार को होने वाले मतदान के लिए अपराह्न तीन बजे तक सभी बूथों पर पोलिंग पार्टियां पहुंच गईं। बूथों पर व्यवस्था पहले से इस बार अधिक दिखी।

पोलिंग पार्टी के रहने व खाने की व्यवस्था के साथ शुद्ध पानी भी उनके लिए उपलब्ध था। पिंडरा स्थित कन्या पूर्व माध्यमिक विद्यालय के बूथ संख्या 206,207 व 208 पर पहुंचे पोलिंग पार्टी के सदस्यों व सुरक्षा कर्मियो ने व्यवस्था पर संतोष जताया। इस बाबत एसडीएम पिंडरा प्रतिभा मिश्रा ने बताया कि पिंडरा विस क्षेत्र के मतदान के लिए 389 पोलिंग पार्टी मतदान केंद पर अपराह्न 3 बजे तक पहुंच गईं। 120 कर्मचारी रिजर्व में पिंडरा तहसील में रखे गए हैं। हर एक पार्टी में चार मतदान कर्मी हैं। सामान्य, संवेदनशील और अतिसंवेदनशील बूथ के हिसाब से कुल 27 सौ से अधिक सुरक्षा कर्मी तैनात किए गए हैं। शनिवार को होने वाले मतदान में 3 लाख 73 हजार 708 मतदाता प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला करेंगे।

# पहले दीवारें बनती थीं प्रत्याशियों की पहचान

गाजीपुर। अब वो बात नहीं रही है, जो पहले के चुनाव में हुआ करती थी। एक जमाना था तांगे और रिक्शे में लाउडस्पीकर लगाकर वोट मांगे जाते थे। दीवारों पर प्रत्याशी के नाम की छपाई होती थी। दीवारों पर रंग बिरंगी डिजाइन ही प्रत्याशी की पहचान हुआ करती थी।

प्रत्याशी भी घर घर जाकर वोट मांगते थे। अब सब कुछ सोशल मीडिया पर हावी है। बंसीबाजार के राधेनगर निवासी श्रीनिवास चौबे बताते हैं कि जीवन शैली में परिवर्तन के साथ साथ टेक्नोलॉजी युग में चुनाव प्रचार के तरीके भी बदल गए हैं। पहले चुनावी प्रचार की जानकारी के साथ दावे, वादों की जानकारी भी प्रत्याशी दिया करते थे। घर-घर जाकर वोट मांगना। समर्थकों का हुजूम नहीं हुआ करता था। अब तो लोग दिखावे के लिए भीड़ एकत्र कर चलते है। बताया कि एक जमाना

था कि चुनाव लड़ने वाले को स्थानीय लोग तय करते थे। मगर अब तो चुनाव लड़ने के लिए वर्चस्व हावी है।

हर कोई चुनावी मैदान में भाग्य आजमाना चाहता है। पहले गिने-चुने लोग हुआ करते थे। इसके लिए चुनाव आते ही तय किया जाता था कि कौन चुनाव लड़ेगा। पहले गुटबाजी हुआ करती थी, मगर इतना विरोध और वर्चस्व नहीं था। अब सब कुछ हावी होता जा रहा है। अच्छे जनप्रतिनिधि को चुनना और समझना मुश्किल हो गया है।

# सत्ता और वोट बैंक की गणित ने 'अपराधियों' को राजनीति प्रवेश में निभाया खास रोल

## राजनीतिः सी. राजगोपालाचारी ने जता दी थी भारतीय राजनीति में बढ़ते अपराधीकरण पर आशंका, सत्ता सुख की खातिर 'गठबंधन' की राजनीति और अपराधीकरण का 'घोल'

वाराणसी। लोकतांत्रिक व्यवस्था में 'गठबंधन' बहुदलीय व्यवस्था की अनिवार्य शर्तों का सीधा परिणाम है। कहने का आशय यह कि बहुदलीय सरकार में अल्पमत वाली कई पार्टियां सरकार चलाने के लिए हाथ मिला लेती हैं, जो एकदलीय व्यवस्था पर आधरित लोकतंत्र में वर्तमान समय में संभव होता नहीं दिखता है। जी हां, 'गठबंधन की सरकार तब बनती है, जब सदन में कई राजनीतिक पार्टियां अपने मोटे मतभेदों को दूर रखकर साझा मंच पर हाथ मिलाने के लिए तैयार हो जाती हैं और सदन में बहुमत जुटा लेती हैं। असहमति के बावजूद इसमें हैरतअंगेज तालमेल होता है। राजनीतिक गलियारों पर गहरी नजर रखने वालों का कहना है कि सत्ता सुख की खातिर 'गठबंधन' की राजनीति के दौरान ही अपराधीकरण का 'घोल' इस कदर चढ़ा है कि लोकतंत्र के मायने ही बदल गए हैं। सी राजगोपालाचारी ने भारतीय राजनीति में बढ़ते अपराधीकरण को लेकर बहुत पहले की गंभीर चिंता जता दी थी।

राजनीतिक गलियारों पर गहरी नजर रखने वालों की माने तो 'गठबंधन' के चलते ही राजनीति में अपराधीकरण का भी प्रवेश हुआ। कहने का आशय यह कि राजनीति में अपराधीकरण के पीछे भी 'गठबंधन' की राजनीति को अहम् कारण माना जा रहा है। इतना ही नहीं, क्षेत्रीय राजनीतिक दल और 'गठबंधन' की राजनीति ने राजनीति के अपराधीकरण को भी तेज किया है। क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टियों की संख्या बढ़ने से आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों के चुनावी राजनीति में और उनके जरिये प्रतिनिधि संस्थाओं में प्रवेश की संख्या बहुत अधिक बढ़ गई है। यह स्वस्थ लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं है। 1952 के पहले आम चुनाव से ही अपराध और राजनीति के बीच 'गठजोड़' का डर व्यापक रूप से व्यक्त किया गया था। दरअसल, सी राजगोपालाचारी ने आजादी से पहले ही मौजूदा हालात का अंदाजा लगा लिया था, जब उन्होंने अपनी जेल डायरी में

**चुनावी चर्चा**

**राजनीति में अपराधीकरण के पीछे भी 'गठबंधन' की राजनीति को माना है अहम् कारण**

लिखा था-'चुनाव और उनका भ्रष्टाचार, अन्याय और धन का अत्याचार और प्रशासन की अक्षमता, जैसे ही हमें आजादी मिलेगी, जीवन को नरक बना देंगे...।' राजनीति का अपराधीकरण भारतीय राजनीति में चिंता का एक बड़ा मुद्दा है। यह तभी समाप्त होगा, जब इसे जड़ से समाप्त करने के लिए मतदाताओं को आगे आना होगा।

राजनीतिक गलियारों पर गहरी नजर रखने वालों की माने तो भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। भारतीय राजनीति में अपराधीकरण से तात्पर्य यह है कि राजनीति के अंदर अपराधियों का प्रवेश होना अर्थात आपराधिक पृष्ठभूमि वाले लोगों का राजनेता और प्रतिनिधि के रूप में चुना जाना। जब 'अपराधी' देश के कानून निर्माता बन जाएं तो उस देश का क्या हो सकता है? राजनीति दलों की तरफ से सत्ता और वोट बैंक की गणित ने अपराधियों को राजनीति में प्रवेश दिलाने में खास रोल अदा किया है। स्वतंत्रता के दो दशक तक 'अपराधी' नेताओं को जिताने के लिए कार्य करते रहे, परंतु 1980 के दशक तक आते-आते 'अपराधी' स्वयं चुनाव लड़ने लगे और जीतकर नेता बनने लगे। एसोसिएशन फॉर डमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के आंकड़ों के अनुसार, 2019 के आम चुनाव में 43 प्रतिशत अपराधी नेता चुनकर सदन में आए। वर्ष 2004 में 24 प्रतिशत सांसदों पर आपराधिक मामले लंबित थे, जो वर्ष 2019 में बढ़कर 43 प्रतिशत हो गए। इसमें लगभग सभी राजनीतिक दलों की स्थिति एक जैसी ही रही। भारत में यह एक गंभीर समस्या है।

इस पर गहन चिंतन और शोध की आवश्यकता है कि राजनीति में अपराधीकरण के कारणों का पता कर उसका समाधान किया जाए, नहीं तो यह समस्या हमारे लोकतांत्रिक व्यवस्था को छिन्न-भिन्न कर सकती है। देश की राजनीति में बाहुबलियों का वर्चस्व भविष्य में लोकतंत्र के लिए खतरा साबित हो सकता है।

**राजनेताओं और नौकरशाही का 'गठजोड़' भी एक खास कारण :** राजनीतिक गलियारों पर गहरी नजर रखने वालों की माने तो राजनीति के अपराधीकरण का सबसे अन्य कारण राजनेताओं और नौकरशाही के बीच का गठजोड़ भी है। हालांकि, 1970 के दशक से नौकरशाह व्यक्तिगत राजनेताओं या राजनीतिक दलों के साथ 'गठबंधन' करने लगे थे। जब वे जिस पार्टी से जुड़े, वह सत्ता में थी, तो उन्हें सबसे अच्छी पोस्टिंग मिली। बदले में, उन्होंने राजनेताओं के पक्षपातपूर्ण एजेंडे को पूरी ताकत से लागू किया। नौकरशाही और राजनीतिक नेताओं के बीच इस रिश्ते ने राजनीति के अपराधीकरण का दरवाजा खोल दिया। प्रशासन में राजनेताओं के हस्तक्षेप को राजनीति के अपराधीकरण का एक और कारण माना जा सकता है। आधुनिक भारत के अधिकांश राजनेता किसी न किसी रूप में प्रशासन में हस्तक्षेप करते हैं। इतना ही नहीं, राजनीति के अपराधीकरण के लिए जाति और धर्म दोनों ही समान रूप से जिम्मेदार है। भारत के कई राज्यों में ऐसा पया जाता है। भारतीय राजनीति में बाहुबल का प्रभाव लंबे समय से जीवन की सच्चाई रही है।

**कई नेताओं के खिलाफ चल रहे अपराधिक मुकदमे :** राजनीति पर गहरी नजर रखने वालों का कहना है कि क्षेत्रीय राजनीतिक दल और 'गठबंधन' की राजनीति ने राजनीति के अपराधीकरण को भी तेज किया है। क्षेत्रीय राजनीतिक पार्टियों की संख्या बढ़ने से आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोगों के चुनावी राजनीति में और उनके जरिये प्रतिनिधि संस्थाओं में प्रवेश की संख्या बहुत बढ़ गई है। 'गठबंधन' की राजनीति ने राजनीतिक व्यवस्था की साख को दांव पर लगाकर उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दी है। आज कई ऐसे नेता हैं, जो क्षेत्रीय और राष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभा रहे

हैं, लेकिन उनके खिलाफ आपराधिक मुकदमे चल रहे हैं। क्षेत्रीय पार्टियों की मदद से 'गठबंधन' की राजनीति ने समूची भारतीय राजनीतिक व्यवस्था में भ्रष्टाचार का रोग फैलाने का काम किया है। क्षेत्रीय राजनीतिक दल अपनी संकीर्ण सोच नहीं छोड़ते हैं और इसीलिए उनकी दृष्टि भी संकीर्ण ही होती है। ये पार्टियां लोकलुभावन तरीकों से समर्थन हासिल करती हैं।

# मोदी के नेतृत्व में देश्स में बनी भारत की पहचान

## आजमगढ़ के लालगंज में रक्षामंत्री ने संबोधित की चुनावी सभा, भाजपा प्रत्याशी को जिताने की अपील की

शौर्य न्यूज इंडिया

अतरौलिया (आजमगढ़)। छठवें चरण के चुनाव प्रचार के आखिरी दिन रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने लालगंज लोकसभा क्षेत्र के मेहियापार में भाजपा प्रत्याशी नीलम सोनकर के पक्ष में सभा कर केंद्र सरकार की उपलब्धियां गिनाई। कहा कि पहले जब विश्व मंच पर भारत बोलता था, तो बाकी देश के लोग उठकर चले जाते थे, लेकिन आज विश्व स्तर पर भारत की पहचान बनी है। सभी देशों के लोग भारत को सुनना चाहते हैं।

पैर में चोट लगने के कारण मंच पर बैठकर अपने लगभग 20 मिनट के संबोधन में रक्षामंत्री ने कहा कि पहले अमेरिका, जापान और रूसके प्रतिनिधि बोलते थे तो उनकी बातों को लोग बड़े गौर से सुनते थे, लेकिन प्रधानमंत्री के नेतृत्व में परिस्थितियां बदली हैं। आज दूसरे देशों के लोग इंतजार करते हैं कि भारत कब बोलेगा। कहा कि यूक्रेन और रूस के युद्ध में वहां रह रहे 22 हजार विभिन्न पाठ्यक्रमों का अध्ययन करने वाले छात्रों के अभिभावकों ने प्रधानमंत्री मोदी से अनुरोध किया कि हमारे बच्चों का भविष्य खतरे में है, उन्हें भारत वापस बुलाया जाए। इस पर प्रधानमंत्री ने यूक्रेन और रूस के राष्ट्रपति से टेलीफोन पर बात की और साढ़े चार घंटे के लिए युद्ध रोक दिया गया। 22000 भारत के छात्र तत्काल भारत प्लेन से वापस बुलाए गए। कहा कि हम जनता की आंखों में धूल नहीं झोंकते, बल्कि आंख में आंखें डालकर काम करने वाले लोग हैं। 25 करोड़ लोगों को मोदी जी के नेतृत्व में गरीबी रेखा से ऊपर निकाला गया। भारत की अर्थव्यवस्था बड़ी तेजी से आगे बढ़ रही है। कोरोना काल से बड़ा संकट आज तक नहीं आया, लेकिन उसको भी हमने पार किया और मोदी जी के नेतृत्व में अपने ही देश में वैक्सीन बनाकर खुद के देशवासियों को लगवाया और 100 देशों को हमने वैक्सीन देने का भी काम किया। कहा कि सपा मतलब समाप्त पार्टी, हाथ का पंजा अपना हाथ खो चुका है, तो हाथी का हौसला पस्त हो गया है। भारतीय जनता पार्टी सबका साथ- सबका विकास और सबका विश्वास लेकर आज आगे बढ़ रही है। इस दौरान प्रत्याशी नीलम सोनकर नले गदा और लालगंज जिला अध्यक्ष सूरज प्रकाश श्रीवास्तव ने तलवार देकर रक्षामंत्री का स्वागत किया, तो प्रदेश सरकार के मंत्री दारा सिंह चौहान ने अंगवस्त्र देकर स्वागत किया। दूसरी ओर बड़ी देर से राजनाथ की हाथ से बनाई तस्वीर लेकर खड़े एक युवक पर जैसे ही राजनाथ की नजर पड़ी, तो उन्होंने मंच पर बुलाकर उसके साथ फोटो खिंचवाई। आंसू जायसवाल ने शंख बजाकर राजनाथ का ध्यान आकर्षित किया और उन्होंने मंच से नाम पूछकर उन्हें भी धन्यवाद दिया। मंच पर पूर्वांचल विकास बोर्ड के नरेंद्र सिंह, एमएलसी रामसूरत राजभर, सांसद संगीता आजद, पूर्व अध्यक्ष जयनाथ सिंह, विनोद राय, हरीश तिवारी, रणविजय चौहान, प्रेमनारायण पांडेय, प्रशांत सिंह, कन्हैया निषाद, रविंद्र प्रताप, विनोद राजभर, घनश्याम पटेल, ध्रुव सिंह, आदि लोग मौजूद रहे।

# थम गया छठे चरण का चुनाव प्रचार

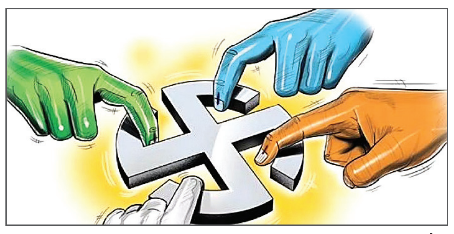

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के छठे चरण का प्रचार गुरुवार शाम खत्म हो गया। छठे दौर में 25 मई को आठ राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 58 सीटों पर वोटिंग होनी है। इसमें जम्मू-कश्मीर का अनंतनाग-राजौरी संसदीय क्षेत्र भी है, जहां मतदान तीसरे चरण की बजाय छठे चरण के लिए स्थगित कर दिया गया था। पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी, भोजपुरी कलाकार मनोज तिवारी, निरहुआ, पूर्व मुख्यमंत्री महबूबा मुफ्ती और मनोहर लाल समेत कई केंद्रीय मंत्रियों की किस्मत का फैसला इसी चरण में ईवीएम में बंद हो जाएगा।

छठे चरण में जिन सीटों पर मतदान होना है उनमें उत्तर प्रदेश की 14, हरियाणा की सभी 10, बिहार और पश्चिम बंगाल की आठ-आठ, दिल्ली की सभी सात, ओडिशा की छह और झारखंड की चार सीटें शामिल है। वहीं सबसे कम जम्मू-कश्मीर की एक सीट पर भी लोग वोट डालेंगे। 2019 में इन 58 में से 40 सीटें भाजपा ने जीती थीं। वहीं दूसरे स्थान पर बसपा के खाते में चार सीटें गई थीं जबकि कांग्रेस का खाता भी नहीं खुला था। पिछले चुनाव में इन 58 सीटों पर कुल 64.22% फीसदी वोट पड़े थे। सबसे ज्यादा 84.59 फीसदी मतदान पश्चिम बंगाल में हुआ था। वहीं, सबसे कम 8.98 फीसदी मतदान जम्मू-कश्मीर में दर्ज किया गया था।

**भाजपा-टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प, भाजपा महिला कार्यकर्ता की मौत : कोलकाता।** लोकसभा चुनाव के छठें चरण के पहले पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) कार्यकताओं के बीच झड़प हुई है, जिसमें बीजेपी की एक महिला कार्यकर्ता की मौत हुई है। इस झड़प में बीजेपी के 7 कार्यकर्ता घायल भी हुए हैं। घटना 22 मई की देर रात नंदीग्राम के सोनचूरा की है। यहां बीजेपी और टीएमसी कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। तणमूल कार्यकताओं पर आरोप है कि उन्होंने धारदार हथियार से बीजेपी कार्यकताओं पर जानलेवा हमला किया। झड़प में मृतक महिला बीजेपी कार्यकर्ता का नाम रथीबाला आड़ी बताया जा रहा है। यह पहली बार नहीं है, जब बंगाल के किसी इलाके में बीजेपी और टीएमसी कार्यकताओं के बीच झड़प हुई है। इसके पहले भी इसतरह के कई मामले सामने आ चुके हैं, जिसमें तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के वर्कर्स के बीच हिंसा सामने आई है। हाल ही में 20 मई को बैरकपुर में बीजेपी उम्मीदवार अर्जुन सिंह और टीएमसी कार्यकर्ता के बीच झड़प हुई थी। पुलिसवालों की मौजूदगी के बीच ये कहासुनी हुई थी। उसके बाद से इलाके में तनाव फैल गया था।

# पहली बार 'प्रचार' में उतरे वरुण

## सियासतः लेट एंट्री के बावजूद जनता से की भावुक अपील

सुल्तानुपर। भाजपा नेता वरुण गांधी अपनी मां के लिए चुनाव प्रचार करने आज यानी 23 मई को सुल्तानपुर पहुंचे। वरुण गांधी ने मतदाताओं से इस दौरान भावुक अपील की। उन्होंने नुक्कड़ सभा में मंच से जनता को संबोधित करते हुए कहा, पूरे देश में 543 स्थानों पर चुनाव हो रहे हैं। कई जगह करिश्माई लोग चुनाव लड़ रहे हैं, लेकिन पूरे देश में एक ही ऐसा क्षेत्र है जहां की सांसद को लोग सांसद जी, मंत्री जी, कहने के बजाय माता जी कहकर बुलाते हैं। उन्होंने कहा, मां के अंदर परमात्मा के बराबर शक्ति होती है। पूरी दुनिया साथ छोड़ देती है, लेकिन मां कभी साथ नहीं छोड़ती। आज मैं केवल अपनी मां के लिए नहीं, बल्कि सुल्तानपुर के लिए समर्थन जुटाने आया हूं। मां की जो परिभाषा होती है कि वो सबकी रक्षा करे, भेदभाव न करे, जो मुश्किलों में काम आए और जो निरंतर अपने हृदय में सबके लिए प्यार रखे। मां की डांट भी आशीर्वाद होती है। देश में जब सुल्तानपुर का नाम लिया जाता है तो रायबरेली, अमेठी की तरह मुख्यधारा में इसका नाम लिया जाता है।अपने संबोधन के दौरान वरुण गांधी ने कहा, सुल्तानपुर वालों के अंदर काबिलियत, साहस, प्रतिभा और स्वाभिमान की कोई कमी नहीं है। यहां के लोगों को एक ऐसा व्यक्ति चाहिए जो उन्हें अपना परिवार माने। परिवार का मतलब यह होता है कि वो हर समय साथ दे, वही परिवार होता है।

हम लोग एक खून के रिश्ते का वायदा करते हैं कि सुल्तानपुर का कोई व्यक्ति अकेला नहीं होगा। लोगों से भावनात्मक होते हुए वरुण गांधी ने कहा, जब मैं सुल्तानपुर पहली बार आया था, तो मुझे अपने पिता जी की खुशबू मिली थी, लेकिन आज मुझे कहने में गर्व महसूस हो रहा है कि आज मैं अपनी मातृभूमि में आया हूं। वरुण गांधी को भाजपा ने इस बार टिकट नहीं दिया है, लेकिन उनकी मां मेनका गांधी सुल्तानपुर से चुनाव लड़ रही हैं।

## दो प्रधानमंत्रियों की काशी पर दुनिया की नजर

वाराणसी। प्रदेश के वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री अरुण सक्सेना ने कहा कि विश्व की नजर उस काशी पर टिकी हुई है, जिसने दो प्रधानमंत्री देश को दिए। पहले स्व. लाल बहादुर शास्त्री और अब नरेंद्र मोदी। नरेंद्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में आज भारत की साख पूरे विश्व में ताकतवर राष्ट्र के रूप में बन गई है। वे रामपुर में भाजयुमो महानगर मंत्री सृजन श्रीवास्तव के आवास पर मतदाता जागरूकता संगोष्ठी में बोल रहे थे। विशिष्ट अतिथि विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि मोदी-योगी की डबल इंजन की सरकार ने रामनगर का कायाकल्प कर दिया है और हम इसे मिलकर आगे बढ़ाएंगे। इस अवसर पर संतोष द्विवेदी, राजेश्वर श्रीवास्तव, सृजन श्रीवास्तव, अजय सेठ गणेशु, जय सिंह चौहान, कुलदीप सेठ, गोविंद मौर्य, अनुराग श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव, नवीन श्रीवास्तव, सुशील श्रीवास्तव, अतुल श्रीवास्तव, ऋषभ सिन्हा, उदय विहार आदि रहे।

# मोदी जी! मेरे बुजुर्ग माता-पिता को क्यों निशाना बना रहे

## दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने चला इमोशनल कार्ड, प्रधानमंत्री से की अपील

नयी दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि उनके बुजुर्ग एवं बीमार माता-पिता को उन्हें तोड़ने के लिए निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऐसा करके सारी हदें पार कर दी हैं। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल ने ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनके पास प्रधानमंत्री मोदी के लिए एक संदेश है। उन्होंने कहा, मेरे पास प्रधानमंत्री मोदी के लिए एक संदेश और अपील है।

आपने मेरे विधायकों को गिरफ्तार किया लेकिन मैं नहीं टूटा। आपने मेरे मंत्री को गिरफ्तार कर लिया लेकिन आप मुझे झुका नहीं सके। आपने मुझे गिरफ्तार किया और जेल में मुझे परेशान किया गया। दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया था, और अभी वह जमानत पर हैं। केजरीवाल ने कहा, लेकिन आज तो आपने सारी हदें पार कर दीं। मुझे तोड़ने के लिए आपने मेरे बुजुर्ग एवं बीमार माता-पिता को निशाना बनाया। मेरी मां कई बीमारियों से पीड़ित हैं। जिस दिन (21 मार्च) मुझे गिरफ्तार किया गया, वह अस्पताल से लौटी थीं। मेरे पिता 85 वर्ष के हैं और उन्हें सुनने में दिक्कत है। क्या आपको लगता है कि मेरे माता-पिता दोषी हैं । मेरे माता-पिता को क्यों परेशान किया जा रहा है । भगवान आपको माफ नहीं करेगा। इससे पहले दिन में सूत्रों ने बताया था कि दिल्ली पुलिस आप की राज्यसभा सदस्य स्वाति मालीवाल के साथ कथित मारपीट के मामले में केजरीवाल के माता-पिता से पूछताछ करने बृहस्पतिवार को केजरीवाल के आवास पर नहीं जाएगी। केजरीवाल ने बुधवार को कहा था कि पुलिस बृहस्पतिवार को उनके बुजुर्ग और बीमार माता-पिता से पूछताछ करने आएगी। मालीवाल पर कथित हमले पर अपनी पहली प्रतिक्रिया में, केजरीवाल ने बुधवार को कहा था कि उन्हें मामले की निष्पक्ष जांच की उम्मीद है और मामले में न्याय मिलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने एक साक्षात्कार में कहा था कि मामला फिलहाल विचाराधीन है और उनकी टिप्पणी से कार्यवाही प्रभावित हो सकती है।

# कोरोना के नए वैरिएंट के मामले अब सामने आए

नई दिल्ली। कोरोना के नए वैरिएंट के मामले कई देशों में तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले एक महीने के भीतर भारत में भी संक्रमितों की संख्या में उछाल देखा गया है। इंडियन सार्स-सीओवी-2 जीनोमिक्स कंसोर्टियम द्वारा साझा की गई जानकारियों के मुताबिक नए वैरिएंट (फिलर्ट) के अब तक 325 से ज्यादा मामले सामने आ चुके हैं। सिंगापुर में कोरोना के जोखिमों को बढ़ाने वाले फिलर्ट वैरिएंट केपी.2 के मामले भारत में भी बढ़ रहे हैं, जिसको लेकर सावधानी बरतते रहने की आवश्यकता है। यूएस सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) द्वारा साझा की गई नए वैरिएंट की प्रारंभिक जानकारियों के मुताबिक फिलर्ट भी ओमिक्रॉन वैरिएंट का ही एक रूप है। इसकी प्रकृति भी पहले के वैरिएंट्स से मिलती-जुलती देखी जा रही है। फिलर्ट में कुछ नए म्यूटेशन जरूर हैं जो इसे आसानी से शरीर में प्रवेश करने और संक्रमण बढ़ाने वाला बनाते हैं। इंसाकॉग द्वारा साझा की गई जानकारियों के मुताबिक कोरोना के इस नए वैरिएंट के सबसे ज्यादा मामले महाराष्ट में रिपोर्ट किए गए हैं। महाराष्ट्र में इस नए वैरिएंट से संक्रमित 148 मामलों की पहचान की गई है। इसे बाद पश्चिम बंगाल में 36 लोगों को संक्रमित पाया गया है। गुजरात में 23, राजस्थान में 21, ओडिशा में 17, उत्तराखंड में 16, गोवा में 12, उत्तर प्रदेश में 8, कर्नाटक में 4, हरियाणा में 3, मध्य प्रदेश और दिल्ली में एक-एक लोगों में नए वैरिएंट से संक्रमितों की पहचान की गई है।

# फैक्टरी में विस्फोट से आग का तांडव, 7 की मौत, 40 जख्मी

## केमिकल फैक्टरी में हुआ भीषण हादसा, दूर तक सुनाई दी विस्फोट की आवाज

मुंबई। महाराष्ट्र में डोंबिवली के एमआईडीसी इलाके में स्थित एक फैक्टरी में बॉयलर फटने से आग लग गई। इस हादसे में सात लोगों की मौत हुई है, जबकि 40 लोग घायल हुए हैं। मौके पर राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी है। बताया गया है कि दोपहर 1.40 बजे अमुदान कैमिकल फैक्टरी में बॉयलर फटने से विस्फोट हुआ। महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री उदय सामंत ने बताया है कि अब तक घटनास्थल से चार शव बरामद किए गए हैं। सामंत ने कहा कि घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उधर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने एलान किया है कि घायलों के इलाज का खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाएगा। एक प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि विस्फोट की आवाज एक किलोमीटर दूर तक सुनाई दी। विस्फोट के कारण आसपास की इमारतों की कांच की खिड़कियों में दरारें आ गईं और कई घर क्षतिग्रस्त भी हुए। घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आपदा प्रबंधन विभाग के अधिकारी यासीन ताडवी का कहना है कि दोपहर करीब 1.40 बजे धमाके की आवाज सुनाई दी। उन्होंने आगे कहा कि विस्फोट के बाद आसपास की तीन फैक्टरियों में भी आग फैल गई। काफी दूर से धुंएं और आग का गुबार देखा जा सकता था। उधर महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने इस घटना पर दुख जताया है। उन्होंने एक्स पर ट्वीट कर जानकारी दी है कि इस मामले में आठ लोगों को निलंबित कर दिया गया है। फड़णवीस ने लिखा एनडीआरएफ, टीडीआरएफ और फायर ब्रिगेड की टीमों को मौके पर बुलाया गया है। राहत और बचाव का काम लगातार जारी है।'

## दिल्ली के कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में बम का खौफ थम नहीं रहा है। कुछ दिनों पहले 200 से ज्यादा स्कूलों को बम से उड़ाने वाले धमकी भरे ईमेल भेजे गए थे। पूरे एनसीआर में पैनिक की स्थिति बन गई थी। इसके बाद कई बड़े अस्पतालों और दिल्ली एयरपोर्ट को भी उड़ाने की धमकी दी गई। ऐसे में अब दिल्ली पुलिस ने बताया कि एक दर्जन से ज्यादा कॉलेजों से बम की धमकी के बारे में कॉल मिली है। मौके पर दमकल की गाड़ियां भेजी गई हैं। वहीं एक कॉलेज में विदेश मंत्री एस जयशंकर का प्रोग्राम होना था, जिसे बम की धमकी के बाद सुरक्षा कारणों से अब स्थगित कर दिया गया है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, लेडी श्रीराम कॉलेज समेत करीब एक दर्जन कॉलेजों को उड़ाने की धमकी मिली थी। इनमें हंसराज कॉलेज, गार्गी कॉलेज, रामजस कॉलेज, जाकिर हुसैन कॉलेज, इंद्रप्रस्थ कॉलेज फॉर वुमेन, लेडी इरविन कॉलेज, किरोड़ीमल कॉलेज, भास्कराचार्य कॉलेज, दीन दयाल उपाध्याय कॉलेज, श्री वेंकटेश्वर कॉलेज और पीजीडीएवी कॉलेज शामिल हैं। डीयू के कॉलेजों के अलावा, दिल्ली फार्मास्यूटिकल साइंसेज एंड रिसर्च यूनिवर्सिटी, स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) समेत अन्य राज्य विश्वविद्यालयों को भी धमकी मिली है। दरअसल, दिल्ली में बम का खौफ 30 अप्रैल को शुरू हुआ जब चाचा नेहरू अस्पताल को उड़ाने की धमकी मिली। वहीं 1 मई को 200 से अधिक स्कूलों को धमकी भरे मेल मिले। इसके बाद दिल्ली के करीब 20 बड़े अस्पतालों के पास धमकी भेजे गए।

# 1971 में मोदी होता तो करतारपुर भारत में होता

पटियाला। पटियाला के पोलो ग्राउंड में गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विरोधियों पर जमकर बरसे। लोकसभा चुनाव के लिए पंजाब में अपनी पहली रैली में मोदी ने कई भावनात्मक मुद्दों को छुआ। पीएम मोदी ने कहा कि कांग्रेस ने सत्ता के लिए देश का बंटवारा किया और बंटवारा भी ऐसा किया कि 70 साल तक हमें दूरबीन से करतारपुर साहिब के दर्शन करने पड़ते थे। जब बांग्लादेश की लड़ाई हुई, 90 हजार से ज्यादा पाकिस्तानी सैनिक सरेंडर कर चुके थे, 90 हजार से ज्यादा सैनिक हमारे कब्जे में थे। मैं विश्वास से कहता हूं, अगर उस समय मोदी होता, तो उनसे करतारपुर साहिब लेकर रहता, तब उन जवानों को छोड़ता। वो तो नहीं कर पाए, लेकिन मुझसे जितनी सेवा हो सकी मैंने की। आज करतारपुर साहिब आपके सामने है। मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ने लंगर को टैक्स से मुक्त किया। पहले श्री हरमंदिर साहब में विदेशों से भक्त चंदा नहीं दे पाते थे। हमने इसके लिए नियमों में छूट दी। श्री फतेहगढ़ साहिब तो साहिबजादे के शौर्य और शहादत का साक्षी रहा है। ये मोदी सरकार है, जिसने साहिबजादों के शौर्य के लिए समर्पित वीर बाल दिवस घोषित किया। अफगानिस्तान में हमारे सिख परिवार संकट में थे। हम सभी को सुरक्षित वापस लाए। हम गुरु ग्रंथ साहब के स्वरूपों को भी अदब के साथ लाए।

**इंडी गठबंधन पर निशाना :** पीएम ने इंडी-गठबंधन पर निशाना साधते हुए कहा कि ये घोर सांप्रदायिक हैं, घोर जातिवादी हैं, घोर परिवारवादी हैं। सत्ता के लिए ये किसी को भी धोखा दे सकते हैं। एक तरफ आतंकवादियों को घर में घुसकर मारने का साहस है। दूसरी तरफ इंडी वाले हैं, जो आतंकवादियों के एनकाउंटर पर आंसू बहाते हैं।

पीएम ने कहा कि पंजाब में दिखावे के लिए दिल्ली की कट्टर भ्रष्टाचारी पार्टी और सिख दंगों की दोषी पार्टी आमने-सामने लड़ने का नाटक कर रहे हैं। लेकिन सच्चाई ये है कि पंजा और झाड़ू... पार्टियां दो हैं, लेकिन दुकान एक ही है।

**वोट उसे दीजिए जो सरकार बनाएं :** मोदी ने कहा कि पंजाब जानता है कि उसे अपना वोट बेकार नहीं करना है और आप तो जानते हैं कि वोट उसे दीजिए जो सरकार बनाएं, वोट उसे दीजिए जो विकसित पंजाब बनाने के लिए प्रतिबद्ध हो, जो विकसित भारत बनाने का संकल्प लेकर चला हो और इसके लिए जरूरी है। एक तरफ मोदी सरकार है, जिसने 10 साल में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। वहीं दूसरी तरफ, इंडी गठबंधन है, जो कहता है कि वो आपकी कमाई का आधा हिस्सा छीन लेगा। इंडी गठबंधन समाज को, देश को, बांटना चाहता है, लेकिन मोदी भारत को विकसित भारत बनाना चाहता है। इसलिए पंजाब के भाई-बहनों से मैं आशीर्वाद मांगने आया हूं। देश के सामने एक तरफ भाजपा और एनडीए है। दूसरी तरफ भ्रष्टाचारियों का इंडी-गठबंधन है। इंडी-गठबंधन के पास ना नेता है ना नीयत है।

पीएम ने कहा कि इंडी गठबंधन वालों के लिए अपने वोट बैंक का तुष्टिकरण ही सबसे बड़ा लक्ष्य है। बंटवारे से पीड़ित दलित, सिख भाई-बहनों को मोदी सीएए कानून के तहत भारतीय नागरिकता दे रहा है। ये लोग (इंडी गठबंधन) सीएए का विरोध करते हैं, सीएए के नाम पर दंगे करवाए और ये आज भी कहते हैं कि उनकी सरकार आएगी तो वे सीएए को रद्द कर देंगे। उन्होंने लोगों से सवाल पूछा कि क्या बंटवारे के पीड़ित सिखों को भारतीय नागरिकता देना गलत है? भाजपा किसान कल्याण को प्राथमिकता देती है।

# छत्तीसगढ़ में सुरक्षाबलों से मुठभेड़ में सात नक्सली ढेर

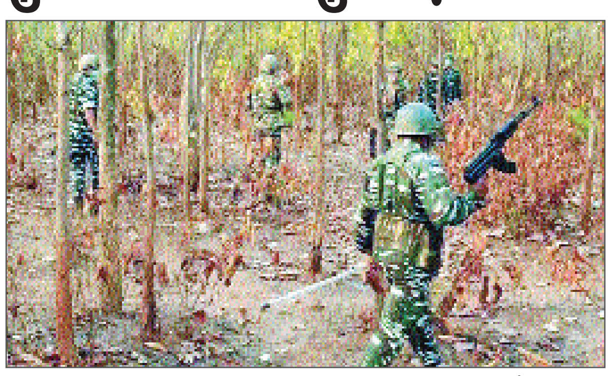

रायपुर। छत्तीसगढ़ में एक बार फिर नक्सली और जवानों के बीच जमकर मुठभेड़ हुई। नक्सल प्रभावित इलाका नारायणपुर, बीजापुर और दंतेवाड़ा की सीमा में जवानों ने 7 नक्सलियों को ढेर कर दिया है। वहीं घटना स्थल से अब तक दो नक्सलियों के शव को बरामद कर लिया गया है। बताया जा रहा है गुरुवार को तीन जिले के 1000 जवान सर्चिंग अभियान पर निकले थे। इस दौरान अलग-अलग इलाकों पर नक्सलियों और जवानों के बीच मुठभेड़ हुई। इसकी घटना की पुष्टि नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार ने की है।

जानकारी देते हुए नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार ने बताया कि नारायणपुर-बीजापुर जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में प्लाटून नंबर 16 और इंद्रावती एरिया कमिटी के नक्सलियों की आसूचना पर नारायणपुर, दंतेवाड़ा और बस्तर जिले के डीआरजी और बस्तर फाइटर्स के साथ एसटीएफ की टीमें सर्च अभियान पर निकली थी।

जानकारी देते हुए एसपी ने आगे कहा कि गुरुवार को लगभग दोपहर 11 बजे नक्सलियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू की।पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ अभी तक रुक रुक कर जारी है। वहीं जवानों ने घटना स्थल से अब तक दो नक्सलियों के शव को बरामद कर लिया है। साथ ही भारी मात्रा में हथियार भी मिला है। 10/12 नक्सलियों के घायल होने की संभावना है।

इस मामले को लेकर जानकारी देते हुए दंतेवाड़ा एसपी गौरव राय ने बताया कि दंतेवाड़ा डीआरजी ने 5 शव बरामद किए हैं।? इसके अलावा नारायणपुर पुलिस ने सुबह 2 शव बरामद किए थे। इसके अलावा मौके से नक्सलियों के साथ हथियार भी बरामद हुए हैं। हथियारों का ग्रेड क्या है वह अब तक पता नहीं चल पाया है। जानकारी के मुताबिक अभी भी इलाके में मुठभेड़ जारी है। पुलिस ने जानकारी देते हुए आगे बताया कि माओवादियों की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। उन्होंने बताया कि यह ऑपरेशन नारायणपुर, बस्तर और दंतेवाड़ा के ट्राईजंक्शन पर चलाया गया जो की अबूझमाड़ के जंगल में स्थित है।

**अबूझमाड़ के जंगल में नक्सलियों का डेरा :** बतादें कि महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के बीच फैली अबूझमाड़ को अज्ञात पहाड़ी के रूप में भी जाना जाता है। क्योंकि ब्रिटिश काल के बाद 6000 वर्ग किलोमीटर के घने जंगल का सर्वेक्षण अब तक नहीं कराया गया है। यह जंगल माओवादी गतिविधियों का एक बड़ा केंद्र है। बताया जाता है कि यहां माओवादी के लगभग एक दर्जन वरिष्ठ कैडर का यहां डेरा रहता है। जानकारी के मुताबिक इस साल छत्तीसगढ़ में सुरक्षा बलों के जवानों ने अलग-अलग मुठभेड़ में अब तक 107 माओवादियों को मार गिराया है जो कि साल 2023 की तुलना से बहुत अधिक है। क्योंकि 2023 में जवानों ने 22 माओवादियों को ढेर किया था।

## देवगौड़ा की अपने पोते को चेतावनी कहा, तुरंत लौटो और सरेंडर करो

नई दिल्ली। पूर्व पीएम एचडी देवगौड़ा ने अपने पोते और हासन लोकसभा सीट के सांसद प्रज्वल रेवन्ना को चेतावनी दी है। रेवन्ना पर महिलाओं के साथ यौन शोषण से जुड़े गंभीर आरोप हैं। पूर्व पीएम ने गुरुवार को उन्हें चेतावनी दी कि अगर वो वापस नहीं लौटे और पुलिस के सामने सरेंडर नहीं किया तो उनका परिवार उन्हें अकेला छोड़ देगा। रेवन्ना को वार्निंग लेटर में उन्होंने लिखा, इस मोड़ पर मैं सिर्फ एक काम कर सकता हूं। मैं प्रज्वल को एक गंभीर चेतावनी जारी कर सकता हूं और वो जहां भी है, वहां से लौटने और पुलिस के सामने सरेंडर करने के लिए कह सकता हूं। उसे आगे की जांच के लिए खुद को पुलिस को सौंप देना चाहिए। यह एक अपील नहीं है। यह मेरे द्वारा जारी की गई चेतावनी है। उन्होंने आगे कहा, अगर उसने चेतावनी को नहीं माना तो उसे मेरे और परिवार के सभी सदस्यों के गुस्से का सामना करना पड़ेगा। उसके खिलाफ लगाए गए आरोपों पर कानून अपना काम करेगा लेकिन अगर वह परिवार वालों की बात नहीं सुनता है तो उसे पूरी तरह से अकेला छोड़ दिया जाएगा। प्रज्वल रेवन्ना अश्लील वीडियो मामले में कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। इस पत्र के जरिए उन्होंने सीएम सिद्धारमैया ने पीएम नरेंद्र मोदी से जेडीएस सांसद प्रज्वल रेवन्ना के डिप्लोमेटिक पासपोर्ट को कैंसिल करवाने का निवेदन किया है। पत्र के जरिए उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी से प्रज्वल रेवन्ना की भारत वापसी के सुनिश्चित करने के लिए तुरंत और ठोस कार्रवाई करने का निवेदन भी किया।इसके अलावा गुरुवार सुबह एक न्यूज एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से यह दावा किया कि एमईए को कर्नाटक सरकार की तरफ से सांसद प्रज्वल रेवन्ना के डिप्लोमेटिक पासपोर्ट को कैसिंल करने के लिए पत्र मिला है।

# डीएम ने कंट्रोल रूम का औचक निरीक्षण किया

## पहली जून को होगा मतदान, निर्वाचन गतिविधियों पर रखी जाए कंट्रोल रूम से पैनी नजर : एस. राजलिंगम

वाराणसी। लोकसभा 77 वाराणसी सामान्य निर्वाचन-2024 को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए गठित कंट्रोल रूम का जिलाधिकारी एस. राजलिंगम ने शुक्रवार को औचक निरीक्षण किया। उन्होंने प्रिंट/इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिया, सी-विजिल, टोल फ्री-1950 समेत विभिन्न प्लेटफॉर्म पर निर्वाचन को लेकर आने वाली शिकायतों आदि के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने सभी शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण समय पर निस्तारण का निर्देश दिया।

जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी एस. राजलिंगम ने 25 मई को लोकसभा मछली शहर के तहत जिले की पिंडरा विधानसभा में होने वाले मतदान के बावत भी जानकारी ली। उनको बताया गया कि मतदान के लिए पोलिंग पार्टियां रवाना की जा रही हैं। इसके बाबत जिलाधिकारी ने विभिन्न दिशा-निर्देश भी दिया, जिसमें इवीएम, निर्वाचन सामग्री आदि प्राप्त करने, उनकी रवानगी तथा मतदान केंद्रों पर पहुंचने की पूरी जानकारी लेने को कहा। उन्होंने निर्धारित समयावधि में मतदान के आंकड़े लेने को भी निर्देशित किया। किसी प्रकार की दिक्कत आने पर तुरंत संबंधित को जानकारी देने को कहा। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु नागपाल, एडीएम (एफ/आर) वंदिता श्रीवास्तव, सचिव वीडीए वेदप्रकाश मिश्र, सहायक नगर आयुक्त अमित शुक्ल, एसडीएम शिवानी सिंह, जिला सूचना अधिकारी सुरेंद्र नाथ पाल समेत निर्वाचन से जुड़े विभिन्न अधिकारी उपस्थित रहे।

### वाणिज्य विभाग में पीएचडी प्रवेश को 29 जून तक जमा करें अर्जी

वाराणसी। महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में वाणिज्य विभाग की शोध प्रवेश परीक्षा (2022-23) उत्तीर्ण एवं शोध प्रवेश परीक्षा से मुक्त (नेट/ जेआरएफ) अभ्यर्थी अपने आवेदन 29 जून तक विभाग में जमा कर दें। विभागाध्यक्ष प्रो. अजीत कुमार शुक्ल बताया कि अभ्यर्थी को पीएचडी प्रवेश 2024 के द्वितीय चरण आवेदन पत्र के साथ समस्त शैक्षणिक दस्तावेज (हाईस्कूल से एम. कॉम. तक) की स्वप्रमाणित छायाप्रति, आरक्षण सम्बन्धी प्रमाणपत्र की छायाप्रति, शोध प्रवेश परिणाम/ नेट/जेआरएफ के सर्टिफिकेट की छायाप्रति, शोध प्रस्ताव (रिसर्च प्रपोजल) तीन प्रतियों में हस्ताक्षर सहित एवं पावर प्वाइंट प्रजेंटेशन हेतु प्रिंटेड प्रति (एक प्रति) जमा करना है। साथ ही विश्वविद्यालय के शुल्क काउंटर पर जमा की गयी फीस रसीद की छायाप्रति (रु. 500/- सामान्य व ओबीसी अभ्यर्थी व रु. 250/- एस.सी./एस.टी./दिव्यांगजन) भी वाणिज्य विभाग में जमा करना अनिवार्य है। प्रो. शुक्ल ने कहा कि आवेदन पत्र में मोबाइल नंबर (वाट्सएप नंबर एवं ईमेल एड्रेस) अवश्य लिखें एवं वाणिज्य विभाग के कार्यालय में स्थित वाट्सएप ग्रुप में क्यूआर कोड के माध्यम से जुड़ना सुनिश्चित कर लें, जिससे कि आवश्यक सूचनाएं समय-समय पर प्रेषित की जा सकें। साथ ही कहा कि अभ्यर्थी यह सुनिश्चित कर लें कि शोध में पंजीकरण के बाद तीन वर्षों तक कहीं अन्यत्र सेवारत या अध्ययनरत नहीं होंगे। (इस आशय का शपथपत्र / एफिडेविट बाद में लिया जायेगा) अन्यथा की स्थिति में आपका पंजीकरण निरस्त कर दिया जायेगा, जिसके जिम्मेदार अभ्यर्थी स्वयं होगे।

### नाराजगी व कड़ी चुनौती से सहम गई है भाजपा

वाराणसी। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व इंडिया गठबंधन प्रत्याशी अजय राय ने कहा कि बनारस में आम लोगों की नाराजगी और मिल रही कड़ी चुनावी चुनौती से सहमी भाजपा अपने कई बड़े नेताओं को बनारस में कैंप कराने जा रही है। कहां रहते हैं प्रधानमंत्री और भाजपा के ये नेता जब बनारस के लोगों के दुख-दर्द के मौके होते हैं। ग्लैमर-पालिटिक्स के सहारे वोट समेटने के इन टोटकों का मर्म अब काशी के लोग समझने लगे हैं और भरमाने वाले इन छलावों में फिर फंसने को तैयार नहीं हैं। कहा है कि प्रशासन के पक्षपाती रवैये और भाजपा के भारी धन व्यय के सहारे थोथे ग्लैमर खड़ा करने की चुनावी रणनीति के मुकाबले इंडिया गठबंधन दलों के कार्यकर्ताओं की शक्ति भाजपा को मुंहतोड़ जबाव देने के लिए तैयार एवं कटिबद्ध है। कहा कि सुना है कि जेपी नड्डा, स्मृति ईरानी, गिरिराज किशोर जैसे नेता मोदी जी के बचाव में अब यहां कैंप करने वाले हैं।

### जीवों के प्रति प्रेम भावना रखते हैं सेनानायक

वाराणसी (रिम्पी कौर)। सेनानायक डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय (आईपीएस)-36वीं वाहिनी पीएसी रामनगर, वाराणसी द्वारा 2 माह पूर्व गर्मी के मौसम के शुरूआत में ही पक्षियों एवं छोटे जीवों के लिए वाहिनी परिसर में विभिन्न जगह मिट्टी के पात्र में जल की व्यवस्था की गई थी। जो आए दिनों पड़ रही प्रचंड गर्मी व रिकॉर्ड तोड़ बढ़ते तापमान में पक्षियों के लिए वरदान बन गई है। जल से भरे मिट्टी के पात्र के इर्द-गिर्द दिन भर पक्षियों का झुंड व गिलहरी मौजूद रहता है एवं ठंडा पानी पीकर इस गर्मी में खुद को सुरक्षित बचाव करते आ रहा है। महोदय के निर्देशानुसार इस पात्र को प्रत्येक दिन सुबह एवं शाम ठंडा जल से भरा जाता है। गर्मी के मौसम में नदी नाला सूख जाने के कारण खास करके पक्षियों को ज्यादा दिक्कत होने लगती है। जिससे प्यास के कारण बहुत सारे पक्षी की जान चली जाती है। महोदय द्वारा अक्सर सैनिक सम्मेलन में बेजुबान पशु -पक्षियों के मददगार बनने हेतु जवानों को प्रेरित किया जाता रहा है। इस कार्य के कारण वाहिनी परिसर व इर्द-गिर्द में अपना घोंसला बनाकर निवास करने वाले पक्षी इस प्रचंड गर्मी में खुद को बचाव करने में सक्षम हो गए है।

# डॉ. ओम शंकर की मांग पर राष्ट्रपति से गुहार

वाराणसी। सर सुंदरलाल अस्पताल काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के हृदय रोग विभाग के प्रो ओमशंकर का किया जा रहा अनशन जारी है। वे विगत दो सप्ताह से अस्पताल में व्याप्त विभिन्न अनियमितताओं और भ्रष्टाचार को समाप्त करने की मांग को लेकर अपने कक्ष में ही आमरण अनशन पर हैं।

शुक्रवार को विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों ने उनकी मांगों के समर्थन में जुलूस निकाला और राष्ट्रपति को इस मामले हस्तक्षेप करने हेतु गुहार लगाई। स्वास्थ्य का अधिकार अभियान, साझा संस्कृति मंच, बनारस नागर समाज आदि संगठनों से जुड़े दो दर्जन से अधिक सामाजिक कार्यकर्ता शास्त्री घाट वरुणापुल पर एकत्र हुए और जिला मुख्यालय तक डॉ ओम शंकर की मांगों के समर्थन में जुलूस निकाला। जिला मुख्यालय पहुंचने पर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन को जिलाधिकारी के प्रतिनिधि अपर जिलाधिकारी नगर को सौंपा। ज्ञापन में गुहार लगाई गयी कि डॉ ओम शंकर द्वारा उठायी गयी मांगों पर राष्ट्रपति भवन द्वारा संज्ञान लेते हुए कार्यवाही तत्काल की जाए।

ज्ञापन देने वालो में प्रमुख रूप से डॉ आनंन्द प्रकाश तिवारी, फादर आनंद, जगन्नाथ कुशवाहा, वल्लभाचार्य पाण्डेय, जागृति राही, राम जनम, सतीश सिंह, डॉ अनूप श्रमिक, मनीष शर्मा, राजकुमार पटेल, जागृति राही, महेंद्र राठोर, शगुप्ता जबीं, डॉ इंदु पाण्डेय, धनंजय त्रिपाठी, प्रमोद पटेल, सुजाता भट्टाचार्य, एकता, नीति, अनिल कजूर, सिस्टर फ्लोरीन, सृष्टि आदि शामिल रहे।

चिकित्सा विज्ञान संस्थान बीएचयू के हृदय रोग विभाग के अध्यक्ष प्रो डॉ ओमशंकर के पक्ष में शुक्रवार को बीएचयू में अध्ययन रत छात्रों व हरहुआ क्षेत्र के युवाओं ने अनुराग यादव पूर्व छात्र व हरिओम यादव के नेतृत्व में चक्का ग्राम में रैली निकालकर डॉ ओमशंकर का समर्थन किया। ज्ञातव्य हो कि प्रो ओमशंकर कई दिनों से विभाग में अधिक बेड बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। उनका आरोप है कि अस्पताल प्रशासन ने बेड पर ताला लगा दिया है। इसलिए हृदय रोग के मरीजों का उपचार नहीं हो रहा है। अनुराग यादव ने यह भी आरोप लगाया कि डॉ केके गुप्ता ने पूर्व में ब्लड तक बेच दिया है। वक्ताओं ने कई आरोप लगाते हुए डॉ ओमशंकर का समर्थन किया।

### चुनाव की व्यवस्था पूरी घर-घर वोटर पर्ची बांटी

वाराणसी। लोकसभा चुनाव को लेकर चुनाव आयोग तेजी से जुट गयी है। चुनाव की व्यवस्था जहां पूरी कर ली हैं,वही घर -घर पर्ची बटवाने का कार्य भी शुरू करा दिया है। सैकड़ों बीएलओं लगाये गये है और अधिकारी व्यवस्था को सभालने के लिए डटे हुए हैं। शहर के अलग - अलग बूथों के मतदाताओं के नाम मतदाता लिस्ट से खोजने का कार्य अब तेजीसे प्रारम्भ हो गया है। उनकी पर्ची ढुड़ी जारही है और मकान भी पूछे जा रहे है। चिलचिलाती धूप और भीषण गर्मी में इनको चुनाव डुट्टी किये जाने की हिदायत दी गयी है। निर्वाचन कार्यालय ने मतदाताओं को समझाने के लिए जहां बीएलओं को मतदाता मार्गदर्शिका उपलब्ध करा दिया है,वहीं इसे घर -घर बाटे जाने का कड़ा निर्देश भी दिया है। जिसमें पंजीकरण की प्रक्रिया को समझाया गया है और मततदान करने अपना बोट डालने की विधि को भी बताया गया है।

# समय कैंप का भव्य उद्घाटन, किया प्रतिभाग

शौर्य न्यूज इंडिया

वाराणसी। प्रभु नारायण राजकीय इंटर कॉलेज रामनगर, वाराणसी के प्रांगण में निशुल्क 30 दिवसीय खेलकूद समर कैंप का उद्घाटन अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलन व सरस्वती मां के मूर्ति पर माल्यार्पण करके किया गया। जिसमें विभिन्न प्रकार के खेलों का प्रदर्शन जैसे कलारीपयट्टू, योगा, ताइक्वांडो, कराटे व बॉक्सिंग का प्रदर्शन करके दर्शकों का मन मोह लिया गया।

कलारीपट्टू खेल को माध्यमिक शिक्षा के खेलों में व स्कूल गेम फेडरेशन ऑफ इंडिया में पहली बार शामिल किया गया है। इस खेल का प्रदर्शन राष्ट्रीय खिलाड़ी व खेलो इंडिया में विजेता खिलाड़ियों पवन सहनी, सुलतान अली, सुजीत विश्वकर्मा और भास्कर के द्वारा किया गया। इस मौके पर विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ प्रभास कुमार झा व अन्य अतिथि गण रामचंद्र शुक्ल ( पूर्व प्राचार्य) महिंद्रा टेक्निकल कॉलेज चंदौली,डॉक्टर रविंद्र नाथ यादव (प्रभारी प्रवक्ता CTE) राधा किशोरी इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्य साधना राय व विभिन्न अतिथि मौजूद रहे।

अतिथियों के द्वारा बच्चों को खेलकूद के माध्यम से अपने जीवन को सफल बनाने तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया गया। इस समर कैंप में विभिन्न प्रकार के खेलो का प्रशिक्षण विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षकों के द्वारा दिया जाएगा जिसमें योग के लिए विशाल कुमार श्रीवास्तव व स्वाति जायसवाल, ताइक्वांडो के लिए अमित कुमार मौर्य, कराटे के लिए सौरभ केसरी कलारीपट्टू के लिए हरिदास राय, को नामित किया गया है जो अगले 30 दिनों तक इन बच्चों को प्रशिक्षण देंगे। विभिन्न विद्यालयों से आए शारीरिक शिक्षक श्री नागेंद्र चौरसिया, उमेश कुमार, डा. मोहम्मद गुलाम साबिर, डॉक्टर अश्वनी विश्वकर्मा, अनुराधा पांडेय आदि मौजूद रहे। यह जानकारी विद्यालय के शारीरिक शिक्षक विवेक कुमार सिंह ने दिया है।

# ..तो नमो घाट पर दुकानों के आवंटन में करोड़ों का खेल

वाराणसी। नमो घाट पर दुकानों के आवंटन में करोड़ों का घोटाला किये जाने पर नगर निगम सख्त हो गया है। स्मार्ट सिटी सहित कार्यदायी संस्था को जहां कटघरे में खड़ा कर दिया है ,वही नगर आयुक्त ने जांच कमेटी गठित कर दो दिनों में आख्या रिपोर्ट भी तलब की हैं। इसके लिए नगर आयुक्त अक्षत वर्मा ने अपर नगर आयुक्त एवं जोनल अधिकारी मनोज कुमार सिंह को जांच अधिकारी नियुक्त किया है और दो दिनों में इस मामले की जांचकर रिपोर्ट देने का सख्त आदेश दिया हैं। यह मामला तब उजागर हुआ जब जांच कमेटी का गठन कर इसकी जिम्मेदारी जोनल अधिकारी को सौपी गयी। शहर में स्मार्ट सिटी की अजब कहानी है। काशी को सुन्दर बनाने और सवारने के नाम पर खूब मनमानी है ।यहां इनके सिक्के का कोई मोल ही नही है। जैसा ग्राहक वैसा रेट, नही कोई रसीद है और नही पर्ची ही है। दुकानों के आवंटन के नाम पर सिक्योरिटी मनी के आड़ में अलग - अलग रेट से रुपये लिये जाने की शिकायत है। दुकानों को दिये जाने पर दुकानदारों को कोई रसीद नहीं दी जाती है और न तो पर्ची ही मिलता है। प्रोजेक्ट मैनेजर की मर्जी से ही दुकान आवंटित होते हैं और इनके मन से ही इसे छोड़ भी जाते हैं। इस मामले की जांच करने पहुँचे अधिकारियों को देख नमो घाट पर हड़कम्प मच गया।

# इस गांव में रात को विद्युत आपूर्ति नहीं होती

## रोषः नाराज ग्रामीणों ने बिजली नहीं तो वोट नहीं का नारा लगा किया प्रदर्शन

रौशनी

सेवापुरी। प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र के आदर्श ब्लॉक सेवापुरी से संबंधित गांव दबेथुआ दौलतिया के लोग अगस्त 2022 के बाद से रात्रिकालीन बिजली के लिए तरस रहे हैं तथा पूरी रात उन्हें अंधेरे में गुजारना पड़ रहा है।

इस मामले में ग्रामीण ने कई बार विद्युत विभाग के अधिकारियों के यहां फरियाद लगाए, लेकिन अधिकारियों ने कोई न कोई बहाना बना उनकी समस्या का समाधान नहीं किया। जिससे नाराज होकर ग्रामीण शुक्रवार की सुबह भारी संख्या में इकट्ठा होकर बिजली नहीं तो वोट नहीं का नारा लगाते हुए एक जून को होने वाले लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करने की चेतावनी दी।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में पहले से 22 विद्युत कनेक्शन है। अगस्त-22 में यहां की विद्युत दो भागों में बांट दी गई। जिसके तहत कृषि कार्य के लिए विद्युत अलग कर दी गई तथा लाइट कनेक्शन की विद्युत अलग कर दी गई। लेकिन गांव को लाइट कनेक्शन वाली बिजली से अभी तक नहीं जोड़ा गया। कृषि कनेक्शन होने के नाते वहां दिन में तो बिजली आती है लेकिन रात में बिजली नहीं आती, जिससे लोग परेशान है। इस मामले में विद्युत विभाग के अवर अभियंता विनम्र पटेल ने बताया कि लाइट कनेक्शन के लिए उक्त गांव को जोड़ने के लिए 20 पोल एवं अलग से तार की जरूरत है। जिसके लिए कोई फंडिंग करने को तैयार नहीं है और यह समस्या बनी है। इस समस्या को दूर करने के बारे में प्रस्ताव चल रहा है।

### ज्ञानवापी के एक मामले की सुनवाई दो जुलाई को

वाराणसी। सिविल जज सीनियर डिविजन फास्ट ट्रैक प्रशांत कुमार की अदालत ने शुक्रवार को ज्योतिर्लिंग आदिविश्वेश्वर की वाद में शैलेंद्र पाठक व जैलेंद्र पाठक की ओर से दाखिल पक्षकार बनाने अर्जी पर सुनवाई करने के बाद खारिज कर दिया। कोर्ट ने अगली सुनवाई के लिए दो जुलाई की तिथि नियत की है। पिछले दिनो इस अर्जी पर सुनवाई हुई थी। सभी पक्षों के सुनने के बाद कोर्ट ने आदेश के लिए 24 मई की तिथि की गई थी। वर्ष 2022 में पंडित सोमनाथ व्यास के नाती शैलेंद्र पाठक व जैलेंद्र पाठक ने कोर्ट में अर्जी दाखिल कर कहा था कि दादा के देहांत के उपरांत मुकदमे में पैरवी के लिए पक्षकार बनाया जाए। दोनों ने वरासत प्रार्थना पत्र भी दाखिल किया था। कोर्ट ने 30 मई 2019 को अर्जी में पैरवी नहीं होने के कारण बालाभाव के आधार पर खारिज कर दी थी। प्रार्थी को इसके संबंध में गुमराह किया गया। उन्होंने कुछ दिन पूर्व उक्त आदेश को रिकॉल करते हुए फिर गुण-दोष के आधार पर सुनने की गुहार लगाई थी। जिसपर कोर्ट ने इस अर्जी पर सुनने के आदेश दिया था। जिसपर कोर्ट में सुनवाई हुई। शैलेंद्र की ओर से अधिवक्ता सुधीर त्रिपाठी और सुभाष चंद्र चतुर्वेदी ने दलील पेश की थी।

### काशी के बुद्धिजीवियों को पीएम की पाती

वाराणसी। पीएम मोदी की पाती को लेकर संसदीय क्षेत्र वाराणसी में काफी चर्चा हो रही है। जिले की खास हस्तियों समेत कलाकारों और बड़े व्यापारियों के पास पीएम मोदी की पाती पहुंची है। पाती में पीएम मोदी ने काशी के गौरव और अध्यात्म से खुद को जुड़ा हुआ बताया है। बीएचयू के प्रोफेसर और चिकित्सकों के घर पर भी यह पाती पहुंचाई गई है। इसके अलावा, चिकित्सकों, इंजीनियरों, उद्यमियों, अधिवक्ताओं आदि के यहां भी पीएम की खास पाती पहुंची है। पाती में लिखा है। *सादर नमस्कार! आपको अवगत कराना है कि भारतीय लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व चल रहा है। काशी लोकसभा में पहली जून को मतदान होना है। काशी में आप सबके आत्मीय प्यार से मुझे बनारसी बना दिया है। केवल सांसद ही नहीं बल्कि स्वयं को काशी के बेटे के रूप में पाता हूं। आपके एक वोट की ताकत से आज देश के भविष्य का निर्माण हो रहा है। भारत को सामर्थ्यवान बनाने में आपका ही बड़ा योगदान है। हम काशी की बात करें तो मुझसे अधिक आपको पता है। इन 10 वर्षों में काशी के विकास को लेकर हमने जो संकल्प लिए थे, एक-एक कर पूरे हो रहे हैं। बाबा विश्वनाथ के आशीर्वाद से जो कुछ कर पाया हूं, अभी बहुत कुछ करना बाकी है। 2024 का चुनाव बहुत मायने में महत्वपूर्ण है। आपके मत एवं समर्थन से ही विकसित भारत का संकल्प पूरा होगा। एक जून को स्वयं परिवार के सदस्यों एवं अपनी संस्था के लोगों को मतदान स्थल तक ले आने में सक्रिय रूप से योगदान करें। अपनी संस्कृति, अपनी परंपरा, अपने गौरव को और ऊंचाईयां देने के लिए साथ चलें। धन्यवाद!*

# 'न गंगा की हुई सफाई और न ही काशी बनी क्योटो'

## अपने पांच न्याय व 25 गारंटियों पर चुनाव लड़ रहा इंडिया गठबंधन, दस साल झूठे वादों की भरमारः अभय

वाराणसी। आज से ठीक 10 साल पहले अप्रैल 2014 में नरेन्द्र मोदी वाराणसी में अपना पहला चुनाव लड़ने आए थे। उन्होंने जो पहला वाक्य कहा था कि मुझे मां गंगा ने बुलाया है, और मां गंगा की सफाई के बड़े-बड़े वादे किए थे। फिर काशीवासियों से कहा कि मैं काशी को क्योटो बनाने आया हूं। साथ ही यह भी कहा था कि वाराणसी में पोर्ट बनाऊंगा, जिसमें हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। प्रधानमंत्री ने फिर आदर्श ग्राम योजना के तहत कई गांवों को गोद लिया और उन गांवों में विकास के कई वादे किए। दस साल बाद आज तक न तो गंगा साफ हुई। न काशी क्योटो बन सकी नाम बड़े दर्शन छोटे-मूलभूत सुविधाओं के पड़े टोटे।

यह बातें शुक्रवार को लहुराबीर स्थित कांग्रेस के चुनाव कार्यालय में आयोजित पत्रकारवार्ता में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता अभय दुबे ने कही। कहा कि प्रधानमंत्री 2014 में जापान की यात्रा पर भी गए थे। जापान की सरकार के साथ काशी और क्योटो के बीच एक पार्टनर सिटी अफिलिएशन एग्रीमेंट किया गया था, लेकिन इस पर कोई काम नहीं हुआ। पीएम के गोद लिए गांव में लोग पीने के पानी व आवास के लिए तरस रहे हैं लेकिन प्रधानमंत्री ने उनकी सुधि नहीं ली। गंगा आज भी जस की तस हैं।

दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि मोदी जी ने उत्तर प्रदेश में मनरेगा की मजदूरी 230 से 237 रुपए की अर्थात सात रुपए मात्र बढ़ाया, जबकि पार्लियामेंट्री कमेटी ने उसे 375 रुपए प्रतिदिन करने को कहा था। कांग्रेस पार्टी अपने न्याय पत्र में 400 रुपए प्रतिदिन देने का वादा कर चुकी है। बीते कई वर्षों में वाराणसी के गांवों के मनरेगा मजदूर लगातार अपनी मजदूरी समय पर न मिलने की बात कह रहे हैं, जिसको लेकर उनके द्वारा वाराणसी के चौबेपुर थाने पर प्रदर्शन भी किया गया। 10 साल तक सांसद और प्रधानमंत्री रहने के बाद वाराणसी को एक भी नया सरकारी अस्पताल नहीं मिला।

न ही इसे एक भी नया जवाहर नवोदय विद्यालय या केन्द्रीय विद्यालय मिला है। यूपी कांग्रेस कमेटी मीडिया विभाग के चेयरमैन पूर्व मंत्री डा. सीपी राय ने कहा कि जनता महंगाई, बेरोजगारी व भ्रष्टाचार से ऊब चुकी है। इंडिया गठबंधन को लोग अब भाजपा के विकल्प के तौर पर देखे रहे हैं और वाराणसी लोकसभा सीट पर घर से घाट तक संबंध रखने वाले गठबंधन के प्रत्याशी अजय राय को अपना समर्थन देकर काशी वासी नया इतिहास रचने जा रहे हैं। इस मौके पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की मीडिया कोआर्डिनेटर श्रीमती गरिमा मेहरा दसौनी, प्रदेश प्रवक्ता संजीव सिंह, प्रदेश प्रवक्ता शैलेंद्र कुमार सिंह, अभिमन्यू त्यागी, राहुल राजभर, डा. नृपेंद्र नारायण सिंह आदि मौजूद थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं **प्रधान संपादक अजीत कुमार सिंह, स्थानीय संपादक प्रिया दूबे,** कुतुलूपुर रामनगर वाराणसी से प्रकाशित व मीडियाटेक्स्ट प्राइवेट लिमिटेड आराजी संख्या 68, मौजा गोविंदपुर, जीटी रोड रोहनिया, वाराणसी से मुद्रित। **आरएनआई नम्बर** : UPBIL05106 । इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से सम्बंधित विवादों का न्याय क्षेत्र वाराणसी होगा।

**सम्पर्क : 9473893322**
**7309842122 (विज्ञापन)**

### स्नेह मिलन समारोह में मतदान की अपील

वाराणसी। लोकतंत्र की मजबूती के साथ ही राष्ट्रहित के लिए लोगों में मतदान के प्रति जागरूक करने व एक वोट का महत्व बताने को शुक्रवार को करौंदी के नेवादा में एक स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें शामिल अतिथियों ने लोगों को मतदान के लिए संकल्प दिलाया।

प्रबुद्ध जनों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ.अरुण कुमार सक्सेना वन एवं पर्यावरण मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार, कैण्ट विधायक सौरभ श्रीवास्तव, डॉ.अशोक राय क्षेत्र संयोजक चिकित्सा प्रकोष्ठ काशी क्षेत्र ने लोगों को आलस्य छोड़ मतदान के लिए प्रेरित किया। डॉ. अशोक कुमार राय ने बताया कि देश की अर्थव्यवस्था उस देश के लोगों पर निर्भर इस प्रकार निर्भर करती है कि उनका मतदान शत प्रतिशत है कि नहीं, बताया कि एक वोट भी सिर्फ देश ही नहीं बल्कि स्वयं के भाग्य का फैसला करती है।